THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 174 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.11 2080 रविवार, 10 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जी-20 घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देश सहमत

** 9 बार आतंकवाद * चार बार यूक्रेन का जिक्र * बाइडेन, शेख हसीना सहित ब्राजील, अर्जेंटीना और इटली के राष्ट्राध्यक्ष भी मौजूद रहे*

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में जारी जी-20 समिट के पहले दिन ही साझा घोषणा पत्र पर सहमति बन गई है। शनिवार को दूसरे सेशन की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी ने बतौर अध्यक्ष यह जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने सभी सदस्य देशों की सहमति से नई दिल्ली डिक्लेरेशन पारित कर दिया।

डिक्लेरेशन पास होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सभी देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र मंजूर किया है। उन्होंने कहा, सभी लीडर्स ने माना है कि जी-20 राजनीतिक मुद्दों को डिस्कस करने का प्लेटफॉर्म नहीं है। सभी ने अर्थव्यवस्था से जुड़े अहम मुद्दों को डिस्कस किया है। इस घोषणा पत्र में यूक्रेन जंग का 4 बार जिक्र हुआ है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमें चुनौतीपूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। जी-20 का साझा घोषणा पत्र 37 पेज का है। इसमें कुल 83 पैराग्राफ हैं। इसे ही नई दिल्ली डिक्लेरेशन कहा गया है। पीएम मोदी ने ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस लॉन्च किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित ब्राजील, अर्जेंटीना और इटली के राष्ट्राध्यक्ष भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के लिए कनेक्टिविटी को बढ़ाना प्राथमिकता है।

जी-20 का स्थायी सदस्य बना अफ्रीकी संघ

पीएम मोदी की पहल पर सर्वसम्मति से हुआ फैसला

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है। तमाम देशों के नेता दिल्ली पहुंच चुके हैं। जी-20 बैठक के शुरू होते ही सबसे बड़ी खबर अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने से जुड़ी आ रही है।

यह भारत की प्राथमिकताओं में से एक कदम था, पीएम मोदी ने अविकसित देशों के विकास पर मजबूती से बात की थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने अफ्रीकन यूनियन को आधिकारिक रूप से जी-20 ग्रुप में शामिल किए जाने का ऐलान किया है। अब जी-20 का नाम बदलकर जी-21 किए जाने की उम्मीद है। अफ्रीकन यूनियन में 55 देश शामिल हैं और जी-20 में इसका शामिल होना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जिससे यह यूरोपीय संघ के बाद जी-20 के भीतर देशों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन जाएगा। पीएम मोदी ने ऐलान करते हुए कहा, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का विचार दुनिया के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। यह हम सभी के लिए वैश्विक भलाई के लिए एक साथ चलने का समय है। अफ्रीकी संघ 55 सदस्य देशों का एक समूह है जो अब यूरोपीय संघ के समान दर्जा रखता है। प्राधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत में अध्यक्ष अजाली असौमानी के प्रतिनिधित्व वाले एयू को स्थायी सदस्य के रूप में जी-20 नेताओं की मेज पर सीट लेने के लिए आमंत्रित किया।

स्किल डेवलपमेंट स्कैम : आंध्र के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू अरेस्ट

> बेटे नारा लोकेश को भी सीआईडी ने हिरासत में लिया
> दो साल पहले एफआईआर हुई थी

नंदयाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को स्किल डेवलपमेंट स्कैम में शनिवार सुबह 6 बजे नंदयाल शहर से गिरफ्तार कर लिया गया। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। मामला 250 करोड़ रुपये से ज्यादा के घोटाले से जुड़ा हुआ है।

चंद्रबाबू को तब गिरफ्तार किया जब वे नंदयाल शहर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद एक बस में आराम कर रहे थे। सीआईडी अधिकारी और नंदयाल जिला पुलिस, कुर्नूल रेंज डीआईजी रघुरामी रेड्डी की अगुआई में तड़के 3 बजे उस कैंप साइट पर पहुंचे जहां नायुडू ठहरे हुए थे। वहां पहुंचकर उन्होंने नायुडू को गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन पार्टी समर्थकों ने उन्हें रोक लिया। पुलिस और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। जब कार्यकर्ता नहीं माने तो पुलिस ने कुछ को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

विजयवाड़ा के कोर्ट में नायुडू की पेशी होगी :

गिरफ्तारी के बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए नंदयाल अस्पताल ले जाया जाना था, लेकिन उनके मना करने के बाद कैंप साइट पर ही उनका मेडिकल चेकअप किया गया। यहां से उन्हें विजयवाड़ा ले जाया गया है। जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। >14

देश के नाम की पट्टी पर भारत

पहली बार इंडिया नाम नहीं, स्मृति ईरानी बोलीं-ये उम्मीद और विश्वास का नया नाम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आज से जी-20 समिट शुरू हो गया है। इस इवेंट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में जब उद्घाटन भाषण दिया, तो जो तस्वीर सामने आई उसने सबका ध्यान खींचा। पीएम मोदी के आगे देश का नाम इंडिया नहीं भारत लिखा था। ये पहला मौका है जब किसी इंटरनेशनल इवेंट में प्रधानमंत्री की सीट के सामने देश का नाम इंडिया नहीं लिखा गया है। पिछली जी-20 बैठक इंडोनेशिया के बाली में 14 से 16 नवंबर को हुई थी। तब पीएम मोदी के आगे देश का नाम इंडिया ही लिखा था। इस मौके पर स्मृति ईरानी ने पीएम की तस्वीर शेयर करके कहा, उम्मीद और विश्वास का नाम- भारत।

बाइडन को बताया कोणार्क चक्र का महत्व

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जी-20 के लिए भारत मंडपम में मेहमानों का स्वागत किया। पीएम यहां स्वागत स्थल पर अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों से गर्मजोशी से मिले। जिन नेताओं के साथ पीएम की सबसे ज्यादा गर्मजोशी दिखी, उनमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन-सलमान खास रहे।

इन सभी नेताओं के साथ पीएम मोदी की जुगलबंदी कैमरे में भी कैद हो गई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी जी-20 सम्मेलन में शामिल हुए हैं। बाइडन का स्वागत करने के लिए पीएम मोदी ने खुद अपने स्थान से हठकर दो कदम आगे आए। इस दौरान पीएम मोदी ने बाइडन को कोनार्क चक्र के बारे में बताते हुए भी दिखें।

ब्रिटेन के पीएम से मोदी ने गर्मजोशी से की मुलाकात

जी-20 सम्मेलन में ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक से पीएम मोदी ने गर्मजोशी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने ऋषि सुनक से पहले हाथ मिलाया और फिर उन्हें गले से लगा लिया। दोनों नेताओं ने काफी देर तक बात भी की और तस्वीरें भी खिंचवाए। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भी जी-20 सम्मेलन में शामिल होने दिल्ली पहुंचे। पीएम मोदी ने मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने पहले एक-दूसरे से हाथ मिलाया और बात की। इसके बाद वापस जाते समय इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो ने पीएम मोदी को हाथ जोड़कर नमस्ते भी किया।

'युद्ध के संकट से विश्व में विश्वास का अभाव'

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में अपनी मेजबानी में जी-20 समिट की शुरूआत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में मोरक्को के भूकंप से लेकर 21वीं सदी में दुनिया की आकांक्षाओं तक पर बात की। पीएम ने अफ्रीकी यूनियन की सदस्यता को लेकर भी दुनियाभर की सहमति जुटाने को लेकर पहल करने की बात कही।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा, जी-20 के अध्यक्ष के तौर पर भारत आपका स्वागत करता है। जिस स्थान पर हम एकत्रित हैं, वहां से कुछ ही किमी के फासले पर करीब 2,500 साल पुराना एक स्तंभ लगा है। इसमें पारकृत भाषा में लिखा है- मानवता का कल्याण और सुख सुनिश्चित किया जाए। ढाई हजार साल पहले भारत की भूमि ने यह संदेश पूरे विश्व को दिया था। आइये इस संदेश को याद कर के जी-20 का हम शुभारंभ करें। मोदी ने कहा, 21वीं सदी का यह समय दुनिया को नई दिशा दिखाने वाला समय है।

एस जयशंकर बोले जी-20 नेताओं ने माना आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन चल रहा है और तमाम नेता दुनियाभर के मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

इसकी जानकारी देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि जी-20 नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और माना कि यह अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

साथ ही कहा कि जी-20 ने भारत को विश्व के लिए तैयार करने और विश्व को भारत के लिए तैयार करने में योगदान दिया है। उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के परिणामों पर एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि जी-20 लीडर्स ने आज जिस घोषणापत्र पर सहमति व्यक्त की है, वह मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

तीन विदेशी मेहमान भारतीय मूल के

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आज से दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन का आगाज हो गया है। जी-20 समूह में शामिल देशों के राष्ट्राध्यक्ष, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि और नौ मेहमान देशों के प्रतिनिधि शामिल होने के लिए भारत आए हैं। इसके अलावा कई वैश्विक संगठनों के प्रमुख भी इस जमावड़े में शिरकत कर रहे हैं। दिलचस्प तो यह है कि शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले तीन शख्सियतें भारतीय मूल की हैं।

ऋषि सुनक, ब्रिटेन :

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आए हैं। सुनक अक्टूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे। ऋषि सुनक की मां फार्मासिस्ट और पिता राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में चिकित्सक रहे। वेनचेस्टर कॉलेज से पढ़ाई के बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से दर्शन, राजनीति और अर्थशास्त्र में स्नातक किया। इसके बाद स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। स्टैनफोर्ड में पढ़ाई के दौरान ही उनकी मुलाकात भारतीय उद्योगपति नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति से हुई। बाद में अक्षता से उन्होंने शादी की। दोनों की दो बेटियां कृष्णा और अनुष्का हैं।

2015 में सुनक पहली बार यॉर्कशर के रिचमंड से सांसद बने। ब्रेग्जिट का समर्थन करने वाले नेताओं में शामिल रहे सुनक का कद सांसद बनने के बाद कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से बढ़ा। बोरिस जॉनसन जिस वक्त 'यूरोपियन यूनियन' छोड़ने का अभियान चला रहे थे, उस वक्त सुनक उनके सबसे बड़े समर्थकों में शामिल थे।

सुनक का भारत से क्या कनेक्शन है :

ऋषि सुनक का जन्म 12 मई 1980 को ब्रिटेन के साउथेम्पटन में हुआ था। उनकी मां का नाम ऊषा सुनक और पिता का नाम यशवीर सुनक हैं।

वह तीन भाई बहनों में सबसे बड़े हैं। सुनक के दादा-दादी ब्रिटिश शासन वाले भारत में पैदा हुए थे, उनका जन्मस्थान गुजरांवाला आधुनिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है। उनके दादा-दादी पंजाब के रहने वाले थे। बाद में वह अपने बच्चों के साथ पूर्वी अफ्रीका चले गए थे। यहां से उनका परिवार इंग्लैंड शिफ्ट हो गया। तब से सुनक का पूरा परिवार इंग्लैंड में ही रहता है। >14

पंजाब के 10 अफसर दिल्ली तलब : सीबीआई ने सम्मन जारी कर बुलाया

अमृतसर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंजाब एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के 10 अधिकारियों को दिल्ली तलब किया है। उन्हें बयान दर्ज करवाने के लिए दिल्ली बुला लिया है। यह वही मामला है, जिसमें दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्य आरोपी बनाए गए हैं। यह सम्मन दिल्ली में सीबीआई के अतिरिक्त एसपी राजीव कुमार द्वारा जारी किए गए हैं।

सम्मन में पंजाब के 10 अधिकारियों को अपने बयान दर्ज कराने के लिए सोमवार और मंगलवार को राजधानी में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। आईपीसी की धारा 160 के तहत जारी सम्मन एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के मुख्य कार्यालय के माध्यम से भेजा गया। गौरतलब है कि ईडी पहले ही दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले में तीन अधिकारियों से पूछताछ कर चुका है।

'गरीबों-जानवरों को मेहमानों से छिपा रही सरकार'

हकीकत से मुंह मोड़ने की जरूरत नहीं, राहुल की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को सरकार पर आरोप लगाया कि वह जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर और झुग्गियों को ढक रही है या ध्वस्त कर रही है। आवारा जानवरों को बंद कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे मेहमानों से भारत की हकीकत को छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें झुग्गियों को हरी चादरों से ढका हुआ दिखाया गया है। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता भाग ले रहे हैं।

भारत की हकीकत छिपाने की जरूरत नहीं :

राहुल गांधी ने ट्विटर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार हमारे गरीब लोगों और जानवरों को छिपा रही है। हमारे मेहमानों से भारत की हकीकत को छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष वर्तमान में विदेश दौरे पर हैं।

जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर साधा निशाना :

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जी-20 का उद्देश्य विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की एक उत्पादक सभा होना है, जिसका मकसद वैश्विक समस्याओं से सहयोगात्मक तरीके से निपटना है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपित व्लादिमीर पुतिन भले ही इससे दूर हों, लेकिन प्रिंस प्रोटेमकिन (रूसी सैन्य शासक) झुग्गियों को या तो ढककर रख रहे हैं या उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं। प्रधानमंत्री की छवि को बचाने के लिए आवारा पशुओं को बेरहमी से पकड़ा गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

पार्टी ने जारी किए वीडियो :

विपक्षी दल ने झुग्गियों को ढंकने के वीडियो के अलावा जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले आवारा कुत्तों और जानवरों के प्रति क्रूरता के वीडियो साझा किए। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक झुग्गी निवासी ने कहा, सरकार हमें कीड़े मानती है। क्या हम इंसान नहीं हैं। पार्टी ने एक्स पर कहा, जी-20 से पहले मोदी सरकार ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए उनके घरों को पर्दे से ढक दिया है, क्योंकि राजा गरीबों से नफरत करता है।

बेजुबान जानवरों से की गई क्रूरता :

कांग्रेस ट्वीट किया, जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी के दौरान मोदी सरकार द्वारा सड़क पर बेगुनाह कुत्तों के साथ की गई क्रूरता को देखने के लिए यह वीडियो देखें। उन्होंने कहा, कुत्तों को उनकी गर्दन से घसीटा जा रहा है, डंडों से पीटा जा रहा है और पिंजरों में डाला जा रहा है।

ये दोस्ती रुला गई : किसान की मौत पर अंतिम दर्शन करने पहुंचा बंदर

महिलाओं की गोद में सिर रखकर रोया

लखीमपुर खीरी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के गांव गोंधिया में इंसान और बंदर की दोस्ती का दिल छू लेने वाला मामला सामने आया है। किसान की मौत पर अंतिम दर्शन करने बंदर जंगल से निकलकर उसके घर पहुंच गया। शव से चादर हटाकर किसान का चेहरा देखा। करीब एक घंटे तक बैठा रहा। परिवार की महिलाओं की गोद में सिर रखकर रोया और फिर कहीं चला गया। यह मामला आसपास के गांवों में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि बंदर रोटी से पनपी दोस्ती का कर्ज निभाने पहुंचा था।

बिजुआ क्षेत्र के गोंधिया निवासी चंदनलाल वर्मा की मौत हो गई। परिजन और सगे संबंधियों का रो-रोकर बुरा हाल था। इसी समय एक बंदर कहीं से आ गया और मृतक चंदनलाल पर पड़ी चादर को हटाकर उनका चेहरा देखने लगा। ये देख ग्रामीण हैरान रह गए। ग्रामीणों के अनुसार बंदर परिजनों के पास ही बैठकर रोने लगा। रोती हुई महिलाओं पर अपना हाथ रखकर ढांढस भी बंधाया। बंदर की यह गतिविधि चर्चा का विषय बन गई। पास-पड़ोसी और ग्रामीण भी बंदर को देखने लगे। बंदर पर ग्रामीणों की मौजूदगी का कोई असर नहीं पड़ा। वह शव के करीब ही बैठा रहा। परिजन और ग्रामीण जब चंदनलाल का शव अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले तो बंदर भी कहीं चला गया। परिजनों का कहना है कि कुछ वर्ष पहले जब चंदनलाल खेत में फसल बचाने जाते थे तो बंदर को खाना खिला देते थे। उस रोटी से ही बंदर और चंदनलाल में दोस्ती हो गई। बंदर उसी दोस्ती और रोटी के फर्ज को निभाने पहुंचा था।

इस तरह हुई दोस्ती :

परिजनों के अनुसार मृतक चंदनलाल वर्मा जंगल के किनारे जानवरों से फसल बचाने के लिए झोपड़ी डालकर दिनभर खेतों में रुकते थे। घर से जो खाना ले जाते उसमें से एक रोटी बंदर को दे देते थे। खाना खाने के समय बंदर उनके पास आ जाता था। बेटे सोनू ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले पिता चंदनलाल को फालिज अटैक हो गया था।

इससे वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गए थे। चंदनलाल एक वर्ष से खेतों में नहीं गए थे। पता नहीं कैसे बंदर को उनकी मौत का पता चल गया। गांव के बुजुर्ग मोहनलाल वर्मा ने बताया कि आज तक ऐसा कभी ना देखा और न ही सुना था। वाकई में जानवर, इंसान से ज्यादा संवेदनशील व समझदार होते हैं।

राजद्रोह कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 12 को सुनवाई

पिछली सुनवाई में केंद्र ने कहा था-धारा 124ए की समीक्षा चल रही

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 152 साल पुराने राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 12 सितंबर को सुनवाई करेगा।

इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच करेगी। इससे पहले 1 मई को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राजद्रोह को अपराध बनाने वाली आईपीसी की धारा 124ए की समीक्षा की जा रही है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी थी। हालांकि, सुनवाई की तारीख आने से पहले ही 11 अगस्त 2023 को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 163 साल पुराने 3 कानूनों में बदलाव के लिए बिल पेश किया। इसमें राजद्रोह कानून खत्म करना भी शामिल है।

लॉ कमीशन ने कहा, राजद्रोह कानून जरूरी :

लॉ कमीशन ने 2 जून को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग का कहना था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को आईपीसी में बनाए रखने की आवश्यकता है। इसको हटाने का कोई वैलिड रीजन नहीं है। हालांकि, कानून के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता बनी रहे इसके लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल लगा दी थी रोक :

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में एक आदेश दिया है कि जब तक आईपीसी की धारा 124ए की री-एग्जामिन प्रोसेस पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसके तहत कोई मामला दर्ज नहीं होगा। कोर्ट ने पहले से दर्ज मामलों में भी कार्रवाई पर रोक लगा दी थी।

कोर्ट ने यह भी कहा था कि इस धारा में जेल में बंद आरोपी भी जमानत के लिए अपील कर सकते हैं।

पांच पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिकाएं दाखिल की थीं :

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत पांच पक्षों की तरफ से राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आज के समय में इस कानून की जरूरत नहीं है।

राजद्रोह नहीं अब देशद्रोह :

अंग्रेजों के जमाने के कानून खत्म करने के लिए मानसून सेशन के आखिरी दिन 11 अगस्त को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिल लोकसभा में पेश किया। सबसे बड़ा बदलाव राजद्रोह कानून को लेकर है, जिसे नए स्वरूप में लाया जाएगा। इस बिल में ब्रिटिश काल के शब्द राजद्रोह को हटाकर देशद्रोह शब्द आएगा। प्रावधान और कड़े हैं। अब धारा 150 के तहत राष्ट्र के खिलाफ कोई भी कृत्य, चाहे बोला हो या लिखा हो या संकेत या तस्वीर या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया हो, तो 7 साल से उम्रकैद तक सजा हो सकती है। देश की एकता और संप्रभुता को खतरा पहुंचाना अपराध होगा। आतंकवाद शब्द भी परिभाषित। अभी आईपीसी की धारा 124ए में राजद्रोह में 3 साल से उम्रकैद तक होती है।

कर्नाटक में भाजपा के साथ जेडीएस में अभी नहीं बनी बात

पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने गठबंधन को लेकर दिया अहम बयान

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस के गठबंधन को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। बीते दिन येदियुरप्पा ने जेडीएस और भाजपा गठबंधन की बात कही थी, जिसे आज कुमारस्वामी एक तरह से खंडन करते दिख रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि अभी गठबंधन नहीं हुआ है और इसके लिए अभी और समय लगेगा। एक विशेष पूजा में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि वो फिलहाल आगामी लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन के बारे में कुछ नहीं कह सकते। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री बी एस। येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जद (एस) के साथ गठबंधन से राज्य में भाजपा मजबूत होगी।

पंजाब पुलिस ने फाजिल्का से पकड़ी 15 किलो हेरोइन

चंडीगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर 15 किलो हेरोइन बरामद करके एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत 105 करोड़ के करीब आंकी गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ फाजिल्का की एसएसओसी विंग ने खुफिया अभियान चलाया था। इसी दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। भारतीय तस्कर इस खेप को भूसे से भरी ट्रॉली में छिपा कर ले जा रहा था। पकड़ी गई हेरोइन को जांच के लिए लैब में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 45 दिनों में एसएसओसी फाजिल्का ने 147 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। तस्कर के खिलाफ पुलिस स्टेशन सदर फाजिल्का में मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीजीपी ने बताया कि यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह तस्कर पाकिस्तान में किसके संपर्क में था और भारत में इस हेरोइन को कहां दिया जाना था।

मोरक्को में आए जोरदार भूकंप से अब तक

822 लोगों की मौत, 300 से अधिक घायल

अफ्रीकी देश मोरक्को में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई

धरती के कंपन से लगभग 822से अधिक लोगों की हुई मौत

रबात, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मोरक्को में शुक्रवार (8 सितबंर) देर रात आए शक्तिशाली भूकंप से अब तक 822 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 300 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार देश के आंतरिक मंत्रालय के कहा कि 'भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

अफ्रीकी देश मोरक्को मे आए भीषण भूंकप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, 'मोरक्को में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुख हुआ। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।'

घरों से बाहर आए लोग

जोरदार भूकंप के बाद लोग घबराकर अपने-अपने घर छोड़कर भाग गए। भूकंप के कारण ऐतिहासिक इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है और बिजली की कटौती भी हो गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप रात 11:11 बजे (2211 जीएमटी) मार्राकेश से 44 मील (71 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में 18.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। स्पेक्टेटर के मुताबिक, मोरक्को में आए भूकंप से अब तक कम से कम 822 लोगों की मौत हो गई है और 329 लोग घायल हो गए हैं।

रिक्टर पैमाने पर 7 थी तीव्रता

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि रात 11:11 बजे आए भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जो झटकों के साथ कई सेकंड तक रहा। मोरक्को के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी और चेतावनी नेटवर्क ने रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7 मापी, जबकि अमेरिकी एजेंसी ने भूकंप के 19 मिनट बाद 4.9 तीव्रता के झटके की सूचना दी। मोरक्को के लोगों ने कई वीडियो पोस्ट किए जिसमें कुछ इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं और ऐतिहासिक इमारतों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

चेय्यूर में कार और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर, चार लोगों की मौत

चेंगलपट्टू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के चेय्यूर तालुक में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक कार और वैन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई,जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पांच गंभीर रूप से घायल हुए है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार में चार यात्री सवार थे। कार के मालिक पुरूषोतमन और उनके दोस्त वेंकटेशन, गुरुमूर्ति और पूवरासन की ऑन द स्पॉट मौत हुई, जबकि कार में सवार एक अन्य यात्री रघु चेंगलपट्टू सरकारी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं और उसका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर समेत वैन में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए चेय्यूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मधुरांतकम वन्नारपेट क्षेत्र का निवासी 36 वर्षीय पुरूषोतमन अपने दोस्तों के साथ अपनी कार से चेंगलपट्टू एलाई अम्मन मंदिर से घर लौट रहा था, तभी कार वैन से टकरा गई। रिपोर्टों के अनुसार, वैन उन कर्मचारियों को ले जा रही थी जो कांचीपुरम जिले के उथिरामेरुर क्षेत्र में संचालित एक निजी निर्यात कंपनी में काम कर रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास से

गायब हो गया बीएसएफ जवान, अभी तक नहीं चला पता

श्रीनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान के उसकी चौकी से लापता होने की बात सामने आई है। अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बिहार का रहने वाला कॉन्स्टेबल शुक्रवार को उस समय लापता हो गया, जब वह बालाकोट सेक्टर में भरणी अग्रिम चौकी पर नियमित ड्यूटी पर था। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने कांस्टेबल की तलाश में अभियान चलाया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद संबंधित पुलिस थाने में

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

डीजीपी ने आतंकियों को दी सख्त चेतावनी

इस बीच जम्मू और कश्मीर से एक और बड़ी खबर सामने आई है। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने पाकिस्तान में रह रहे स्थानीय आतंकवादियों को कड़ी चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्हें सीमा पार भी शांति से रहने नहीं दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान में रह रहे आतंकवादियों की यहां स्थित संपत्तियों को कुर्क करना पहले ही शुरू कर दिया है और कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश करने वाले बुरे तत्वों को करारा जवाब दिया जाएगा।

भारत में वांछित आतंकी अबू कासिम पाक अधिकृत कश्मीर में ढेर, ढांगरी हमले का था मुख्य साजिशकर्ता

जम्मू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में वांछित एक आतंकवादी को शुक्रवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक मस्जिद के अंदर अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी। इस साल सीमा पार से सक्रिय किसी शीर्ष आतंकवादी कमांडर की यह चौथी हत्या है। प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध रियाज अहमद उर्फ अबू कासिम एक जनवरी को ढांगरी आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था। राजौरी जिले के ढांगरी गांव में आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में सात लोगों की मौत हो गई थी और 13 घायल हो गए थे।

बारिश से शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ा; रामघाट के मंदिर आधे पानी में डूबे, घाट पर बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था

उज्जैन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रुक रुककर हो रही बारिश से उज्जैन की शिप्रा नदी में बाढ़ आ गई है। छोटा पुल डूब गया है। इससे रामघाट पर स्थित अधिकांश मंदिर पानी में डूबे हैं। पुल पर पानी होने के कारण वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। उज्जैन और आसपास के इलाकों में हो रही रिमझिम बारिश के कारण ऐसा नजारा दिखाई दे रहा है। वैसे नदी का जल स्तर दो दिन पहले तक सामान्य ही था, लेकिन बारिश के बाद एकाएक पानी बढ़ गया। बारिश होने से शहर का मौसम अलग सुहाना हो गया है। वहीं किसानों की भी चिंता थोड़ी कम हुई है। फिलहाल आज शनिवार को बजी शिप्रा नदी की छोटी रपट डूबी हुई और रामघाट के मंदिर आधे पानी में डूबे हैं। घाट पर तर्पण और अन्य पूजा-पाठ करने वाले श्रद्धालुओं को ऊपर ही धर्मशाला में पूजन कार्य पंडितों से कराना पड़ा। साथ ही सुरक्षा के लिए शिप्रा तैराक दल और होमगार्ड के जवानों को तैनात किया गया है। उज्जैन शहर में पिछले काफी समय से बारिश नहीं होने के कारण लोग परेशान थे। किसान भी फसलों को लेकर चिंता में थे। बारिश होने के बाद फिलहाल सबने राहत महसूस की है।

इंदौर में खास होगा पीएम मोदी का जन्मदिन, बनाई गई ये योजना

इंदौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए निरंतर भाजपा एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा जनता के हित के लिए कई समारोह किए जा रहे हैं। जनता को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए दोनों पार्टी कोशिश कर रही हैं। हाल ही में अभी ये खबर सामने आई है कि विधानसभा दो और तीन में पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर इंदौर शहर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाने वाला है। इतना ही नहीं जनता की स्वास्थ्य कुंडली भी बनाई जाने वाली है। 17 सितंबर के दिन ये शिविर लगाया जाएगा। प्राप्त खबर के अनुसार, स्वास्थ्य शिविर भाजपा के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के सानिध्य में आरम्भ किया जाने वाला है। ऐसे में विधानसभा दो और तीन के एक एक घर के सदस्यों की मोबाइल एप्लीकेशन से स्वास्थ्य कुंडली बनाई जाने वाली है। बता दे, शिविर में एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद, सिद्ध यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग से मुफ्त उपचार बड़े बड़े चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। विशेष बात ये है कि इसमें लोग खून की जांच भी करवा सकते हैं। इस शिविर में एक्स-रे, सोनोग्राफी, ईसीजी, सीटी स्केन, एमआरआई तथा 154 खून की जांचें करवाई जाएगी।

1000 चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ एवं नर्सिंग स्टाफ की टीम इस शिविर में उपस्थित रहेगी जो नागरिकों का अच्छे से उपचार करेंगे। बड़ी-बड़ी बीमारी जैसे कैंसर, हृदय, किडनी, हड्डी, लीवर, फेफड़े, नेत्र, चर्म रोग, न्यूरोलॉजी, स्त्री एवं शिशु रोग के विशेषज्ञ भी इस शिविर में उपस्थित रहेंगे। ऐसे में जिन व्यक्तियों को सर्जरी करवाना है उनकी भी इस शिविर में मुफ्त सर्जरी की जाएगी। इसकी खबर एमएलए रमेश मेंदोला और आकाश विजयवर्गीय ने एक प्रेस कांग्रेस में दी है। विशेष बात ये है कि इस शिविर के कारण इंदौर अब जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में भी मिसाल बनकर उभरेगा।

4.52 करोड़ रुपये लूटकर भागे थे नकली पुलिसवाले 5 घंटे के अंदर असली पुलिसवालों ने पकड़ा

वर्धा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में पुलिस ने सिर्फ 5 घंटे के अंदर फिल्मी अंदाज में 4.52 करोड़ रुपये लूटकर भागे लुटेरों को धर दबोचा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने नकली पुलिस बनकर 4 करोड़ 52 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया था। बदमाशों ने अपनी कार में लाल बत्ती लगाई थी और सायरन बजाते हुए आए थे। उन्होंने एक कार सवार व्यक्ति की कनपटी पर पिस्तौल लगाकर कार समेत 4.52 करोड़ रुपयों पर हाथ साफ कर दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए

अभिनेत्री विजयालक्ष्मी की शिकायत पर सीमन को पुलिस ने किया तलब

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तमिल अभिनेता, निर्देशक और राजनेता सीमन को शनिवार को अभिनेत्री विजयालक्ष्मी की शिकायत के बाद पुलिस ने तलब किया था। अति तमिल राष्ट्रवादी राजनीतिक दल नाम तमिलर काची (एनटीके) के संस्थापक सीमन को वलसरवक्कम पुलिस ने सुबह 10.30 बजे बुलाया था। विजयलक्ष्मी ने चेन्नई सिटी पुलिस कमिश्नर कार्यालय में सीमान के खिलाफ चार पेज का शिकायत नोटिस दायर किया है। एक्ट्रेस का आरोप है कि सीमन ने उनसे शादी का वादा किया था। विजयलक्ष्मी ने

कहा कि सीमन ने उन्हें धोखा दिया और उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। अभिनेत्री, जिनके साथ कई फिल्मों में सीमन ने जोड़ी बनाई है, ने कहा कि उन्होंने पहले 2011 में अभिनेता, राजनेता के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी, लेकिन यह वादा करने के बाद कि वह उनसे शादी करेंगे, शिकायत वापस ले ली थी। सीमन ने 2013 में कल्याणी से शादी की थी और उनका एक लड़का है जिसका जन्म 2019 में हुआ था। सीमन तमिलनाडु के एक लोकप्रिय राजनीतिक नेता हैं, जिनके नाम तमिलर काची तमिल राष्ट्रवाद से संबंधित मुद्दों को उठाते हैं।

गोवा में इंटरनेशनल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ पुलिस ने पांच विदेशी लड़कियों को कराया मुक्त

गोवा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गोवा में पुलिस ने इंटरनेशनल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक स्वयं सेवी संगठन की सूचना के बाद केन्या की लड़कियों को मुक्त कराया। पुलिस का कहना है कि लड़कियों को मसाज पार्लर और होटल में काम दिलाने के नाम पर केन्या से लाया गया था। यहां लाने के बाद उनके दस्तावेज ले लिए गए थे। पीड़ित लड़कियों से पूछताछ की जा रही है। नॉर्थ गोवा एसपी निधिन वालसन ने बताया कि केन्या की रहने वाली दो महिलाएं गोवा में कुछ एजेंटों की मदद से वहां की लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए भारत लेकर आईं। लड़कियों को गोवा में मसाज पार्लर और होटल इंडस्ट्री में काम करने का लालच दिया गया था। यहां लाए जाने के बाद उनके पासपोर्ट और वीजा जब्त कर लिए गए और उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया। पुलिस के अनुसार, एनजीओ एआरजे को जानकारी मिली थी कि कुछ केन्याई लड़कियों को गोवा लाया गया है और उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए कुछ लोग बेंगलुरु ले जा रहे हैं। इसके बाद एनजीओ ने लड़कियों की तलाश की और गोवा पुलिस को सूचना दी। उत्तरी गोवा के एसपी निधिन वालसन ने कहा कि एसडीपीओ जीवाबा दलवी अंजूना पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर प्रशाल देसाई ने छापेमारी कर केन्याई लड़कियों को बचाया।

15 हजार से अधिक सिम कार्ड को पुलिस ने किया ब्लॉक

धोखाधड़ी के लिए जालसाज ने किया इस्तेमाल

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों कई जगह अवैध सिम कार्ड के जरिए काफी लोगों के साथ धोखाधड़ी के मामले सामने आते हैं। इसी बीच बेंगलुरु शहर की पुलिस ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पिछले तीन हफ्तों में 1500 से अधिक सिम कार्ड की पहचान कर उन्हें ब्लॉक किया है, जिसका इस्तेमाल धोखेबाजों द्वारा किया गया था।

15 हजार से अधिक सिम कार्ड ब्लॉक

पुलिस ने शनिवार को कहा कि शहर की सीमाओं के पार इस तरह के साइबर अपराध के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिसके कारण पुलिस ने यह कार्यवाही की है। पुलिस के मुताबिक, शहर में साइबर क्राइम की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए 16 अगस्त को एक विशेष अभियान शुरू किया गया था। इसके तहत, पुलिस 16 अगस्त

से 7 सितंबर तक 15,378 सिम कार्डों की पहचान की और उन्हें ब्लॉक कर दिया, जिसका इस्तेमाल धोखेबाजों द्वारा किया जाता था।

शिकायतों के आधार पर हुई पहचान

ब्लॉक किए गए अधिकांश सिम कार्ड उत्तरी भारत में चालू पाए गए और धोखेबाजों द्वारा विभिन्न धोखाधड़ी के तरीकों से निवासियों को धोखा देने के लिए इस्तेमाल किए गए। अधिकारी ने कहा, इस साल जनवरी से, साइबर अपराध से संबंधित मामलों में वृद्धि हुई है और हमें बहुत सारी शिकायतें मिलीं। इन मामलों में पीड़ितों ने उन नंबर को रजिस्टर कराया, जिसके माध्यम से उनके साथ धोखाधड़ी हुई। हमने उन सभी नंबरों को वेरिफाई किया और उन्हें तुरंत ब्लॉक कर दिया गया।

सिम कार्ड को तुरंत ब्लॉक करना बेहद आवश्यक

पुलिस उपायुक्त (कमांड सेंटर) रवींद्र गदादी ने कहा कि एक जालसाज एक ही सिम कार्ड का इस्तेमाल कई निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए कर सकता है। ऐसे में यदि सिम कार्ड को तुरंत ब्लॉक नहीं किया जाएगा, तो इसका इस्तेमाल किसी अन्य पीड़ितों को टारगेट किया जा सकता है।

पिछले साल की केस फाइल का हो रहा विश्लेषण

अधिकारी ने कहा, यह एक अभियान है और जब भी हम ऐसे संदिग्ध नंबरों की पहचान करेंगे, तो उसे ब्लॉक कर देंगे। पुलिस ऐसे सिम कार्डों की पहचान करने के लिए पिछले सालों की केस फाइल का विश्लेषण भी कर रहे हैं। इससे जिनका उपयोग धोखाधड़ी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया गया था, उन सभी सिम कार्ड को ब्लॉक करने में आसानी होगी।

रिटायर पुलिस अधिकारी के भाई की पिटाई, बार-बार चेतावनी के बाद भी कर रहा था अवैध शराब की सप्लाई

फिल्लौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। (पंजाब) शहर में अवैध शराब की सप्लाई करने से बार-बार रोकने पर भी जब तस्कर नहीं माना तो लोगों ने उसे रंगे हाथ पकड़कर उसकी धुनाई कर दी। यही नहीं, तस्कर की ओर से कान पकड़कर और जमीन पर नाक रगड़वाई गई। भविष्य में दोबारा इलाके में ही नहीं बल्कि शहर में भी अवैध शराब न बेचने का भरोसा दिलाने पर लोगों ने उसे भगा दिया। खास बात यह है कि यह कोई छोटा-मोटा तस्कर नहीं है बल्कि पुलिस विभाग में उच्च पद से रिटायर हो चुके अधिकारी का भाई है। इनता ही नहीं उक्त अधिकारी की पत्नी भी पुलिस विभाग से ही उच्च पद से रिटायर हुई हैं। लोगों का आरोप है कि उक्त तस्कर का एक छोटा भाई पहले लोगों से फोन पर बुकिंग करता है और उसके बाद वह होम डिलीवरी देने पहुंच जाता है।

'बीजेपी की बौखलाहट का कारण 'इंडिया ' गठबंधन', केजरीवाल ने कहा- इसलिए बदलना चाहते हैं देश का नाम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छह राज्यों में 7 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार 8 सितंबर को सभी के सामने आए गए। उपचुनाव में एनडीए को इंडिया गठबंधन ने सीधी टक्कर दी है। इंडिया गठबंधन चार सीटों पर विजयी हुआ है। वहीं, एनडीए गठबंधन 3 सीटों पर। इंडिया गठबंधन की जीत पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने खुशी व्यक्त करते हुए बीजेपी की तीखा तंज कसा। केजरीवाल ने कहा, 'यही कारण है बीजेपी की बौखलाहट का।' आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा, इंडिया गठबंधन बहुत शक्तिशाली है। यही कारण है बीजेपी की बौखलाहट का। यही कारण है कि बीजेपी देश का नाम ही बदलना चाहती है। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने कहा, 'जब जब इंडिया और बीजेपी आमने सामने होंगे तो इंडिया हमेशा जीतेगा। यही कारण है बीजेपी की बौखलाहट का। इंडिया ही भारत की आवाज़ है। देश की जनता ने देश का मूड साफ़ कर दिया है।' उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत पर आप सांसद संजय सिंह ने भी बीजेपी की आलोचना करते हुए तीखा तंज कसा।

सुविचार

हर काम को तीन अवस्थाओं से गुज़रना होता है - उपहास, विरोध और स्वीकृति।

सरकार के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें : महेंद्र रेड्डी

मंत्री ने पंचायत सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपा

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना, नागरिक संबंध और खान मंत्री डॉ. पटनम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्य शासन की सुविधा के लिए नई पंचायतें स्थापित करने का श्रेय मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को जाता है। मंत्री ने कहा कि पंचायतों के गठन के साथ ही कार्यपालक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए 9 हजार से अधिक नये पंचायत सचिवों की नियुक्ति की गयी है। मंत्री ने आज चार वर्ष पूर्ण करने वाले 5 हजार 721 पंचायत सचिवों में से 5 हजार 38 को पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में नियुक्ति पत्र प्रदान किये। मंत्री ने कहा कि 9355 पंचायत सचिव के पद भरे गये हैं। मंत्री ने शनिवार सुबह विकाराबाद जिले के लिए नव स्वीकृत पंचायत राज विभाग उपकार्यकारी अभियंत्रण कार्यालय का उद्घाटन किया। मंत्री डॉ. पटनम महेंद्र रेड्डी ने एकीकृत कलेक्टर कार्यालय में प्रशिक्षण अवधि पूरी करने वाले 309 पंचायत सचिवों को पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम में चेवेल्ला के सांसद गड्डाम रंजीत रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर राहुल शर्मा, विधायक मेटुकु आनंद, यादैया, महेश रेड्डी, राज्य बीसी आयोग के सदस्य शुभत्रा पटेल, जिला परिषद के उपाध्यक्ष विजय कुमार, एमपीपी चंद्रकला, नगरपालिका अध्यक्ष मंजुला और अन्य ने भाग लिया। विकाराबाद जिले में 429 में से 309 जेपीएस को पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति पत्र सौंप दिए गए हैं। मंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले पंचायत सचिवों को बधाई दी। मंत्री ने सुझाव दिया कि पंचायत सचिवों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सरकार द्वारा निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

दोस्त की हत्या के आरोपी चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने युवक की हत्या के में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृत के. कार्तिक की दोस्तों ने ही जंगल क्षेत्र, ओल्ड एयरपोर्ट रोड, बोवेनपल्ली में हत्या कर दी थी। गिरफ्तार आरोपियों में एपी के विजयनगरम् निवासी तोलेटी साई निवासी विजयनगरम, कोप्पाला सुरेश, मज्जी रघु और श्रीकाकुलम् निवासी नक्का जगदीश शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार 16 अगस्त को कनकम वेंकटेश निवासी संकिसा गांव, दोर्नाकल मंडल, महबूबाबाद ने एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें कहा गया था कि उनके भाई के.कार्तिक फिल्मों में जूनियर कलाकार के रूप में अपनी आजीविका चलाकर वेंकटगिरी, यूसुफगुडा, हैदराबाद में एक कमरे में रहते थे।

रविवार 13 अगस्त से वह के. कार्तिक से फोन पर संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनका नंबर नहीं मिल रहा था। इसलिए वह उनकी तलाश में उनके कमरे में गए और पाया कि वह बंद था। शिकायत मिलने पर, जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज किया। पेश किए गए सबूतों के आधार पर और जांच में तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके संदिग्ध टोलेटी साई तक पहुंच गया, जिसने पूछताछ में बताया कि जंगल में अपने तीन दोस्तों के साथ के. कार्तिक (लापता व्यक्ति) की भयानक हत्या करने की बात स्वीकार की। मुख्य आरोपी टोलेटी साई के साथ ही पुलिस ने शेष तीन आरोपियों कोप्पाला सुरेश, नक्का जगदीश और मज्जी रघु को पकड़ लिया। टोलेटी साई एक यूट्यूबर है और उसने अपने दोस्तों सुरेश, जगदीश और रघु के साथ मिलकर कार्तिक को खत्म करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी, क्योंकि आरोपी साई और मृतक कार्तिक एक महिला के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। साई ने अपने तीन दोस्तों के साथ दो मोटरसाइकिलों पर यूसुफगुडा मेट्रो स्टेशन के पास से कार्तिक का अपहरण कर लिया। वे पुराने हवाई अड्डे पर, बोवेनपल्ली में पीड़ित को मारने की योजना के साथ जंगल क्षेत्र में ले गए और वे अंततः उसका गला काटकर उसके सिर पर बार-बार पत्थर मारकर ऐसा करने में सफल रहे। मृतक की मौत की पुष्टि करने के बाद, शव को घसीटकर पास की जगह पर ले गए और फिर पीड़ित का सेल फोन लेकर वे सभी वहां से चले गए।

रनिंग स्टाफ को पर्याप्त आराम प्रदान किया जाएं : अरूण जैन

महाप्रबंधक ने निज़ामाबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शनिवार को हैदराबाद डिवीजन के निज़ामाबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। श्री जैन ने निज़ामाबाद स्टेशन पर क्रू नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया और क्रू बुकिंग लॉबी के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने क्रू मैनेजमेंट सिस्टम की जांच की जहां लोको पायलटों और गार्डों को ड्यूटी के लिए बुक किया जाता है। महाप्रबंधक ने रनिंग स्टाफ को ड्यूटी के लिए बुक करने से पहले पर्याप्त आराम प्रदान करने पर जोर दिया और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि क्रू लिंक कुशलतापूर्वक तैयार किए जाएं ताकि कर्मचारियों के लिए पर्याप्त आराम सुनिश्चित किया जा सके, साथ ही ड्यूटी के लिए रनिंग स्टाफ की उचित कुशल तैनाती सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने क्रू रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने लोको स्टाफ के लिए प्रदान की गई सुविधाओं की समीक्षा की और लोको पायलटों से बातचीत की। महाप्रबंधक ने रनिंग रूम में पौधारोपण भी किया। महाप्रबंधक ने निज़ामाबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन के हिस्से के रूप में स्टेशन पर विकास के लिए योजना बनाई गई सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा भी की। उन्होंने विकास योजनाओं को समय पर क्रियान्वित करने पर चर्चा की ताकि जल्द से जल्द आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा सके। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया और स्टेशन में दुर्घटना राहत ट्रेन और चिकित्सा राहत वैन की जांच की। श्री जैन ने निज़ामाबाद स्टेशन पर माल शेड और कैरिज एंड वैगन डिपो का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ आगे की विकासात्मक योजनाओं पर चर्चा की। बाद में, महाप्रबंधक ने निज़ामाबाद से सिकंदराबाद स्टेशन तक विंडो निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने पटरियों और सिग्नलिंग प्रणाली के सुरक्षा पहलुओं की जांच की।

शांतिपूर्वक मनाया जाए गणेश उत्सव : डीएस चौहान

भारी उपकरणों के साथ विसर्जन के लिए कड़ी सुरक्षा होगी * भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों के साथ सीपी की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने 18 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में नेरेडमेट में आयुक्त कार्यालय में भाग्यनगर गणेश महोत्सव समिति के सदस्यों के साथ एक समन्वय बैठक की। इस बैठक में कमिश्नर ने कहा कि गणेश विसर्जन तय योजना के मुताबिक हो और कोई गलती न हो इसके लिए पुलिस विभाग कड़ी मेहनत कर रहा है और उत्सव समितियों के आयोजकों को भी सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गणेश शोभा यात्रा में कोई व्यवधान न हो इसके लिए पुलिस की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। गणेश उत्सव राज्य में मनाए जाने वाले सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। सीपी ने कहा कि मंडपों में डीजे की अनुमति नहीं है और मंडप प्रबंधकों और समितियों को उन नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। यह सुझाव दिया गया है कि प्रबंधन को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए कि स्वयंसेवक पूरे दिन गणेश मंडपम में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें और भक्तों की यात्रा को ध्यान में रखते हुए मंडपम में कतार की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि मंडपम में गणेश मंडपम प्रबंधकों के विवरण, समिति विवरण, मंडपम के प्रभारी लोगों के विवरण और फोन नंबर के साथ फ्लेक्सी के साथ लगाया चाहिए। आयोजकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और उत्सव बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित किया जाए। गणेश नवरात्रि समारोह के प्रबंधन और सुरक्षा से संबंधित राचकोंडा पुलिस, जीएचएमसी, अग्निशमन विभाग, जल निकासी विभाग, चिकित्सा विभाग, बिजली, परिवहन और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। वे यह सुनिश्चित करने के लिए उन सभी के साथ समन्वय करना चाहते हैं कि गणेश नवरात्रि समारोह शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यक पुलिस उपकरण, तैराक, विसर्जन के लिए इस्तेमाल होने वाली क्रेन, रोशनी और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जा रही है. विसर्जन के अवसर पर तालाबों एवं अन्य विसर्जन जलस्रोतों पर स्ट्रीट लाइट, फ्लड लाइट एवं आवश्यक क्रेनें लगाई जा रही हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गणेश विसर्जन तालाब के तटबंधों पर टेंट, बिजली की रोशनी, बैरिकेड्स, पानी की अच्छी सुविधा, मोबाइल शौचालय और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने कहा कि विभिन्न मुद्दों को राचाकोंडा आयुक्त के ध्यान में लाया गया। कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि वे मुद्दों को देखेंगे और कार्रवाई करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि गणेश उत्सव के दौरान कोई समस्या न हो। बैठक में यादाद्री डीसीपी राजेश चंद्रा, ट्रैफिक डीसीपी 1 अभिषेक महंती आईपीएस, ट्रैफिक डीसीपी 2 श्रीनिवासुलु, मल्काजगिरी प्रभारी डीसीपी गिरिधर राव,

केआईटीएसडब्लू ने 'उच्च स्तर के संस्थान का निर्माण' विषय पर चर्चा आयोजित की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, वारंगल (केआईटीएसडब्लू), हनमकोंडा के एमबीए (प्रबंधन) विभाग ने शनिवार को यहां "उच्च स्तर के संस्थान का निर्माण" विषय पर एक वार्ता आयोजित की। यह व्याख्यान मार्केटिंग और प्रबंधन के प्रोफेसर और हरियाणा के गुरुग्राम में प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई) के पूर्व निदेशक डॉ. मुकुल पी गुप्ता ने दिया था। डॉ. गुप्ता ने एक मजबूत संस्थान के निर्माण में प्रभाव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी संस्थान की प्रतिष्ठा दुनिया पर उसके प्रभाव या प्रभाव से होती है। गुप्ता ने छात्र समुदाय को वैश्विक बाजार में सफल होने के लिए अपनी आलोचनात्मक सोच, तार्किक, पारस्परिक और रणनीतिक कौशल में सुधार करने की भी सलाह दी। उन्होंने एक मजबूत संस्थान के निर्माण में संकाय प्रेरणा, स्वतंत्रता और विनियमन, नए छात्रों के प्रभाव और धन और उनके प्रदाताओं के महत्व पर भी जोर दिया। इस चर्चा को उपस्थित संकाय सदस्यों और छात्रों ने खूब सराहा। केआईटीएस के प्रिंसिपल प्रोफेसर के अशोक रेड्डी ने कहा कि बातचीत ने संकाय पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डाला है और इससे उन्हें संस्थान को और विकसित करने में मदद मिलेगी। केआईटीएसडब्लू के अध्यक्ष कैप्टन वी लक्ष्मीकांत राव ने कहा कि यह वार्ता संस्थान के लाभ के लिए एक मूल्यवान और दूरदर्शी प्रस्तुति थी। इस कार्यक्रम में डीन, विभागों के प्रमुख और एमबीए कार्यक्रम के संकाय सदस्यों सहित संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

पीएम मोदी के आह्वान पर जीएचएमसी जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने पोसल बस्ती, जामबाग डिविजन में घर-घर जाकर माटी एकत्र कर 'मेरी माटी मेरा देश' का आयोजन किया। कार्यक्रम में अमर सिंह, बंगारू सुधीर , मयूर कालेकर, प्रवीण बाबू, संतोष, रघु कांबले, रामकृष्ण, नरसिंह, हरिनाथ, विनोद चौधरी, अनिल यादव आदि ने भाग लिया।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सं.30235750, दिनांक :24.08.2023

क्रम सं.1, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 4.00 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 1100 संख्यक)।

क्रम सं.2, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 4.00 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 1200 संख्यक)।

क्रम सं.3, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 400 संख्यक)।

क्रम सं.4, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 100 संख्यक)।

क्रम सं.5, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 10 संख्यक)।

क्रम सं.6, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 50 संख्यक)।

क्रम सं.7, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 40 संख्यक)।

क्रम सं.8, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 190 संख्यक)।

क्रम सं.9, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 35 संख्यक)।

क्रम सं.10, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 30 संख्यक)।

क्रम सं.11, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 50 संख्यक)।

क्रम सं.12, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 50 संख्यक)।

क्रम सं.13, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 25 संख्यक)।

क्रम सं.14, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित कंप्लीट फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV-F अथवा तत्समान के अनुसार स्ट्रक्चर बॉन्ड (प्लेटफॉर्म के अलावा) की आपूर्ति। लम्बाई : 3.50 मीटर (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई) एवं RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000 REV अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 300 संख्यक)।

क्रम सं.15, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ दोनों तरफ छेद एवं लूप सहित संपूर्ण 40X6mm M.S.फ्लैट (300 मीटर लम्बाई (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई)) के साथ स्ट्रक्चर बॉन्ड। RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000, mod-f एवं IS 1731 अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 1210 संख्यक)।

क्रम सं.16, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ दोनों तरफ छेद एवं लूप सहित संपूर्ण 40X6mm M.S.फ्लैट (300 मीटर लम्बाई (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई)) के साथ स्ट्रक्चर बॉन्ड। RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000, mod-f एवं IS 1731 अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 950 संख्यक)।

क्रम सं.17, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ दोनों तरफ छेद एवं लूप सहित संपूर्ण 40X6mm M.S.फ्लैट (3.00 मीटर लम्बाई (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई)) के साथ स्ट्रक्चर बॉन्ड। RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000, mod-f एवं IS 1731 अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 950 संख्यक)।

क्रम सं.18, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ दोनों तरफ छेद एवं लूप सहित संपूर्ण 40X6mm M.S.फ्लैट (3.00 मीटर लम्बाई (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई)) के साथ स्ट्रक्चर बॉन्ड। RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000, mod-f एवं IS 1731 अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 1500 संख्यक)।

क्रम सं.19, सामग्री विवरण: ब्लॉक पेन्टेड एवं स्मूथ एज(Smooth edge)(40MMX6MM) सहित M.S. फ्लैट स्टील से निर्मित फैस्टनर (G.I.नट एवं बोल्ट तथा वॉशर 16MMX50MMX38MM) के साथ दोनों तरफ छेद एवं लूप सहित संपूर्ण 40X6mm M.S.फ्लैट (3.00 मीटर लम्बाई (लूप को छोड़कर कुल बॉन्ड लम्बाई)) के साथ स्ट्रक्चर बॉन्ड। RDSO ड्रॉईंग नं.ETI/OHE/P/7000, mod-f एवं IS 1731 अथवा तत्समान के अनुसार, TPI द्वारा निरीक्षण, (मात्रा : 1250 संख्यक)।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.09.2023 को 1500 बजे।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

PR-561/O/23-24 | वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

वर-वधू चाहिए

28 years beautiful marwari girl Hyderabad based family looking for a suitable match Please contact (080-69070643)

35 years Rajput handsome man Hyderabad based upper middle class family looking for suitable match please contact (080-69070643)

36 years divorced marwari business family only child looking for a suitable match Please contact (080-69070643)

वर चाहिए

कन्या की आयु 26 वर्ष, ऊँचाई 5.3, सुंदर 10वीं हिन्दू माहेश्वरी पिता का निधन माँ और कन्या की पूजन सामग्री व फूलों की दुकान है। गरीब लड़की के लिए सर्वजातीय वर चाहिए।

7517057842

8378879264

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की मासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की मासिक बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में गत मीटिंग में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। बैठक में सभा की वेबसाइट के कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा की गई एवं उसका सार्वजनिकरण किया गया। सभा के खातों की लेखा परक्षा वर्ष 2022-23 तक पूर्ण होने पर सभी ने संतोष व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त सभा की सदस्य संख्या के विस्तार करने पर चर्चा हुई एवं सभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को इस कार्य में सक्रियता से भाग लेने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन डॉ. रामकुमार तिवारी ने की। बैठक में महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, प्रचार मंत्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, आयोजन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ला, जनसम्पर्क मंत्री विनोद प्रसाद तिवारी, विशेष आमंत्रित प्रेम सुन्दर शुक्ल, सांस्कृतिक मंत्री सत्नकला मिश्रा, व्यवस्था मंत्री दुर्गाप्रसाद मिश्रा, युवा मामलो के मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, तकनीकि संयोजक जागेश दत्त शुक्ला, महिला विभाग मंत्री शोभा दुबे ने भा लिया। महामंत्री के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक सम्पन्न हुई।

करंट लगने से दंपत्ति की मौत

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा में शनिवार सुबह एक दंपत्ति की उनके घर में करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तनवीर (36) और उनकी पत्नी शकीरा बेगम पिछले कुछ सालों से तीन बच्चों के साथ बंडलागुडा के गौसनगर स्थित अपने घर में रहते थे। शनिवार की सुबह शकीरा बेगम घर में पानी का पंप चालू करने गयी, तभी करंट की चपेट में आ गयी। यह देखते ही, तनवीर उसे बचाने के लिए दौड़ा और उसे बचाने की कोशिश में वह भी करंट की चपेट में आ गया और गिर गया। हादसे के दौरान पड़ोसी उनके घर में पहुंचे और बिजली की आपूर्ति बंद कर दी और दोनों व्यक्तियों को बिजली के तारों से दूर खींच लिया। हालांकि, तब तक दोनों की मौत हो गई। सूचना पर बंडलागुडा पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

जन्मदिन मुबारक

भावेश, योगिता सीरवी

माता: अनिता काग

पिता: ललित काग

ॐ श्री बालाजी प्रसन्न

NKS GROUP

NEW HARIYANA FREIGHT CARRIERS

NHFC LOGISTICS

NHFC SPEEDSTER TRANS SOLUTIONS PVT. LTD.

NKS TRANS LOGISTICS

NKS INFRA DEVELOPERS

5-4-1400, P.NO. 87, Shardanagar Colony, Phase-3, Vanasthalipuram, Hyd-70

Ph : 9346234105, 9346339929, email : newhariyana@gmail.com

N. K. Singh (Chairman) | Nand Kishore Singh Director | Amarjeet Singh Director

28 वर्ष पूर्ण कर 29 वे वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई

श्री एन. के. सिंहजी CMD (चेयरमैन-ग्रेटर हैदराबाद कांग्रेस कमेटी भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) एवं ट्रान्सपोर्ट क्षेत्र में 28 वर्ष से

G. DEEPAK BHOSLE 9347017174 BELGAUM GOA ROADLINES A I Complex Outer Ringroad Gandiguda, Shamshabad.

B. BRAMHANAND 9391040018 SRI TAMILNADU ROADWAYS P. J. Complex, Gandiguda Shamshabad.

DYNESHWAR MAKAJI 9394545151 SHREENATH ROADLINES Dhundigal Village, R.R. Dist

HARIKANTH RAJOLE 9866042690 ATHARVA ROADLINES Pillar No. 143, Attapur, R.R Dist

PRADEEP BIRADAR 9394098910 PRADEEP CARGO MOVERS Bolaram Road Moktha, Miyapur, Hyd-49

SHESHIDHAR 9849335760 TAMILNADU HYD TRANSPORT Gaganpahad, R.R Dist

M.D. ALLAUDDIN 9553946825 VISHNU ROADWAYS Near Medchal Checkpost Medchal, R.R Dist

G PRADEEP 9000055499 JAI BHARATH TRANSPORT Balaji Complex, Satamrai Shamshabad, R.R Dist

MD SAEED 9550744345 JAI HIND CARGO MOVERS Diamond Complex, Kattedan R.R Dist

MD. SHAMSHUDDIN 9394703055 TAMILNADU KERALA TRANSPORT Behind Diamond Weight, Gaganpahad, R.R Dist

उपचुनाव से दूर रहीं मायावती को घोसी के नतीजों ने कैसे दिया डबल झटका ?

लखन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी सीट का सियासी घमासान अब थम चुका है और भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को हराकर समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह विधानसभा पहुंच गए हैं। घोसी उपचुनाव में बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था और अपील की थी कि पार्टी के वोटर्स या तो घर बैठें या फिर नोटा का बटन दबाएं। लेकिन, मायावती की इस अपील का असर होता नहीं दिखा और उन्हें इस उपचुनाव से दो बड़े झटके लगे। शुक्रवार को जब घोसी सीट पर 33 राउंड की गिनती पूरी हुई, तो सुधाकर सिंह के खाते में 124427 और दारा सिंह चौहान को 81668 वोट मिले। नोटा का बटन दबाने वाले मतदाताओं की संख्या महज 1725 थी। इनके

अलावा घोसी के सियासी मैदान में 8 प्रत्याशी और थे, जिनमें पीस पार्टी के सनाउल्लाह को सबसे ज्यादा 2570 वोट मिले। ऐसे में साफ तौर पर कहा जा सकता है कि घोसी में मुकाबला दो तरफा ही था और दलित मतदाताओं में मायावती की अपील का असर नहीं दिखा।

दलित वोटर्स को समेटने की कोशिश नाकाम

2022 के विधानसभा चुनाव में घोसी से सपा के टिकट पर, भाजपा छोड़कर आए दारा सिंह चौहान ही लड़े थे और उन्हें 42.21 फीसदी वोट शेयर के साथ 108430 वोट मिले।

भाजपा ने यहां से विजय राजभर को उतारा था, जिनके पक्ष में 33.57 फीसदी वोट शेयर के साथ 86,214 वोट पड़े। तीसरे नंबर पर बीएसपी थी, जिसके प्रत्याशी वसीम इकबाल को 21.12 फीसदी वोट शेयर और 54,248 वोट मिले। 2023 में ये तस्वीर पूरी तरह से बदल गई।

इस बार सपा के खाते में 57.19 फीसदी और भाजपा को 37.54 फीसदी वोट शेयर मिला। मायावती ने अपने वोटर्स से नोटा दबाने की अपील की थी, लेकिन नोटा के हिस्से में केवल 0.79 फीसदी वोट शेयर गया। संकेत साफ है कि दलित वोटर्स बड़ी संख्या में साइकिल का बटन दबाकर आए। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब बीएसपी और समाजवादी पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिलीं, तो मायावती ने गठबंधन तोड़ने का ऐलान कर दिया। उस समय दलित वोटर्स का एक हिस्सा गठबंधन टूटने से नाराज था और उसकी सहानुभूति अखिलेश यादव की तरफ थी। तभी से, मायावती लगातार अपने परंपरागत दलित मतदाताओं को समेटने में जुटी थीं, लेकिन घोसी में उनकी इस कोशिश को एक झटका लगा।

ड्रग तस्करी में चार लोग गिरफ्तार

सहारनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर में गंगोह थाना पुलिस की एक टीम ने मारिजुआना (गांजा) की तस्करी करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तीन लाख रुपये मूल्य की कीमत का 7 किलो 500 ग्राम गांजा नशीला पदार्थ ,1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा , 3 मोबाइल फोन , 3100 रूपए और तस्करी में प्रयुक्त एक कार इटियोस टोयोटा को जब्त किया गया है। गंगोह थाना प्रभारी (एसएचओ) प्रभाकर कैंतुरा ने कहा कि उन्हें आरोपियों के बारे में नशे की खरीद-फरोख्त करने की सूचना मिली और तीतरों तिहारे के पास चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने संदिग्ध अवस्था मे चार लोगों को एक कार में बैठा देखा। वे पुलिस टीम को पास आते देख भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियो पकड़ लिया। अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान, उन्होंने खुलासा किया कि वह नशीले पदार्थ की खरीद-फरोख्त करते हैं।

' गिरिराज सिंह के विभाग को पैसा नहीं मिल रहा है'

जेडीयू ने ली चुटकी, कहा- 'इस बार उनको टिकट टिकट भी नहीं'

जमुई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सह जिला के नव नियुक्त प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार जिले के प्रभारी मंत्री बनने के बाद पहली बार जमुई पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा। गिरिराज सिंह पर चुटकी लेते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि गिरिराज सिंह को अपने ही विभाग में केंद्र सरकार पैसा नहीं दे रही है, ऐसा हो सकता है कि इस बार उनको टिकट भी ना मिले। उनके ही विभाग में बिहार को पैसा नहीं मिल रहा है। श्रवण कुमार ने बीजेरी पर दोहरे चरित्र वाला कहकर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेता लोग जो हैं वह भगवान के असली भक्त नहीं हैं। दिखावटी भक्त हैं। मंदिर में वे लोग उसी दिन तक पूजा करते हैं जब तक चुनाव ठीक-ठाक संपन्न न हो जाए। चुनाव जब निकल जाता है तो न मंदिर की तरफ ताकते हैं और न देश की जनता के तरफ, ये बीजेपी नेताओं का दोहरा चरित्र है। इस बार तो उनका पार लगने वाला नहीं है। मंत्री ने कहा कि कर्नाटक में जब प्रधानमंत्री ने भगवान हनुमान का आह्वाहन किया था तो हनुमान जी ने कहा कि यह तो नकली भक्त है वोट लेकर जीत के चला जाएगा इसलिए हनुमान जी ने कहा कि इसको यहीं पर गिराओ। यहीं पर रखो ताकि देश में विद्वेष फैलाने का काम ना करें, देश में अमन शांति बरकरार रहे। वहीं, सनातन धर्म को लेकर चल रहे विवाद को लेकर उन्होंने कहा हम सभी धर्म का सम्मान करते हैं। हमको किसी से कोई एतराज नहीं है, जिसको भी जो धर्म चलाना है चलाएं, हमको किसी से कोई दिक्कत नहीं है। जेडीयू नेता बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 और 2019 में हाथ उठा उठा कर कहते थे 'जीतेगा इंडिया' और अब इंडिया का नाम बदलने के लिए परेशान हैं। हम लोग पूरी तरह से इसका विरोध करेंगे और 2024 में देश की जनता साफ कर देगी। देश की जनता मन बना चुकी है क्योंकि जो लोग जुमलेबाज हैं चुनाव में जुमला देते हैं। 2 लाख नौकरी, कालाधन, गरीबों के खाते में 15-15 लाख देने का वादा किया था जो चुनाव जीतने के बाद कहा यह तो जुमला था इसलिए देश की जनता 2024 में इनका सफाया कर देगी।

डेंगू के बढ़ते मामले पर सीएम योगी गंभीर, बचाव के इंतजाम का दिया सुझाव; हरकत में आए कमिश्नर

गोरखपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। डेंगू के बढ़ते मामलों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर रुख अख्तियार किया है। मुख्यमंत्री ने बचाव के इंतजाम तेज करने के साथ ही सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) पर नोडल अधिकारियों की तैनाती के साथ ही उपचार की सभी व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा है। सीएम के निर्देश के बाद कमिश्नर अनिल ढींगरा ने सभी डीएम और सीएमओ को जिला अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था की जांच को कहा है। उन्होंने निरीक्षण की रिपोर्ट भी मांगी है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर ने डीएम, सीएमओ, अपर जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ बैठक की। कहा कि अस्पतालों में बेड की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। डेंगू से बचाव की तैयारियों में कोई भी शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्डों में फागिंग और एंटी लार्वा का नियमित छिड़काव तो हो ही कहीं भी जलभराव नहीं होने दिया जाए। जहां कीचड़ है वह चूना डाला जाए। कमिश्नर ने मंडल के सभी ब्लड बैंक में खून और प्लेटलेट्स की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए।

चुनाव से पहले मप्र में योगी की एंट्री, 13 सितंबर को जाएंगे इंदौर

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी एंट्री होगी। चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ 13 सितंबर को इंदौर जाएंगे। सीएम योगी इंदौर में लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की निकलने वाली यात्रा में शामिल हो सकते हैं। 13 सितंबर को पालकी यात्रा निकलने वाली है। देवी अहिल्या उत्सव समिति को मुख्यमंत्री कार्यालय उत्तर प्रदेश से इस बात की कन्फर्मेशन मिली। सीएम योगी देवी अहिल्याबाई होल्कर की 228वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अहिल्या पालकी यात्रा का आयोजन

ऐसे में देवी अहिल्या उत्सव समिति अपने कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के स्वागत की तैयारी कर रही है। देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में 15 सितंबर को अहिल्या पालकी यात्रा का आयोजन किया जाना है। हर साल यह यात्रा निकल जाती है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ 13 सितंबर को इंदौर आएंगे। वह देवी अहिल्याबाई होल्कर की 228वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

देवी अहिल्याबाई होल्कर के कार्यक्रम में होंगे शामिल

देवी अहिल्याबाई होल्कर के कार्यक्रम में सीएम योगी को बुलाने का फैसला अहिल्या उत्सव समिति की बैठक में लिया गया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और देवी अहिल्या उत्सव समिति के अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। पूरी संभावना है कि वे इसमें भाग लेकर इस उत्सव को गरिमा प्रदान करेंगे।

मोटो जीपी बाइक रेस के विरोध में उतरीं मिथिलेश भाटी

नोएडा विकास प्राधिकरण को बताया 'लप्पू सा'

नोएडा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सचिन मीणा और सीमा हैदर पर टिप्पणी कर सुर्खियों में आई मिथिलेश भाटी का इन दिनों एक और वीडियो सामने आया है। इसमें वह नोएडा विकास प्राधिकरण पर निशाना साधते और उसे ट्रोल करते नजर आ रही हैं। वीडियो में मिथिलेश भाटी नोएडा विकास प्राधिकरण को झिंगुर और लप्पू सा बताने के साथ ही उन्होंने नोएडा में होने वाली मोटी जीपी बाइक रेस का विरोध किया है। दरअसल 22 से 24 सितंबर तक नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर मोटोजीपी बाइक रेस का आयोजन होना है। इस बाइक रेस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की उम्मीद लगाई जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर किसान संगठन इस रेस का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे लेकर किसानों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें शामिल होने मिथिलेश भाटी भी पहुंची थी।

मिथिलेश भाटी का वीडियो वायरल

वायरल हो रहे वीडियो में मिथिलेश भाटी को यह कहते सुना जा सकता है कि 'ये जो रेस हो रही है, इसे रोकना है। प्राधिकरण हमारे सीने पर बैठा हुआ है, जिसे नीचे उतारना है। है क्या प्राधिकरण, इसने समझ क्या रखा है।' इस दौरान उन्होंने प्राधिकरण को लप्पू सा बताते हुए इसके अधिकारियों को झिंगुर सा बता दिया। मिथिलेश भाटी ने आगे कहा कि प्राधिकरण के अधिकारी तिनके जितना काम करते हैं, जो किसान तक पहुंचते-पहुंचते हवा में उड़ जाते हैं।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के बचे मुआवजे को लेकर हो रहा विरोध

दरअसल बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट बनाए जाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने साल 2009 में जेपी ग्रुप को किसानों की 1000 हेक्टेयर जमीन अलॉट की थी। जिसमें किसानों को अभी तक 64.7 प्रतिशत का अतिरिक्त मुआवजा नहीं दिया गया। यहीं कारण है कि किसान संगठन इस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होने वाली रेस का विरोध कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री, गवर्नर के बाद अब केके पाठक की बीपीएससी से रार; ऐसा जवाब मिला है कि पढ़ते रह जाएंगे

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ माह से चर्चा में रहने वाले शिक्षा विभाग और बिहार लोक सेवा आयोग के बीच रार ठन गई है। बीपीएससी ने पत्र भेजकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बीपीएससी के अध्यक्ष अतुल प्रसाद ने भी सोशल मीडिया के जरिए जवाब दिया है। सरकार अपने अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति करती है और बाद में उन्हें बदल देती है। इससे हमें कोई चिंता नहीं होती है। ऐसे तत्व को जो टीआरआई-डीवी कैंसिल कराने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें और ज्यादा कोशिश करनी चाहिए। बीपीएससी के अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा है कि डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन जारी रहे है। इधर, शिक्षा विभाग के पत्र के जवाब में बीपीएससी ने जो पत्र भेजा है। वह बीपीएससी के सचिव रवि भूषण ने शिक्षा विभाग के पत्र पर आश्चर्य जताया। इसके बाद जवाबी पत्र में लिखा कि सूचित करना है कि प्रमाणपत्रों का सत्यापन पूर्व प्रचलित व्यवस्था के अनुरूप दो स्तरों पर किया जाता रहा है। पहला- आयोग के स्तर से जो परीक्षा फल के अंतिम प्रकाशन के पूर्व किया जाता है और दूसरा- अधियाची विभाग के स्तर से जो सफल अभ्यर्थियों के नियोजन के समय किया जाता रहा है। दोनों का अपना-अपना औचित्य है और दोनों एक दूसरे के पूरक है। बिना अपने स्तर से सत्यापन कार्य के आयोग द्वारा न ही कोई अनुशंसा भेजी जा सकती है और न ही कोई डोसियर। आयोग के इस सत्यापन कार्य में राज्य सरकार हमेशा सहयोग करती रही है और इसके लिए किस विभाग के किस पदाधिकारी / कर्मी को प्रतिनियुक्त किया जाए यह राज्य सरकार का विषय है। इस सम्बन्ध में कोई आपति / अनुरोध राज्य सरकार से किया जाना चाहिए। यह स्पष्ट रहे कि सत्यापन का यह कार्य आयोग की आंतरिक प्रक्रिया का मामला है और यह आयोग शिक्षा विभाग या राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन नहीं है। यह स्पष्ट न हो तो संविधान के सुसंगत अनुच्छेदों का अध्ययन कर लिया जाए। यह भी स्पष्ट रहे कि आयोग के आंतरिक प्रक्रिया के औचित्य पर प्रश्न चिह्न लगाना या इसमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप करना और इस प्रकार आयोग पर दबाव डालने का प्रयास करना असवैधानिक अनुचित और अस्वीकार्य है।

देह व्यापार का खुलासा, नौ स्पा सेंटर से बुलाई जाती थीं महिलाएं, 99 गिरफ्तार

गाजियाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के मॉल में खुले स्पा सेंटर देह व्यापार का केंद्र बने हुए हैं। हैरानी की बात इन स्पा सेंटरों में विदेशी महिलाएं भी मालिश के लिए बुलाई जाती हैं। इसके बाद उनको अधिक दाम में देह व्यापार कराया जाता है। बता दें गाजियाबाद के पैसेफिक मॉल में 24 मई को स्पा सेंटर पर छापे से हड़कंप मच गया था। स्पा सेंटरों के मालिक स्पा सेंटरों पर ताला लगाकर फरार हो गए थे। पुलिस की छापेमार कार्रवाई के दौरान फरार हुए राज स्पा सेंटर के मालिक को पुलिस ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने

स्पा सेंटर पर देह व्यापार कराने की सूचना पर छापा मारा था। पुलिस ने फरार स्पा सेंटर मालिक पर 20 हजार रुपए का इनाम रखा था। चार महीनों से आरोपी फरार चल रहा था। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि स्पा सेंटर संचालक रिंकू उर्फ मंगल सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी विवेक विहार दिल्ली को गिरफ्तार किया है। वह चार महीनों से फरार था। पुलिस से बचने के लिए वह बार बार अपनी जगह बदलकर दिल्ली के इलाके में रह रहा था। उस पर 20 हजार रुपए का इनाम रखा था। एसीपी का कहना है कि पैसेफिक मॉल के 9 स्पा सेंटर में अलग-अलग जगह की युवतियां व महिलाओं को बुलाकर देह व्यापार कराया जाता था। इस सूचना पर पुलिस टीम के साथ छापे की कार्रवाई की थी। जिसमें संचालक और मैनेजर समेत 99 लोगों को पकड़ा था। मामले में अन्य स्पा सेंटरों के संचालकों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कुछ विदेशी महिलाएं भी इस दौरान स्पा सेंटर से पकड़ी गई थी। लेकिन उनको बाद में पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया था। सूत्रों के अनुसार इन विदेशी महिलाओं को दिल्ली से स्पा सेंटरों में बुलाया जाता था। जहां पर ग्राहक देखकर रेट तय किया जाता था।

सहारनपुर में नाबालिग से कुकर्म के बाद हत्या के आरोप में एक शख्स गिरफ्तार

सहारनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में पुलिस ने 13 साल के नाबालिग लड़के की गला दबाकर हत्या के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा ने कहा कि 6 सितंबर को फहेतपुर थाना अंतर्गत एक आम के बाग में स्थानीय लोगों ने एक नाबालिग लड़के का शव देखा। सूचना पर पुलिस ने शव को बरामद किया। पीड़ित के पिता ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कराई थी।

सनातन धर्म पर अमर्यादित बयान देकर बुरे फंसे ए राजा और प्रियांक मल्लिकार्जुन खड़गे, परिवाद दायर

मुजफ्फरपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म को कुष्ठ रोग और एचआईवी बीमारी बताने वाले द्रमुक के सांसद सह उपमहासचिव ए राजा और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक मल्लिकार्जुन खड़गे पर मुजफ्फरपुर सीजेएम कोर्ट में एक परिवाद दायर किया गया है। इस परिवाद को मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने दर्ज कराया है जिस पर सीजेएम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 16 सितंबर की तिथि मुकर्रर की है। कानून के जानकारों के अनुसार, अगर इस मामले में दोष सिद्ध हो जाता है तो 1 साल से तीन साल तक की सजा हो सकती है। अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने दर्ज परिवाद में कहा कि तामिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे व राज्य सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के विवादित बयान के बाद अब द्रमुक उपमहासचिव व सांसद ए राजा ने अपने बयान में कहा कि सनातन धर्म कुष्ठ रोग और एचआईवी बीमारी की तरह है, जो सामाजिक कलंक है। इसी को लेकर इन दोनों आरोपियों पर धारा 504, 500, 295, 295(ए), 153,153(ए)120(बी) भादवि के तहत दर्ज किया गया है।

बेगूसराय में उदयनिधि पर परिवाद दायर

बता दें कि सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन के विवादित बयान पर राजनीतिक घमासान छिड़ा हुआ है। इसको लेकर उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ बेगूसराय के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट में भी परिवाद पत्र दायर किया गया है। कोर्ट में शुक्रवार को बीजेपी के वरिष्ठ नेता सह अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार अमर ने परिवाद पत्र दायर किया है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। ये परिवाद अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार अमर ने दायर किया है।

जान बूझकर बयान देने का लगाया आरोप

अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार अमर ने आरोप लगाया है कि उदयनिधि ने सोची समझी साजिश के तहत बीते दो सितंबर को चेन्नई में सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी। उदयनिधि ने कहा था कि सनातन धर्म का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि इसको पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। इस बयान से उदयनिधि ने हिन्दू धर्म के करोड़ों लोगों को अपमान करने का काम किया है। इससे सभी हिन्दू धर्म के लोग अपमानित महसूस कर रहे हैं और उनकी भावना को ठेस पहुंची है। वहीं, कोर्ट ने परिवाद पत्र को स्वीकार कर लिया है और इस मामले में आगे सुनवाई करेगी।

उदयनिधि स्टालिन ने दिया था ये बयान

बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और डीएमके सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू मलेरिया से की थी। दो सितंबर को चेन्नई में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा, कुछ चीजें हैं, जिन्हें हमें खत्म करना है और हम सिर्फ विरोध नहीं कर सकते। मच्छर, डेंगू, कोरोना और मलेरिया ऐसी चीजें हैं, जिनका हम विरोध नहीं कर सकते। हमें उन्हें खत्म करना है। सनातनम (सनातन धर्म) भी ऐसा ही है। सनातन का विरोध नहीं, बल्कि उन्मूलन करना हमारा पहला काम है। इस बयान के बाद पूरे देश में राजनीति गरमा गई है।

शराबबंदी के बावजूद शराब पीने से 243 लोगों की मौतें

सीएम नीतीश के खिलाफ परिवाद दायर

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में 2016 से शराबबंदी है। इस बीच कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जिसमें जहरीली शराब के सेवन से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उत्पाद आयुक्त बिनोद सिंह गुंजियाल सहित बिहार के सभी जिलों के उत्पाद अधीक्षक के खिलाफ आपराधिक परिवाद दायर किया गया है।

परिवाद को न्यायालय ने किया मंजूर

बिहार में जहरीली शराब के सेवन से 243 लोगों की मृत्यु के लिए गैर-इरादतन हत्या का परिवाद अधिवक्ता सुशील कुमार सिंह ने दायर कराया है। अधिवक्ता सुशील कुमार सिंह ने शराब से हो रही मौतों के सरकारी आंकड़े को आधार बनाया है। धारा 304 और 120 (बी) और 34 के तहत ये परिवाद दर्ज कराया है। गैर-इरादतन हत्या का आरोप लगाते हुए दर्ज परिवाद को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। सुनवाई की अगली तारीख 16 सितंबर 2023 को दी है।

243 मौतों के लिए बिहार सरकार जिम्मेदार

अधिवक्ता सुशील कुमार ने बताया कि आरटीआई के जवाब में उन्हें ये जानकारी मिली कि शराबबंदी लागू होने के बाद से अगस्त 2023 तक बिहार में कुल 243

लोगों की मौत जहरीली शराब से हुई है। इन 243 मौतों के लिए बिहार सरकार को जिम्मेदार मानते हुए अधिवक्ता सुशील कुमार ने परिवाद दायर किया है। उन्होंने कहा, जब 2016 से पहले शराब की बिक्री पर रोक नहीं थी, उस समय यही मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने हर गली में शराब की दुकान खुलवाई थी। शराब का कोटा फिक्स किया था। जिन दुकानदारों की बिक्री कोटा के मुताबिक नहीं थी, उन्हें कोटा के हिसाब से टैक्स जमा करना पड़ता था।

अचानक शराबबंदी कानून लागू किया गया

उन्होंने कहा, बिहार में नशा मुक्ति के लिए बगैर जागरूकता अभियान चलाए अचानक साल 2016 में बिहार में शराबबंदी कानून लागू कर दिया गया। पूरे बिहार में बिना रोक-टोक देसी विदेशी शराब जिसमें जहरीली शराब बेची जा रही है, जिसे पीने से बिहार के सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो गई और हजारों दिव्यांग हो चुके हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 में प्राप्त जानकारी के अनुसार जहरीली शराब की बिक्री जारी है।

कांग्रेस का नौ सीटों पर चुनाव लड़ने का सपना जेडीयू-आरजेडी करेंगे चकनाचूर, प्लान तैयार!

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले आइएनडीआइ के घटक दलों के अंदर बिहार में सीट बंटवारे को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डा। अखिलेश प्रसाद सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस बिहार में कम से कम नौ लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नौ सीटों पर लड़ी थी ऐसी स्थिति में हमारी यह दावेदारी तो बनती ही है। बताएं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने वाल्मीकि नगर, सुपौल, कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया, समस्तीपुर, मुंगेर, सासाराम और पटना संसदीय क्षेत्र में अपने प्रत्याशी उतारे थे। इन सीटों में से सिर्फ एक सीट किशनगंज पर कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत दर्ज कराई थी। कांग्रेस के बिहार अध्यक्ष होने के नाते डा। सिंह ने तो अपनी बात रख दी, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या राजद-जदयू जैसे दल कांग्रेस की इस मांग से सहमत होंगे? इसके आसार कम ही नजर आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीते लोकसभा चुनाव में जदयू ने 16 सीटों पर जीत दर्ज कराई थी। यह ऐसी लकीर है जिससे नीचे जदयू किसी भी हाल में आना नहीं चाहेगा। जदयू की तर्ज पर राजद की मांग भी करीब 16 सीटों की होगी। 40 लोकसभा सीटों वाले बिहार में तय माना जा रहा है कि 32 सीटों पर जदयू-राजद की दावेदारी होगी। शेष बची आठ सीटों में कांग्रेस और वामदलों की दावेदारी बनेगी। ऐसी चर्चा है कि जदयू-राजद कांग्रेस को ज्यादा से ज्यादा पांच सीटें ही देंगे। तीन बची हुई सीटें

वाम दलों के खाते में जाएंगी। जदयू-राजद के इस निर्णय से कांग्रेस कितना सहमत होगी यह तो वक्त बताएगा। लेकिन, मामला फंसता दिख रहा है।

जन आशीर्वाद यात्रा में पत्थरबाजी पर दिग्विजय सिंह बोले- जनता दे रही आशीर्वाद

भोपाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जी20 सम्मेलन को लेकर कहा कि मोदी एक अच्छे इवेंट मैनेजर हैं। उन्होंने कहा कि आडवाणी जी ने कहा था कि मोदी कोई भी कार्यक्रम को बहुत अच्छा इवेंट बना देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मध्य प्रदेश में तीन दिवसीय दौरे को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनका स्वागत है। सरकार की तुलना हिटलर से करने पर उन्होंने कहा कि इन्होंने रास्ता तो वही अपनाया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की जो आज मानसिकता है वही मानसिकता जर्मनी के लीडर की रही है।

टिकट की घोषणा पर बोले दिग्विजय सिंह

मध्य प्रदेश में किसानों की फसल खराब होने और दो किसान की आत्महत्या पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वाकई में इस साल मध्य प्रदेश के कई इलाकों में फसलों का काफी नुकसान हुआ है, जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए, लेकिन नहीं दे पाई है। इस पर चिंता करनी चाहिए। 'कांग्रेस 6 महीने पहले टिकट की घोषणा करने वाली थी अब तक नहीं कर पाई' बीजेपी के इस आरोप पर उन्होंने कहा कि विलंब तो हुआ है। इस महीने शायद हमलोग टिकट की घोषणा कर देंगे।

पब्लिक मीटिंग में करोड़ों खर्च कर रही सरकार

जिन पार्टियों ने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं उनके चुनाव का खर्च अभी से चुनाव खर्च में जोड़ा जाए वाली मांग पर दिग्विजय ने कहा, बिल्कुल अभी से चुनाव खर्च जोड़ा जाना चाहिए। सरकार पब्लिक मीटिंग में करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। सरकार जनता का पैसा खर्च कर रही है यह घोर आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि जो उम्मीदवार घोषित हो गए हैं उसके लिए शिवराज सिंह चौहान वोट मांग रहे हैं। उनके हिसाब से योजनाएं बना रहे हैं। इस पर तो कार्रवाई होनी चाहिए। उनके खर्चे में पैसे जुड़ने चाहिए।

जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर बोले कांग्रेस नेता

जन आशीर्वाद यात्रा में विरोध को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि जनता का आशीर्वाद लेने गए हैं, तो जनता आशीर्वाद दे रही है। जन आशीर्वाद यात्रा में पत्थरबाजी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कल भी मुझसे पूछा गया था तब भी मैंने कहा था कि मेरे पास ऐसी कौन सी मिसाइल है, जो भोपाल से नीमच में उसकी कार के शीशे तोड़ दूं।

जलवायु परिवर्तन की मार से अछूते नहीं हैं पक्षी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में पक्षियों की स्थिति-2023' रिपोर्ट के नतीजे नभचरों के लिए ही नहीं धरती पर रहने वाले इंसानों के लिए भी खतरे की घंटी हैं। बीते 25 सालों के दौरान हमारी पक्षी विविधता पर बड़ा हमला हुआ है, कई प्रजाति लुप्त हो गई तो बहुत की संख्या नगण्य पर आ गई। पक्षियों पर मंडरा रहा यह खतरा शिकार से कहीं ज्यादा विकास की नई अवधारणा के कारण उपजा है। एक तरफ बदलते मौसम ने पक्षियों के प्रजनन, पलायन और पर्यावास पर विषम असर डाला है तो अधिक फसल के लालच में खेतों में डाले गए कीटनाशक, विकास के नाम पर उजाड़े गए उनके पारंपरिक जंगल, नैसर्गिक परिवेश की कमी से उनके स्वभाव में परिवर्तन आ रहा है। विदित हो कि पंछियों के अध्ययन के लिए कई हजार पक्षी वैज्ञानिकों व प्रकृति प्रेमियों द्वारा लगभग एक करोड़ आकलन के आधार पर इस रिपोर्ट को तैयार किया गया है। इसके लिए कोई 942 प्रजातियों के पक्षियों का अवलोकन किया गया। इनमें से 299 के बारे में बहुत कम आंकड़े मिल पाए। शेष बचे 643 प्रजातियों के आंकड़ों से जानकारी मिली कि 64 किस्म की चिड़ियां बहुत तेजी से कम हो रही हैं, जबकि अन्य 78 किस्म की संख्या घट रही है। आंकड़े बताते हैं कि 189 प्रजाति के पक्षी न घट रहे हैं न बढ़ रहे हैं लेकिन वे जल्द ही संकट में आ सकते हैं। इस अध्ययन में पाया गया कि रैपटर्स अर्थात झपट्टा मार कर शिकार करने वाले नभचर तेजी से कम हो रहे हैं। इनमें बाज, चील, उल्लू आदि आते हैं। इसके अलावा समुद्री तट पर मिलने वाले पक्षी और बतखों की संख्या भी भयावह तरीके से घट रही है। वैसे भी नदी, तालाब जैसी जल निधियों के किनारे रहने वाले पक्षियों की संख्या घटी है। नीलकंठ सहित 14 ऐसे पक्षी हैं जिनकी घटती संख्या के चलते उन्हें आईयूसीएन की रेड लिस्ट में दर्ज करने की अनुशंसा की गई है। रेड लिस्ट में संकटग्रस्त या लुप्त हो रहे जानवरों को रखा जाता है। पक्षियों की संख्या घटना असल में देश की समृद्ध जैव विविधता पर बड़ा हमला है। एक तरफ पक्षी घट रहे हैं तो उनके आवास स्थल पेड़ों पर भी बड़ा संकट है। देश में न केवल वन का दायरा कम हो रहा है, बल्कि भारत में मिलने वाली पेड़ों की कुल 3708 प्रजातियों में से 347 खतरे में हैं। इसरो के डाटा बेस ट्रीज ऑफ इंडिया के मुताबिक ऐसे पेड़ों की संख्या पर अधिक संकट है जो लोकप्रिय पंछियों के आवास और भोजन के माध्यम हैं।

असम में एसपी-डीएसपी चला रहे थे जबरन वसूली का खेल, मुस्लिम कारोबारी को बनाया निशाना

बालाजी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। असम के बालाजी में बड़े स्तर पर जबरन वसूली के खेल का भंडाफोड़ हुआ है। राज्य की सीआईडी ने मामले का खुलासा किया और 64 लाख रुपए बरामद किए। बरामदगी की रकम से आप भले ही हैरान ना हों लेकिन गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम और उनके प्रोफेशन जानकर जरूर दंग रह जाएंगे। सीआईडी ने इस केस में एसपी-डीएसपी रैंक के अधिकारियों को पकड़ा है, जो जिले के कारोबारियों को निशाना बनाते थे और धमका कर पैसा ऐंठते थे। असम के स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए एसपी-डीएसपी के पास से 21 ब्लैंक चेक मिले हैं। चेक एक कारोबारी की मां ने हस्ताक्षर किए थे, जो संभवतः धमकी के बाद उन्हें मिले थे। सीआईडी ने मामले में बालाजी जिले के एसपी के रूप में नियुक्त आईपीएस अधिकारी, एक डीएसपी और दो पुलिस इंस्पेक्टर समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। बकौल स्पेशल डीजीपी कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। आईपीएस अधिकारी और उनके सहयोगियों ने जिले के एक बड़े कारोबारी रबीउल इस्लाम को टार्गेट बनाया हुआ था। जबरन वसूली केस के खुलासे से पता चला कि आईपीएस और उनके साथियों ने इस्लाम से ढाई करोड़ रुपए की मांग की थी। सीआईडी इसका पता लगाने में जुटी है कि आखिर आरोपी अधिकारियों ने रबीउल इस्लाम को ही क्यों टार्गेट किया। स्पेशल डीजीपी के मुताबिक, कारोबारी के बिजनेस को भी देखा जा रहा है और ट्रैक किया जा रहा है। वसूली का मामला दर्ज होने के बाद से ही छापेमारी की जा रही थी, जब अधिकारियों को 64.29 लाख रुपए से भरा एक सूटकेस मिला। सूटकेस पर चार लोगों के उंगलियों के निशान मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है। आरोपी अधिकारियों के ठिकाने से एक लैपटॉप, अन्य दस्तावेज के अलावा कारोबारी की मां के हस्ताक्षर वाले 21 चेक समेत कुल 23 चेक बरामद किए गए।

चूहे से फैलती है बीमारी: कोरोना से भी खतरनाक लेप्टोस्पायरोसिस

वाराणसी में 10 से अधिक बच्चे पीड़ित, अलर्ट जारी

वाराणसी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोरोना से भी खतरनाक लेप्टोस्पायरोसिस ने वाराणसी में दस्तक दी है। यह बीमारी चूहों से होती है। बच्चों को ही निशाना बनाती है। अब तक 10 से अधिक बच्चे चपेट में आ चुके हैं। शहर के निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। तेज बुखार के कारण चेतगंज की बालिका को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जांच कराई, लेकिन बीमारी पकड़ में नहीं आई। इसके बाद सी रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) जांच कराई गई। सीआरपी ज्यादा मिली तो डॉक्टर चिंतित दिखे। आशंका के आधार पर लेप्टोस्पायरोसिस की जांच कराई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई। सीएमओ डॉ। संदीप चौधरी ने बताया कि लेप्टोस्पायरोसिस के बारे में जानकारी मिली है। बाल रोग विशेषज्ञों को अलर्ट किया गया है। इससे पहले 2013 में मामले सामने आए थे। मंडलीय अस्पताल के बालरोग विशेषज्ञ डॉ। सीपी गुप्ता ने बताया कि ओपीडी में मरीज आ रहे हैं।

तीन चार दिन से ज्यादा है बुखार तो ना लें हल्के में

भारतीय बाल अकादमी के अध्यक्ष डॉ। आलोक भारद्वाज के मुताबिक, बुखार अगर तीन-चार दिन से ज्यादा है तो इसे हल्के में न लें। सीआरपी की जांच कराइए। अगर सीआरपी ज्यादा आए तो समझ लें बैक्टीरियल बुखार है। इसके बाद लेप्टोस्पायरोसिस की जांच करानी होगी। इसके लक्षण डेंगू और वायरल से मिलते हैं। इसमें प्लेटलेट्स तेजी से नहीं डाउन होता है। 30 से 40 हजार तक पहुंचने के बाद रिकवर हो जाता है।

चूहे के मूत्र के जरिये फैल रही बीमारी

नवजात शिशु संघ के प्रदेश अध्यक्ष और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ। अशोक राय के मुताबिक अब तक बाल लेप्टोस्पायरोसिस पीड़ित पांच बच्चों का इलाज कर चुके हैं। यह बीमारी चूहे के मूत्र के जरिये बच्चों में फैल रही है। इसमें डेंगू की तरह ही बुखार आएगा। यह शरीर के सभी अंगों को प्रभावित करता है। पहले सामान्य बुखार होता है। लक्षण पांच से छह दिन बाद मिलते हैं। सही इलाज न मिले तो बुखार 10 से 15 दिन रहता है। इससे कभी पीलिया तो कभी हार्ट फेल होने का खतरा रहता है। बीएचयू के जीवविज्ञानी प्रो। ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि लेप्टोस्पायरोसिस बैक्टीरिया कोरोना वायरस से भी ज्यादा खतरनाक है। कोरोना की चपेट में आने वालों की मृत्यु दर से एक से डेढ़ फीसदी है, जबकि लेप्टोस्पायरोसिस की तीन से 10 फीसदी है। इस बीमारी के वाहक चूहे हैं। चूहे ने कहीं पेशाब किया और आपकी स्किन कटी है तो अगर आप इसके संपर्क में आते हैं तो लेप्टोस्पायरोसिस होने की आशंका रहती है। यह बैक्टीरिया छह महीने तक पानी में जीवित रह सकता है। जुलाई से अक्तूबर के बीच बैक्टीरियल इंफेक्शन ज्यादा होता है।

1980 में सबसे पहले चेन्नई में मिला था बैक्टीरिया

प्रो। चौबे ने बताया कि 1980 में सबसे पहले इस बैक्टीरिया की पहचान चेन्नई की गई थी। उत्तर प्रदेश में पहला मरीज 2004 में मिला था। 43 वर्षों में बैक्टीरिया ने अपना स्वरूप बदल लिया है। पहले जहां यह 40 से 45 आयु वर्ग को प्रभावित कर रहा था। इस बार के संक्रमण में बच्चे इसकी जद में सबसे ज्यादा है।

लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण के लक्षण

बुखार, शरीर, पीठ और पैरों में तेज दर्द, आंख में लाली, पेट में दर्द, खांसी, खांसी के साथ खून आना, सर्दी के साथ बुखार आना और शरीर में लाल चकत्ते। बुखार 104 डिग्री से अधिक हो सकता है।

लेप्टोस्पायरोसिस बचने के लिए बरतें ये सावधानी

- जिस तालाब में जानवर जाते हैं, वहां नहाने से बचें
- चूहे घर में हैं तो सावधानी बरतें
- बाहर से लाए गए प्लास्टिक के पैकेट को साफ करके इस्तेमाल करें
- मानसून के दौरान स्विमिंग, वाटर स्कीइंग, सेलिंग से बचें
- घर के पालतू जानवरों की साफ-सफाई पर भी जरूर ध्यान दें

सोशल मीडिया पर लिखा 'ऑटो में बम है', दिल्ली पुलिस ने जांच की

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में जी-20 की बैठक हो रही है। चूंकि इसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष आए हैं, इसलिए कड़ी चौकसी है। इसी बीच सोशल मीडिया के जरिए दिल्ली पुलिस को मैसेज मिलता है कि एक ऑटो में बम-बारुद और गन की खेप प्रगति मैदान पहुंचने वाली है। इस सूचना से हड़कंप मच जाता है। आनन फानन में चेकिंग शुरू होती है। प्रगति मैदान की ओर आने वाले और सड़क के किनारे खड़े वाहनों की चेकिंग होती है। बावजूद इसके कुछ नहीं मिलता तो पुलिस सूचना देने वाले को ट्रैस करती है। इसमें पता चलता है कि यह महज शरारत है। सूचना देने वाले ने यह हरकत अपने पड़ोसी को फंसाने के लिए की थी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। मामला दिल्ली आउटर नॉर्थ जिले का है। दरअसल जिले के डीसीपी को टैग कर एक युवक ने एक्स (पहले ट्वीट) किया था। इसमें लिखा था कि एक ऑटो में गन और विस्फोटक भरा है और इसे प्रगति मैदान की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना देने वाले ने ऑटो का नंबर भी लिखा था।

बाढ़ से तबाही के बाद अब गर्मी कर रही परेशान ऊना में सबसे हाई तापमान, अगले 3 दिन कैसा रहेगा मौसम?

शिमला, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर जिलों में 12 सितंबर तक मौसम साफ बने रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक सभी जिलों में मौसम साफ बना रहेगा। हालांकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे में तापमान में भी कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया है। प्रदेश में सितंबर महीने की शुरुआत से ही मानसून धीमा पड़ता हुआ नजर आ रहा है। सितंबर के महीने में अब तक सामान्य से 72 फीसदी बारिश कम दर्ज की गई है। अमूमन हिमाचल प्रदेश से 24 सितंबर को मानसून की रुखसती होती है, लेकिन इस बार मानसून कुछ देर से वापस लौटेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के पास मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, केलांग में सबसे कम 10.4 डिग्री सेल्सियस और ऊना में सबसे ज्यादा 37.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बारिश से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक, शिमला में 79 फीसदी, बिलासपुर में 66 फीसदी, चंबा में 8 फ़ीसदी, हमीरपुर में 45 फीसदी, कांगड़ा में नौ फ़ीसदी, किन्नौर में 28 फीसदी, कुल्लू में 55 फीसदी, लाहौल स्पीति में 35 फीसदी, मंडी में 50 फ़ीसदी और सिरमौर में सामान्य से 47 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून से भारी नुकसान हो चुका है। मानसून सीजन में मरने वालों का आंकडा 417 तक पहुंच गया है। इसके अलावा 408 लोग भी इस दौरान घायल हुए हैं। इसके साथ ही मानसून सीजन में अब तक 8 हजार 677 करोड़ का नुकसान हुआ है। मौसम साफ होने के बाद सरकारी मशीनरी भी क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों और पानी की परियोजनाओं को बहाल करने में जुटी हुई है।

टूरिज्म समिट में पहुंचेंगे ताज और क्लब महिंद्रा जैसे निवेशक, मोहाली में होगा आयोजन

चंडीगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में पहली 11 से 13 सितंबर को मोहाली में होने वाली पहले पंजाब टूरिज्म समिट एंड ट्रेवल मार्ट में कई नामी इन्वेस्टर ग्रुप शामिल होंगे। इनमें ताज, क्लब महिंद्रा रामोजी, आईटीसी फॉर्च्यून व लीला ग्रुप ऑफ कंपनी जैसे नाम शामिल हैं। सरकार को उम्मीद है कि उनकी एक साल की मेहनत रंग लाएगी। साथ ही इनमें से कई ग्रुप राज्य में निवेश करेंगे। यह दावा अमर उजाला से बातचीत में पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान ने किया। मान ने बताया कि समिट का शुभांरभ 11 सितंबर को सीएम भगवंत मान करेंगे। समिट की सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। यहां निवेश करने वालों को किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। सरकार की नीतियां बहुत अच्छी हैं। निवेशक यहां आसानी से निवेश कर पाएंगे।

सरकार का फोकस इको पर्यटन पर

पर्यटन मंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने गत एक साल में सूबे में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। सरकार का फोकस इको पर्यटन व वाटर एंडवेंचर पर्यटन पर है। पहली बार हुआ है कि सरकार ने एडवेंचर व वाटर स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाई है। अब वेलनेस पॉलिसी आ रही है। बड़ी बात है कि नेचर सर्किट व वाटर सर्किट की पहचान ली गई। इसके लिए सारी जरूरी मंजूरियां मिल गई हैं। पठानकोट, रोपड़, होशियारपुर व न्यू चंडीगढ़ स्थित सिसवां व मिर्जा डैम को इको टूरिज्म व वाटर टूरिज्म के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। यहां निवेश करने वालों को किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। सरकार की नीतियां बहुत अच्छी है।

राजस्थान की तर्ज पर हेरिटेज सर्किट पर काम किया जा रहा

अमनमोल गगन मान ने बताया कि धार्मिक पर्यटन में पंजाब का कोई जवाब नहीं है। लाखों श्रद्धालु यहां माथा टेकने पहुंचते हैं। इसी तरह बॉर्डर टूरिज्म सर्किट है। हमारी कोशिश मिलिट्री क्लचर को आम लोगों तक पहुंचाने की है। देश की आजादी के लिए जान न्योछावर करने वाले अधिकतर स्वतंत्रता सेनानी पंजाब से हैं। इनके घरों को भी संवारा जा रहा है, ताकि लोग उनको देख पाएं। राजस्थान की तर्ज पर हेरिटेज सर्किट पर काम किया जा रहा है। इसके तहत राजा महाराजाओं के पुराने महलों को संवारा जा रहा है। इनमें लोग शादियां कर पाएंगे। यहां पर लोग सूबे के खाने संगीत आदि का लोग संवाद ले पाएंगे। इसी तरह कुछ महलों को होटलों के रूप विकसित करेंगे।

ब्लॉगरों के सहारे दुनिया को बताएंगे पर्यटन स्थल

पंजाब के पर्यटन स्थलों के बारे में लोग जान पाएं। इसके लिए सरकार अब ब्लागरों की मदद लेगी। सरकार की तरफ से कई ब्लॉगरों को बुलाया गया है। उनके माध्यम से भी अब पंजाब के टूरिज्म खजाने को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। मंत्री ने बताया कि उनके पास पड़ोसी राज्यों से अधिक पर्यटन के अवसर मौजूद हैं। लेकिन गत सरकार ने इस दिशा में पहले काम नहीं किया।

कांस्टेबल से लेकर कमिश्नर तक ग्राउंड जीरो पर

'दिल्ली पुलिस ने फिर पेश की बेहतर पुलिसिंग की मिसाल'

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में सुबह दस बजे से जी20 शिखर सम्मेलन जारी है। इस बीच दिल्ली में सुरक्षा तैयारियों को लेकर दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी दीपेंद्र पाठक ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने जी20 सम्मेलन के दौरान पुलिस की तैयारियों और पुख्ता व्यवस्था को बेहतर पुलिसिंग की मिसाल करार दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस महीनों से इस सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी में जुटी थी। दिल्ली के कोने-कोने में आज पुलिस सतर्क है। उसकी हर गतिविधि पर सख्त नजर है। हम किसी को कोई हरकत नहीं करने देंगे।

अलर्ट मोड में दिल्ली पुलिस

इससे आगे उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में ड्राई डे है। दिल्ली पुलिस हर लोकेशन पर सतर्क है। कांस्टेबल से लेकर वरिष्ठतम पुलिस अधिकारी और पुलिस कमिश्नर तक ग्रांउड जीरो पर अलर्ट मोड में हैं। सभी पुलिसकर्मी हायर स्टैंडर्ड और सतर्कता के साथ काम कर रहे हैं। हमें दिल्ली के नागरिकों से भी सुरक्षा को बनाए रखने में भरपूर सहयोग मिल रहा है। स्पेशल सीपी दीपेंद्र पाठक ने कहा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर पेशेवर उत्कृष्टता का उदाहरण स्थापित किया है। मेरा मानना है कि कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने में हमारी पुलिस 100 प्रतिशत सफल रही है। हमारी ये सतर्कता जी20 सम्मेलन समाप्त होने तक बरकरार रहेगी।

किसी को नहीं देंगे इसकी इजाजत

बता दें कि जी20 सम्मेलन दिल्ली के प्रगति मैदान में सुबह से जारी है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में जारी इस सम्मेलन शी जिनपिंग और व्लादिमिर पुतिन को छोड़कर दुनिया के शीर्ष राष्ट्राध्यक्ष और प्रमुख वैश्विक संगठनों के चीफ सम्मेलन में शामिल हुए हैं। दिल्ली पुलिस की इस सम्मेलन को सफल बनाने की जिम्मेदारी है। दिल्ली पुलिस भी अपने नाम के अनुरूप पूरी तरह से सम्मेलन स्थल से लेकर दिल्ली के कोने-कोने तक में मुस्तैद है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी का कहना है कि हमारी तैयारी पूरी है। हमारी पुलिस किसी को सम्मेलन में व्यावधान पैदा नहीं करने देगी।

हाईटेंशन तार के संपर्क में आया गन्ने से लदा ट्रक, ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत

चामराजनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गन्ने से लदे ट्रक के हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना कर्नाटक के चामराजनगर जिले के गुंडल के पास शनिवार को हुई। पुलिस के मुताबिक ट्रक के ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। हाईटेंशन तार की ऊंचाई का ध्यान रखे बगैर ट्रक में गन्ना लाद दिया गया था। कोलेगल पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

'ऐसा वहीं संभव जहां लोकतंत्र नहीं', खड़गे को जी20 के डिनर का न्योता न मिलने पर भड़का विपक्ष

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जी20 के डिनर की गेस्ट लिस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को शामिल न किए जाने को लेकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर हो गया है। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा केवल उन देशों में हो सकता है, जहां कोई लोकतंत्र नहीं है या कोई विपक्ष नहीं है। चिदंबरम ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अभी इंडिया यानी भारत उस स्थिति में नहीं पहुंचा है, जहां लोकतंत्र और विपक्ष का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। चिदंबरम ने कहा कि मैं

कल्पना नहीं कर सकता कि किसी दूसरे लोकतांत्रिक देश की सरकार विश्व नेताओं के लिए राजकीय रात्रिभोज में विपक्ष के नेता को आमंत्रित नहीं करेगी। यह केवल उन देशों में हो सकता है जहां कोई लोकतंत्र नहीं है या कोई विपक्ष नहीं है।

संजय राउत ने भी साधा निशाना

वहीं, शिवसेना (यूटीबी) सांसद संजय राउत ने कहा कि आपने मनमोहन सिंह को डिनर में बुलाया है, आपको मालूम है कि मनमोहन सिंह की तबीयत ठीक नहीं है वह नहीं आने वाले हैं, लेकिन विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं बुलाया है। अगर लोकतंत्र में विपक्ष के नेता को स्थान नहीं है तो यह तानाशाही है। इतना बड़ा सम्मेलन देश में हो रहा है। आपको सबको बुलाकर बात करनी चाहिए। 2024 में हमारी सरकार आएगी। लेकिन हम सत्ता में रहेंगे तो यह गलती हम नहीं करेंगे। अगर मोदी जी विपक्ष के नेता होंगे तो उन्हें भी न्योता दिया जाएगा।

कांग्रेस ने बोला केंद्र पर हमला

उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि पार्टी प्रमुख और राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे को जी20 डिनर में इन्वाइट नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भारत की 60 फीसदी आबादी के नेता को महत्व नहीं देती।

कांग्रेस नेता कुमार मंगलम ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी महर्षि मनु की विरासत को कायम रख रहे हैं। जिन्हें मनुस्मृति की रचना करने का श्रेय दिया जाता है, हालांकि जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए कई विद्वानों द्वारा इसकी आलोचना की गई है। कुमार मंगलम ने अतीत के कई उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां पिछड़े वर्गों के नेताओं को महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अयोध्या में राम मंदिर के 'भूमि पूजन' में आमंत्रित नहीं किया गया था, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था।

भाषा और साहित्य के पितामह : भारतेंदु हरिश्चंद्र

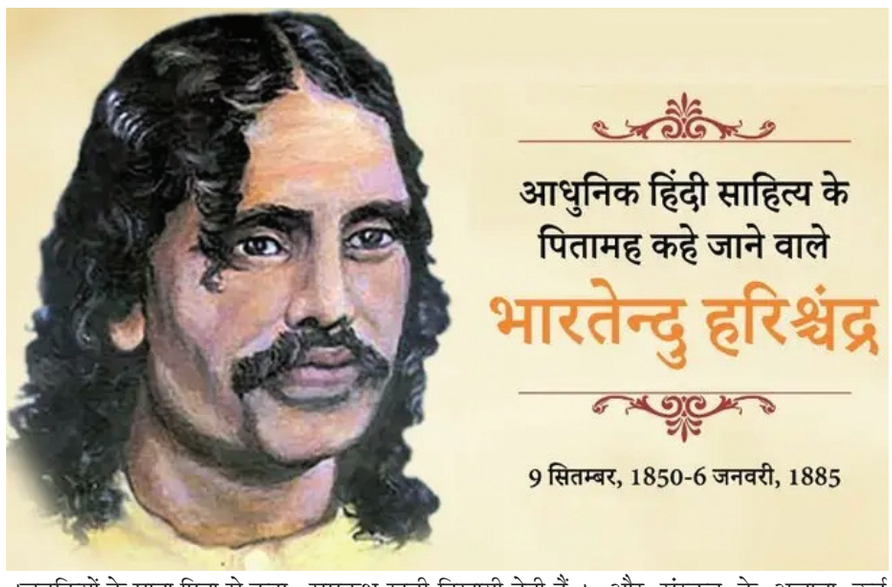

अतुल कुमार

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर जिन महान विभूतियों को याद किया जाता है उनमें भारतेंदु हरिश्चंद्र एक हैं । वह कितने महान थे हैं और रहेंगे उसे इसी से समझा जा सकता है कि आज भी उनके समय को भारतेंदु युग के रूप में आदर सहित याद किया जाता है । संस्कृति , सभ्यता और समाज सुधार के अग्रणी और ऐतिहासिक प्रणेता थे ।दूर दृष्टा इतने कि 500 साल बाद के विचारों को सोचा और उसे अपने विचारों , कामों और योगदानों से फलीभूत किया । दरअसल वह ऐतिहासिक महापुरुषों में एक थे जिन्होंने समय ,समाज और संस्कृति को नयी दिशा ,दृष्टि और दर्शन दिया । अंग्रेज़ी शासन और अंग्रेज़ी के प्रभुत्व को खुल कर चुनौती दी और देश की स्वतंत्रता के लिये आवाज़ बुलंद की , आधुनिक हिंदी साहित्य और भाषा के पितामह कहलाए ।

उनका मूल नाम हरिश्चंद्र था भारतेंदु उनकी उपाधि थी । पंद्रह वर्ष की अवस्था से ही साहित्य सृजन करने लगे और अट्ठारह वर्ष की आयु में " कवि वचन सुधा " पत्रिका संपादित कर भारतीय भाषाओं के कवियों और लेखकों की रचनात्मकता को बढावा दिया ताकि अंग्रेज़ों और अंग्रेज़ी भाषा के विरुद्ध जन जागरूकता बडे । खडी बोली के विकास में मदद की । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिये साहित्य लेखन का बेहतरीन इस्तेमाल किया । सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिये साहित्य के माध्यम से सार्थक हस्तक्षेप किया और इसी शक्ति का उपयोग कर जनमानस में जागृति लाने की कोशिश की। दरबारों में कैद विधाओं को मुक्त करा आम लोगों से जोडा और उसे सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया ।

साहित्य में आधुनिक काल को शुरु करने का श्रेय उन्हीं को है सशक्त कवि ,उत्कृष्ट व्यंगकार ,जागरूक पत्रकार , ओजस्वी गद्यकार ,और समर्पित हिंदी सेवी थे ।उनकी बहुमुखी प्रतिभा से प्रभावित हो उस समय के विद्वानों ने सन 1880 ई में उन्हें "भारतेंदु " की उपाधि से सम्मानित किया । उनकी कालावधि को नवजागरण काल भी कहा गया। स्त्री शिक्षा ,समानाधिकार ,और स्वतंत्रता के प्रबल पक्षधर थे ।बाल विवाह जैसी समस्याओं से चिंतित रह रूढीवादी सोच खत्म करने के लिये अलख जगाया ।लडकियों के माता पिता से कहा " पहले कुछ विद्या ग्रहण करने दीजीए नोन तेल लकडी की फिक्र करने की बुद्धि सीख लेने दीजिये तब उनका पैर डोली में डालिये क्यों कि आप उनके मां बाप हैं शत्रु नहीं ।यदि लडकी पढ लिख जायेगी तो समाज में बदलाव ले आयेगी उसकी अपार शक्ति को समझिये " तब का कहा उनका कथन आज सार्थक दिखायी देता है मौजूदा वक्त में जितने भी विकसित क्षेत्र दिखायी देते हैं उनमें लडकियां लडकों के समकक्ष खडी दिखायी देती हैं । सोचिये ! उस दौर में भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कितनी दूर तक सोचा और उसका आव्हान किया। आज कितने चिंतक हैं ? जो किसी भी विषय पर इतना सोचते है।

नवजागरण को नयी दिशा तथा विस्तार प्रदान करते हुए स्वतंत्रता के लिये लोगों में चेतना ,जागृति , और सामाजिक कल्याण को बढावा दिया।बृजभाषा पर असाधारण अधिकार था ।हिंदी ,अंग्रेज़ी , और संस्कृत के अलावा ऊर्दू ,पंजाबी , मारवाडी ,गुजराती , मराठी इत्यादि भाषाओं के ज्ञाता थे ।मात्र 25 वर्ष की उम्र में ही 125 ग्रंथों की रचना की उनकी अधिकतर रचनाएं देश प्रेम से ओत प्रोत हैं हिंदी का प्रचार प्रसार करते हुए हिंदी जगत में अमर हुए इस पर प्रसिद्ध साहित्यकार सुमित्रा नंदन पंत ने लिखा " भारतेंदु कर गये भारती की वीणा निर्माण / किया अमर स्पर्श ने जिसका बहुविधि स्वर संधान // मातृभाषा के प्रति इतना अगाध स्नेह कि उस पर कविता लिखी जो अक्सर हिंदी दिवस समारोहों में उद्धरित होती हैं कविता का शीर्षक है "निज भाषा " रचना के प्राय; उद्धरित होने वाले काव्यांश हैं " निज भाषा उन्नति अहै ,सब उन्नति को मूल / बिन निज भाषा ज्ञान के ,मिटत न हिय को सूल / विविध कला शिक्षा अमित ,ज्ञान अनेक प्रकार / सब देसन से लै करहू भाषा माहि प्रचार // अर्थात अपनी निज भाषा से ही उन्नति संभव है ,क्यों कि यही सारी उन्नतियों का मूलाधार है मातृभाषा के ज्ञान के बिना ह्रदय की पीडा का निवारण संभव नहीं है विभिन्न प्रकार की कलाएं ,असीमित शिक्षा और अनेक प्रकार का ज्ञान सभी देशों से लेना चाहिये लेकिन उनका प्रचार प्रसार मातृभाषा के द्वारा ही करना चाहिये हिंदी में निबंध विधा की शुरुआत की । सर्वप्रथम "कवि वचन सुधा " और "हरिश्चंद्र" पत्रिका में साहित्यिक निबंध लिखे इसी प्रकार आलोचना विधा को भी नया रूप दे आगे बढाया ।

भारतेंदु ने अपने लिखे नाटकों से देश प्रेम की अलख जगायी ' सत्य हरिश्चंद्र " " श्री चंद्रावली " " अंधेर नगरी " और " प्रेम जोगिनी " आदि ।अनुदित नाटक " विद्या सुंदर " " मुद्रा राक्षस " और " कर्पूर मंजरी " । काव्य कृतियां " प्रेमाश्रु वर्णन " " सतसई श्रंगार " " प्रबोधिनी " और " फूलों का गुच्छा " । उपन्यास " हमीर हठ " " सुलोचना " और " शीलवती " । निबंध " कुछ आप बीती कुछ जग बीती " मित्रता " और " जयदेव " आदि ।धनी संपन्न परिवार से थे दानवीर इतने कि इसके चलते ऋणी हुए साहित्यकारों और कलाकारों की खुले हाथों से मदद की। लेखन में सदा नवीन विषयों का समावेश किया ।उनकी मान्यता थी कि रचनाकार को समाज की तकलीफों का प्रवक्ता होना चाहिये । स्वांतः सुखाय लेखन से दूरी बना उसे लोगों की आवाज़ बनाया

छोटी उम्र में ही माता पिता का स्वर्गवास होने के कारण पढाई अधूरी रही लेकिन अपने प्रयासों से पढाई की ।सात भाषाएं सीखीं स्कूल स्थापित किया नाटकों को बढावा देने के लिये नाट्य शालाएं स्थापित कीं हिंदी गद्य को नये आयाम दिये । गद्य को सर्वमान्य शैली दी जिससे पाठक भाषाई बाधाओं से बचें आम बोल चाल के शब्दों को लेखन का हिस्सा बनाया गरीबी ,पराधीनता ,शासकों के अमानवीय शोषण के चित्रण को ही अपने साहित्य का लक्ष्य बनाया । लेखन को सपनों से निकाल असली समस्याओं से जोडा ।

आज जो हिंदी हम बोलते लिखते हैं वह भारतेंदु की ही देन है आधुनिक हिंदी का जनक माना गया अक्सर सुनने को मिलता है कि ज़िंदगी लंबी नहीं बडी होनी चाहिये इस कथन को चरितार्थ किया ।केवल 35 वर्ष की अल्पायु में ही इतने ऐतिहासिक और अमिट काम कर गये कि उनके समय को उनके नाम से जाना जाता है । सन 1850 में काशी में जन्मे और 1885 में दिवंगत हुए। असाधारण प्रतिभा के धनी भारतेंदु ,युग चिंतक , दूरदर्शी ,और विभिन्न विधाओं के प्रणेता थे । साहित्य को संवेदना से निकाल वैचारिकता के धरातल पर स्थापित किया । साहित्य ,भाषा और समाज का प्रत्येक कोना झांका जिससे कि उनका चहुमुखी विकास हो तत्कालीन विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में हिंदी को स्थान दिलवाने के प्रयास किये ।हिंदी के प्रचार प्रसार के लिये आंदोलन किया । वास्तव में वह भाषा और साहित्य के तपस्वी थे । इसलिये कह सकते हैं वह भाषा और साहित्य के पितामह हैं ।

काव्य कुंज

मीठी यादें

डॉ.अंजू पाण्डेय

बचपन का आंगन कितना पावन था,
भाई – बहनों का प्यार बड़ा लुभावन था ।
सबसे सुंदर दो कोठरी का अपना संसार था,
उस आँगन में अपनेपन का बहुत प्यार था ।
एक दूसरे का सुख दुख को हम खूब समझते थे
जब किसी को जरूरत हो तो हम सहारा बनते थे ।
घर की डोरी माँ के हाथों में जब तक थी,
रिश्तों में जान बस तब तक थी ।
अभावों से भरे जीवन की अपनी कहानी थी,
सुखी रोटी को बांटने में माँ बड़ी सयानी थी ।
सुबह खाओ तो शाम की चिंता रहती थी,
मुसीबतों की साया हर वक्त सताती थी।
माँ के संघर्षों ने नई राह दिखाई थी,
हम किसी की मुशकान बने ऐसी बात बताई थी
मुश्किलों में भी खुश रहने की आदत सिखाई थी ।
बीते पल की याद जब आती है,
आंखे खुशी से नम हो जाती हैं ।
आज माँ साथ नहीं पर माँ की यादें साथ है ,
हँसती – मुसकाती उनकी बातें साथ हैं ।

होगी भी भोर...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

चलते चलते थक गया था
दौड़ते दौड़ते रुक गया था
चलो आज
परिवार के साथ समय बिताते हैं
कुछ हसते हैं,कुछ हसाते हैं
एक नियत समय क्या हुआ
टीवी के साथ चिपक जाते हैं
सीरियल शुरू हुआ
सन्नाटों में खो जाते हैं
मस्तिष्क पर जोर डाला
हसिए ना रोइये विचकार खलो जाने हां
ऐंजही झाल पना खिलारी जाने हां
झूठ की भुजाएं तनी हुई थी
साम,दाम,दंड, भेद
कोई भी हथियार क्यों न उठाना पड़े
रक्त से शमशीरें सनी हुई थी
हालांकि गलतियां भी नहीं हुई
फिर भी सत्य हाथ जोड़ माफ़ी मांगता है
सार्थक तथ्यों से कथ्य को समझाता है
लेकिन उल्टा चोर कोतवाल को डांटे
चारों तरफ से अंधकारों की बारिश होती है
घनघोर घटाएं आच्छादित होती है
जीवित संवेदनाएं कब्र तले दबा दी जाती हैं
झिलमिलाती रश्मियां पथरीली बना दी जाती हैं
कलम ने अपनी भावना प्रकट कर दी है
उधेड़बुन में हूँ होगी भी भोर !

हिन्दी है मंजिल

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दिलवाले हिन्दुस्तानियों
का हिन्दी है दिल।
हिन्दुस्तान मिट्टी में हिंदी ,
हिन्दी है मंजिल।।
करने जतन,
जो विश्व में हिंदी प्रचलित हो,
अंग्रेजी के साथ
विश्व में हिंदी सुसज्जित हो,
हर जगह अंग्रेजी की ही हो रही वाह वाही,
अपने देश में अपनी भाषा हो गयी परायी,
हिन्दी को दफनाया तो बनेंगे बुझ दिल ।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हर प्रदेश की अपनी भाषा हिन्दी से टकराई,
अपनों बीच सिमटी हिन्दी मन ही मन घबराई,
प्रांतीय भाषा संग हिन्दी को अपनाना
हिंदी दिवस मना, न होगी हिन्दी अगुवाई ,
हिंदी की शहनाई, बजानी सबको संग मिल।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हिंदी वैज्ञानिक भाषा हिंदी का ऊंचा स्थान,
हिंदी है सुसभ्य भाषा, करे सबका सम्मान,
सोए को जगाना है, हिंदी को अपनाना है
हिंदी उच्चतम साहित्य,देता जग को अमूल्य ज्ञान,
हिंदी बगिया में हर भारतीय रहेगा खिल-खिल।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हिन्दुस्तान मिट्टी में हिंदी , हिन्दी है मंजिल।।

आँसुओं को बर्बाद ना कर

रेणुका अग्रवाल

गुजरी हुई बातों को याद ना कर
अपने आँसुओं को बर्बाद ना कर।
जलने वाले कुछ तो कहते ही रहेंगे
ग़म को बातों से आबाद ना कर।
हद नहीं होती नाफ़रतों की रिश्तों में
ज़हर घुले रिश्तों को शाद ना कर।
अपने सिर्फ नज़र आते हैं अपने
इसी धोखे में दिल नाशाद ना कर।
दग़ा कोई ग़ैर नहीं अपने ही देते हैं
दिल संभाल रेणू दिल बर्बाद ना कर।

गूंजती रही पुकार मेरी

संजीव ठाकुर,
रायपुर

गूंजती रही पुकार मेरी
टूटे और रीते गीत मेरे
उन्हें बहुत भा गए,
बहुत ही लुभा गए।
स्पर्श उनके अति मधुर
अश्रु मेरे पी गए
और अधरों में चुम्बित
मुस्कान अपनी भर गए।
वीणा के तार से कंपित स्वर मेरे अभी भी पुकार रहे
अंधकार में छोड़ मुझे प्रभु तुम कहां गए।
गूंजती रही पुकार मेरी अंबर और सूनी दिशाओं में
ना लौटे चरण तुम्हारे फैली बाहों में प्यार के।
गूंजती रही मेरी पुकार मेरी गीतों के झंकार में
मधुर संगीत की बहार में क्या कुछ कमी है
प्रभु मेरी मनुहार में।

रफ्तार

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जिंदगी तेरा नाम रफ्तार है
आदमी कुछ भी कहे
इसी में गिरफ्तार है
इस जमाने में बढ़ने की बड़ी होड़ है
हर कोई ऐश और आराम चाहता है
किस्मत और मेहनत साथ दे
तो आदमी मालामाल है
वरना आदमी चरखे की मार है
जाने क्यों आदमी बदहवास है
फिक्र है और बदहवास है
चाहता रोटी कपड़ा और मकान है
जिंदगी तेरा नाम रफ्तार है
जमीन तो कम होती जा रही है
आबादी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है
ऊपर से कुदरत बड़ी मेहरबान है
कहीं बारिश से पानी पानी है
शहर में पानी गांव में फैसले तबाह है
कहीं मकान दरक रहे हैं
कहीं पहाड़ गिर रहे हैं
पहाड़ों पर तबाही और रास्ते जाम है
आदमी बदहवास है जो किया था
अब सब बेकार है
करें तो क्या करें
चिंता परेशानी और महंगाई है
परेशान है घर चले तो कैसे चले
जमीन दब रही है सड़के फट रही हैं
हमने जो कुदरत के साथ किया है
यही उसका अंजाम है
जिंदगी तेरा नाम रफ्तार है
कुदरत आदमी से ज्यादा बलवान है
अब तो संभाल कर चलो
वरना सब बर्बादी और वीरान है
सहज जियो और कुदरत से मत लड़ो
जमीन बंजर और
समुद्र में तूफान है
यह सब तबाही का समान है
जिंदगी तेरा नाम रफ्तार है।।

कला

हेमंत सुराना

जिन्दगी देना उसके हाथ में,
जिन्दगी लेना उसके हाथ में,
कैसे जीना हमारे हाथ में
जबान उसकी है देन,
क्या बोलना अपने हाथ में
आँखे भी है उसकी देन,
क्या देखना अपने हाथ में
पाँव उसने हमको दिए,
मंदिर या मदिरालय अपने हाथ में,
जीवन जीने की कला
नियम एवं संयम,
सकारात्मक सोच, बड़ी सोच
प्रतिकूलता को अनुकूलता
जिन्दगी को गाते चले,
कुछ बातें मन की करते चले,
कहानी प्यार की लिखते चले,
रिश्ते नए बनाते चले,
सबके साथ चलते चले,
सबके साथ चलते चले ।

किसान

टी तारासिंह
हैदराबाद

है बादल तो बरसेगे
है चांदनी तो चमकेगी
सूरज है सदा बहार
सबकी थकान मिटाये
सबको खुश खुश रखे
किसान देखे बादलों को
तो कभी देखे अपने खेतों को
कभी देखें सूरज को
अच्छी बरसात में बीज बोये
खेत हरे भरे होकर लहराये
फसल अनाज अच्छी होये
गली गाँव शहर में अनाज पहुंचाये
किसान की उसकी मेहनत की
तारीफ होये गुनगान होये ।।

झाड़ दिया कि नहीं ?

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

लघु कथा बलविंदर बालम
बता रामे,क्या हाल है ?
ठीक है जनाब, हम ने तो झाड़ दिया,
शोक सभा, पगड़ी रस्म भी कर दी,
अच्छा,कमाल है यार,पता ही नहीं चला,
कैसे झाड़ा ?
क्या बनाऊं यार, बहुत परेशानी थी,
कई कई बीमारियों ने घेर रखा था,
डाक्टरों की फीस, टैस्टों का सिआपा,
दवाईयों
का खर्च, चल फिर भी नहीं सकता था,
चारपाई पर ही जुड़ा पड़ा था,
मल-मुत्र संभालने का पंगा,
चैबीस घंटे एक व्यक्ति
तो सूली पर टंगा रहता था।
फिर कैसे झाड़ा ?
बस यार, झाड़ दिया, आप ने झाड़ा कि नहीं ?
नहीं यार, पैंशन लेता है।

यादों के दर्पण में

तुम छाये रहते हो
मेरी यादो के दर्पण में ।
वादा कर गये , पर भूल गये अपने वादे को ।
कह गये थे मेरी प्रतीक्षा करना
मैं बसाऊंगा तुम्हें अपने मन - मंदिर में ।
तुम्हारे बिना यह जीवन सूना - सूना लगता है ।
चुभती हैं सखियों की बातें
तेरी प्यार भरी बातों के आगे ।
मन मचलता रहता है आती नहीं निंदिया
हर पल खोयी - खोयी रहती हूं
तेरी यादों के दर्पण में ।
खिली चांदनी में
तेरी प्यार भरी बातें करती हैं मुझको बेचैन
बसे हो जो तुम मेरे अंग - अंग में ।
दर्पण के आगे जाने से भी मन घबराता है ,
क्योंकि मारता है वह तानें ।
मेरा श्रृंगार भी सूना - सूना लगता है
तेरे न रहने से ।
वह घड़ी कब आयेगी
जब सोलह श्रृंगार कर चिढ़ाऊंगी दर्पण को ।
तुम्हारी प्रतीक्षा में पलकें बिछाये बैठी हूं ।
कब आओगे मेरे सूने जीवन में
हरियाली बनकर ?
मैं बसा लूंगी तुम्हे अपनी आंखियों में ।

- पुष्पेश कुमार पुष्प

दस्तक

डॉ डी डी देसाई

आज फिर दरवाजे पर,
दस्तक हुई है...।
देखो.... कौन है...?
सपना हो हसीन कोई,
वहीं से रफा दफा करना।
कहना...इंद्रधनु हो तुम,
क्षणभंगूर हो...नश्वर हो...।
पतवार विहीन नाव की सैर कराओगे,
सप्तरंग के तरंगों पर तैराओगे।
जैसे ही भोर की दस्तक मिलेगी,
टूट के चूर चूर हो जाओगे।
अनु कणों सा बिखर जाओगे।
न हमसे समेटा जाएगा...
न जिंदगी समेट पाएगी।
सिगार की कश की तरह,
सुलगते रह जाओगे....।
निकलेगा धुआँ बचेगी केवल राख,
हो जाएगा खाक सपना भी और हम भी।
आज फिर दरवाजे पर दस्तक हुई है।
देखो.. कौन है..?
हो इरादा मजबूत कोई.. तो अंदर बुला लेना।
कहना.. स्वागत की थाल सजी है।
करेंगे तिलक.. तु बढ़ा कदम,
रख हौसला बुलंद तु हर दम।
आसमान तुझे झुकाना है....
खून पसीना तुझे बहाना है।
जीत की फसल लहलहाएगी,
तब तलक तुझे लड़ना है।

खूंटे से बँधी गाय

मोनिका राज
मऽधेपुरा, बिहार

गाएं पैदा नहीं होती, बनायीं जाती हैं
कुदरत ने पक्षपात नहीं किया
उनके निर्माण में
उनकी नज़र में तो
गाय और बैल दोनों एक समान हैं
दोनों को वक़्त के साथ-साथ
शक्ति प्रदान की आत्मनिर्भर बनने की
पर, धरती पर निजी स्वार्थ के लिए
मनुष्यों ने गाय को रगायऋ बनाकर
छीन लिया उनसे
आत्मनिर्भर होने का अधिकार
उनके उगते सीगों को दाग़ दिया
ताकि कल को मनमानी करने पर
वो सींग मारकर प्रतीकार न कर सके
ताकि भविष्य में आत्मरक्षा के लिए
वो कभी सर न उठा सके
डाल दी गई उनके नाक में नकेल
और गले में एक रस्सी का फंदा
ताकि उन्हें कोई और निर्देशित कर सके
बाँध दिया गया उन्हें एक खूंटे से
ताकि वो स्वच्छन्द विचर न सके
बाँध दिए गए उनके पिछले दोनों पैर
ताकि उन्हें दुहा जा सके आसानी से
सुनो लड़कियों ,
कभी जब उपमा दी जाए तुम्हें
गाय-सी सीधी का तो,
तुम खुश मत होना
मुस्कुरा कर शर्माना मत
क्यूंकि इस उपमा के पीछे साजिश है
तुम्हें आत्मनिर्भर न बनने देने की
तुम्हें बेबस, लाचार कर देने की
उड़ान भरने से पहले ही
तुम्हारे पर काट दिए जाने की
ताकि कल को कुछ गलत होने पर
कोई प्रतीकार न कर सको तुम
इसलिए सबल बनो, प्रतिवाद करो
बतलाओ दुनिया को कि
तुम निर्बल नहीं, सबल हो
तुम्हें स्वीकार नहीं बन जाना
एक खूंटे से बंधी गाय
तुम्हारा भी स्वतंत्र अस्तित्व है
तुम अपनी आत्मरक्षा करने में सक्षम हो
तुम अपना कल लिखने के क़ाबिल हो
और तुम अपना यह हक़
किसी को भी छीनने न दोगी।

जय हो भारत

केएल प्रभाकर प्राण

जय जय जननी पावन अवनी
उदय हुआ स्वतंत्र प्रभात
निकले हैं उर उर से खुशियों के गीत
पुलकित पुलकित पावन भारत अवनी
मिली है आजादी रूपी अमृत की धारा
शहीदों के अमित बलिदानों के द्वारा
नमन नमन हैं शहीदों के चरणों में मेरा
त्याग , शौर्य के प्रतीक है देश हमारा
वीर शहीदों के सपनों को अब करना है
पूरा एक संग व एक भाव

औरत होना आसान नहीं

अमृता,
पश्चिम बंगाल

औरत होना आसान नहीं है,
कभी-कभी तो लगता है,
औरत होना एक सजा है,
बचपन से सीख और
जिम्मेदारियों का पहाड़,
न समझों तो, लड़की बेकार,
बेटी ,बहन पत्नी और माँ जैसे
अनेक रिश्तों से बंधी,
फिर भी वो स्थिर रहती हैं ,
न पढे तो, अनपढ़ जाहिल,
पढ़ ले तो पढ़ाई का घमंड है,
शादी ना करे तो जिद्दी, नकचड़ी है,
और करने को तैयार हो जाये तो ,
अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे,
सब से मिलकर रहे तो चतुर- चालाक ,
मिलकर ना रहो तो घमंडी,
कोई नौकरी करो तो पर' निकल आए,
नौकरी का घमंड है।
सहकर्मी से बात करो तो चलता पुर्जा,
और ना करो तो छोटी सोच वाली
बड़ा। लंबा चिट्ठा है साहब, अब क्या कहे?
बेहतर है. कि चुप ही रहें।।

गंगा

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

गंगा है गंगा,
जो बहती जावे रे, पावन गंगा।
जहाँ भी जाएँ,
जिधर भी रे पाएँ, गंगा है भाएँ।
गंगा तो गंगा,
है मन मल मिटावे, नेह बढ़ाने।
बहती चली,
सब से घूल मिल, जावे रे गंगा।
गरल नहीं, अविरल बहती, जाती रे गंगा।
रोग मिटावे, शोक बिसरायो गंगा, सुख बढ़ाएं।
जीवन दायी, शिव शिरोमणी, मन मोहिनी।
गंगा को छेड़ें, तो उथल पुथल, मचाये जाएं।
रंग में भी है, भंग में दंग करदें, विहंग गंगा।
गंगा भवानी, सुजल प्रवाहिनी, मातरं वंदे।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

मेजबानी गौरव ही नहीं चुनौती भी है

सबसे ताकतवर आर्थिक संगठन की पूरी कहानी

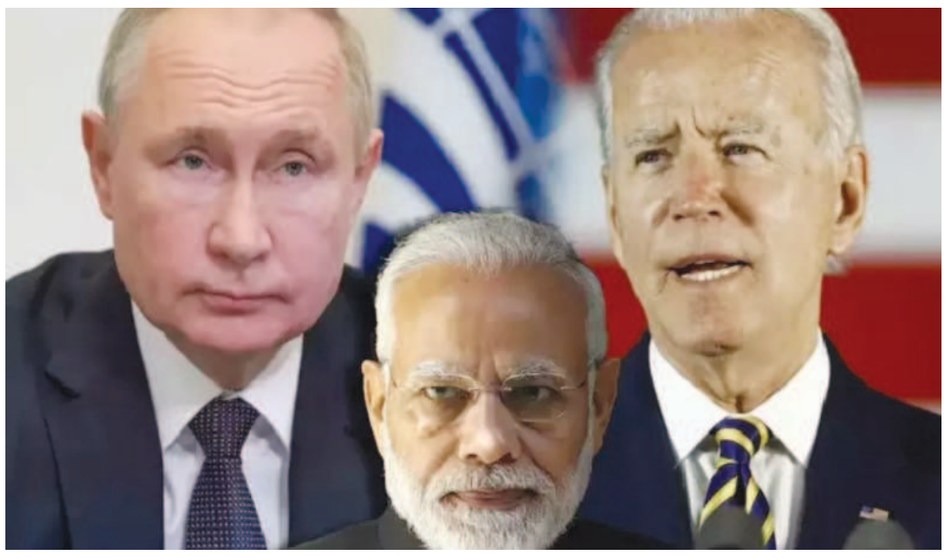

भारत से पहले 2022 में इंडोनेशिया ने 374 करोड़ रुपए खर्च कर जी20 समिट की मेजबानी की थी। समिट के आखिरी दिन जब घोषणा पत्र जारी करने की बात आई तो रूस और अमेरिका में यूक्रेन वॉर के जिक्र को लेकर आपस में ठन गई। समिट को फेल होने से बचाने के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने डिप्लोमेसी का सहारा लिया। उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। जोको विडोडो ने लावरोव को घोषणा पत्र जारी होने से पहले ही वापस रूस चले जाने के लिए राजी कर लिया। अमेरिका और पश्चिमी देशों के मन मुताबिक घोषणा पत्र में यूक्रेन में जंग खत्म करने की मांग की गई। हालांकि, उसके अंत में ये हिस्सा जुड़वाया गया कि इस घोषणा पत्र से चीन और रूस सहमत नहीं हैं। 10 महीने के बाद अब भारत के सामने भी यही चुनौती है। ऐसे में जानेंगे की आखिर ये संगठन है क्या जिसकी मेजबानी करना देश के लिए सिर्फ गर्व नहीं बल्कि कठिन परीक्षा भी है।

कैसे बना जी 20 संगठन...

2008 में आया आर्थिक संकट (फाइनेंशियल क्राइसिस) पूरी दुनिया को याद है। इससे ठीक 11 साल पहले 1997 में एशिया में भी एक आर्थिक संकट आया था। इसे एशियन फाइनेंशियल क्राइसिस के नाम से जाना जाता है। ये संकट थाईलैंड से शुरू होकर एशिया के दूसरे देशों में भी फैल गया। मंदी की वजह से आसियान देशों पर उनकी जीडीपी की तुलना में 167% तक का कर्ज बढ़ गया। भारी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए। क्राइसिस के शुरुआती 6 महीनों में ही इंडोनेशिया की करेंसी की कीमत 80% और थाईलैंड की करेंसी की कीमत डॉलर की तुलना में 50% तक गिर गई। इसका असर विकसित देशों पर न पड़े, इसके लिए जी7 देशों ने एक बैठक की और एक ऐसा मंच तैयार करने का फैसला किया जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों को डिस्कस किया जा सके। तब जी20 की शुरुआत हुई। उन देशों की पहचान की गई जिनकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी, या जिनमें तेजी से बढ़ने की कैपेसिटी थी। सभी को एक मंच पर लाया गया। 2007 तक केवल सदस्य देशों के वित्त मंत्री इसकी बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि, 2007 और 2008 में पश्चिमी और धनी देशों में आई फाइनेंशियल क्राइसिस ने उन्हें मजबूर कर दिया कि वो बातचीत को राष्ट्राध्यक्षों के स्तर तक ले जाएं। तब से हर साल सभी सदस्य देशों के नेता एक मंच पर आकर अहम मुद्दों को डिस्कस करते हैं। शुरुआत में अमेरिका ने इस बात का विरोध किया था। हालांकि, समय की नजाकत को देखते हुए बाद में वो शिखर के सम्मेलन के लिए तैयार हुआ। जी20 देशों का पहला शिखर सम्मेलन वॉशिंगटन डीसी में ही हुआ। वरिष्ठ पत्रकार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार सत्येंद्र रंजन के मुताबिक जी20 काफी बड़ा मंच था। 2007-2008 की फाइनेंशियल क्राइसिस के समय से इस संगठन की बैठकों का आयोजन राष्ट्रध्यक्षों के लेवल पर किया जाने लगा। इससे पहले इसकी सारी बैठकें फाइनेंस मिनिस्टर और सेंट्रल बैंकों के लेवल पर होती थीं।

जब भारत जैसे देशों का महत्व बढ़ा तो इसे शिखर सम्मेलन के लेवल पर लाया गया। जो धनी देश थे उन्होंने ये महसूस किया कि वो दुनिया की इकोनॉमी को अकेले नहीं चला सकते हैं। अब जी20 देश दुनिया की 83% इकोनॉमी को कंट्रोल करते हैं। ये देश आपस में बैठकर ढंग की आर्थिक पॉलिसी बनाएं, एक दूसरे से सहयोग बढ़ाएं इसी मकसद से इस संगठन को बनाया गया था। अब हालात ये हैं कि दुनिया फिर से बंट गई है। दुनिया का एक खेमा अलग ढंग से सोचता है, दूसरा अलग ढंग से। ऐसे में जी20 देशों में सहमति बनना मुश्किल हो गया है। इस साल भारत में अब तक हुई जी20 की बैठकों में से किसी में आम सहमति नहीं बन पाई है। यूक्रेन का मुद्दा ऐसा है, जिसको लेकर रूस और चीन दूसरे देशों से सहमत नहीं हो पाते हैं। जी20 ऐसा मंच बन गया है जहां कोई फैसला नहीं हो पाता है। पिछले साल इंडोनेशिया में भी नहीं हो पाया था। जब आम सहमति ही नहीं बन रही है तो आज इस मंच की प्रासंगिकता पर सवाल उठ गया है। ऐसे समय में भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। इस संगठन की बैठक के अंत में एक साझा घोषणा पत्र जारी होता है, उस पर सभी देशों की सहमति होना जरूरी है।

भारत के पास चुनौती है कि वो इसके लिए सभी देशों में आम सहमति बनवा दे। अगर ऐसा हो सका तो ये भारत की बड़ी सफलता मानी जाएगी। नहीं तो फिर ये समझा जाएगा की एक आयोजन हुआ जिसका कोई मतलब नहीं था। सत्येंद्र रंजन बताते हैं- जी20 की अध्यक्षता रोटेशन के आधार पर एक-एक बार संगठन के सभी देशों को मिलती है। पिछली बार इंडोनेशिया को मिली थी। आर्थिक रूप से इंडोनेशिया भारत से कमजोर देश है। इसके बावजूद उसे जी20 समिट की मेजबानी का मौका मिला। अगली बार भी किसी विकासशील देश को ही इसकी अध्यक्षता मिलेगी। जी20 की अध्यक्षता मिलना कोई उपलब्धि की बात नहीं है।

मिंट में एक सर्वे छपा है, इसमें 46% लोगों ने माना है कि पीएम मोदी की लीडरशिप की वजह से भारत को जी20 की अध्यक्षता मिली है। जबकि, हकीकत ये है कि हर बार समिट की मेजबानी बदलती है। असल कामयाबी ये है कि वहां क्या डिस्कस हो रहा है। G20 में शामिल होना भारत के लिए गौरव का मौका था, क्योंकि तब भारत और कई विकासशील देशों के महत्व को पहचाना गया। अभी ये कहना जल्दबाजी है कि भारत ने जी20 की अध्यक्षता से क्या अचीव किया है। भारत से पहले 18 देश जी20 की अध्यक्षता कर चुके हैं। दुनिया में फिलहाल 3 बड़े मुद्दे हैं, जिन्हें भारत जी20 समिट में उठा सकता है...

1) अनाज का संकट- यूक्रेन जंग की वजह से दुनिया में अनाज की कीमतें बढ़ी हैं। इसका ज्यादातर असर अफ्रीकी देशों पर पड़ा है। रूस का कहना है कि हमने ब्लैक सी कॉरिडोर के जरिए जो अनाज एक्सपोर्ट किया उसका 50% हिस्सा पश्चिमी देशों ने अपने पास रख लिया। ब्लैक सी के जरिए यूक्रेन को हथियार भेजे। ऐसे में भारत ब्लैक सी अनाज डील फिर से लागू करवाने के लिए रूस को मनाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, पुतिन पहले ही साफ कर चुके हैं कि वो ग्रेन कॉरिडोर की फिर से शुरुआत नहीं करेंगे।

2) कर्ज - जुलाई में अमेरिका के सेंट्रल बैंक ने अपनी ब्याज दरों को बढ़ाकर 22 सालों के सबसे ऊंचे लेवल पर पहुंचा दिया है। इसकी वजह से डॉलर पहले से ज्यादा मजबूत हो गया। ज्यादातर कर्ज का भुगतान डॉलर में होता है। इसकी वजह से दुनिया के कई गरीब देशों के लिए कर्ज की कीमत काफी बढ़ गई है। फिलहाल करीब 52 देश कर्ज के संकट से जूझ रहे हैं। भारत इस मुद्दे को उठाकर दुनिया के गरीब और विकासशील देशों की मदद कर सकता है।

3) अफ्रीकन यूनियन की सदस्यता- भारत यूरोपियन यूनियन की तरह ही अफ्रीकन यूनियन को इस संगठन का सदस्य बनवाने की पुरजोर कोशिश कर रहा था, जिसके बाद समिट के पहले दिन ही अफ्रीकन यूनियन को सदस्यता मिल गई। इस मुद्दे पर चीन ने भारत का साथ दिया। दरअसल, दोनों ही देश अफ्रीका में अपनी साख मजबूत करना चाहते हैं।

जी20 के आलोचकों का कहना है कि अब यह संगठन कमजोर हो रहा है। इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि संगठन के दो प्रमुख देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन इस बैठक में शामिल होने भारत नहीं आ रहे हैं। हावर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन एम वॉल्ट ने अपने एक लेख में जी20 के संदर्भ में कहा है कि दुनिया चलाने का पश्चिमी देशों का नजरिया अब विकासशील देशों पसंद नहीं आ रहा है। इसकी वजह ये है कि जी20 संगठन अभी तक कुछ ऐसा अचीव ही नहीं कर पाया जिसके लिए इसे बनाया गया था। उदाहरण के लिए 2021 में इटली में जी20 देशों ने तय किया था कि वो ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हालांकि, इस पर विकासशील और विकसित देशों में आपसी सहमति नहीं होने की वजह से कोयले के इस्तेमाल को कम करने पर कुछ काम नहीं हो पाया।

अवसादग्रस्त लोगों को दिखानी होगी सही राह

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन'। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच उम्मीद पैदा करना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर 'भारत में आकस्मिक मौतें एवं आत्महत्याएं-2021' रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की।

एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। इस रिपोर्ट से साफ है कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक क्लेश, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्याएं 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ गई। 2020 में आत्महत्या के मामलों की संख्या 153052 दर्ज हुई थी।

- योगेश कुमार गोयल

वसुधैव कुटुंबकम की वकालत

इक्कीसवीं सदी ने अपने शुरुआती दशकों में ही बीसवीं सदी के बनाए ढांचे को पलटना शुरू कर दिया है। जिस वैश्विक संतुलन को दो ध्रुवीय, एक ध्रुवीय कहा जा रहा था, भारत जैसे देश के वसुधैव कुटुंबकम के घोष ने उसे बहु-पक्षीय बनाने की वकालत की है। भारत जब जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है तो 140 करोड़ भारतीय अतिथि देशों का स्वागत कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में जी-20 से जुड़े सम्मेलनों का आयोजन कर केंद्र सरकार ने इसकी मेजबानी पूरे 140 करोड़ लोगों को सौंप दी। जब पूरा विश्व जलवायु संकट से लेकर आर्थिक संकट से जूझ रहा है, रूस-यूक्रेन युद्ध पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है तब भारतीय नेतृत्व के प्रति दुनिया की उम्मीद भरी नजर वो माहौल बना रही है जो इक्कीसवीं सदी के आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का नक्शा बदल सकता है।

'देवता दो प्रकार के होते हैं, एक रहस्यमय ईश्वर जिसके बारे में हम कुछ नहीं जानते, दूसरा वह ठोस शक्ति जिसके बारे में सब कुछ पता है।'

'सेपियंस : मानव जाति का संक्षिप्त इतिहास' के लेखक युवाल नोआ हरारी एक मौके पर जिस ठोस शक्ति की बात करते हैं उसकी अलग-अलग व्याख्या हो सकती है। आज जिस तरह से दुनिया बदल रही है, शक्ति व समृद्धि के नए समानार्थक शब्द निर्मित हो रहे हैं, उसमें एक अहम शब्द है जनसंख्या। पिछले दिनों जब खबर आई कि भारत, चीन को पछाड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बनने की कतार में खड़ा है तो इस मुद्दे ने खास संदर्भ में एक बहस छेड़ दी।

इक्कीसवीं सदी के 'पुनर्जागरण' में जनसंख्या कोई नकारात्मक शब्द नहीं है। हाल के सालों में भारत की सरकार ने देश की जनसंख्या को विभिन्न वैश्विक मंचों से लेकर राष्ट्रीय निशान लाल किले के प्राचीर तक से सकारात्मक तरीके से देश की संपदा के रूप में लिया है। भारत के 140 करोड़ लोग बोलते ही भारतीय नेतृत्व की शक्ति का पलड़ा भारी दिखने लगता है।

आज से देश में जी-20 का शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है तो इस बार सही शब्दों में इन राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक के पूरे भारत की 140 करोड़ जनता कर रही है। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों अपने एक साक्षात्कार में कहा कि जिस भारत को अब तक सिर्फ एक बड़े बाजार के रूप में देखा जाता था वह अब वैश्विक चुनौतियों को सुलझाने वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय तक, भारत को एक अरब से अधिक भूखे पेट वाले लोगों के देश के रूप में जाना जाता था। लेकिन, अब भारत को एक अरब से अधिक महत्त्वाकांक्षी मस्तिष्क, दो अरब से अधिक कुशल हाथों, करोड़ों युवाओं के देश के रूप में देखा जा रहा है।

जी-20 की शिखर बैठक के मद्देनजर प्रधानमंत्री के ये शब्द आने वाले भारत की तस्वीर है। औपनिवेशिक आजादी के बाद नब्बे के दशक में बदले समय में भारत की छवि दुनिया के सामने सबसे बड़े बाजार के रूप में तब्दील कर दी गई थी। विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत को सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में ही संबोधित किया जा रहा था। शीतल पेय से लेकर टीवी, फ्रिज, गाड़ी व विश्व सुंदरियों के सौंदर्य उत्पाद तक, भारत को दुनिया भर के उत्पादों के खपत केंद्र के रूप में देखा जा रहा था। यह एक संकीर्ण दौर में भारत पर थोपी गई एक संकीर्ण पहचान थी।

जब भारत की प्रकृति, संस्कृति व राजनीति की पहचान महज एक बाजार के रूप में बनाई जा रही थी उसी समय 1997 में पूर्वी एशिया के देश बड़े वित्तीय संकट से गुजरे। इस संकट से निपटने के लिए एक आर्थिक मंच की स्थापना की गई जो आज जी-20 की शक्ल में है। कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूके और अमेरिका के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों ने जून 1999 में मुलाकात की। आर्थिक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद और वैश्विक समन्वय के विस्तार का इरादा जताया गया। आज के समय में जी-20 दुनिया की बड़ी आर्थिक व्यवस्थाओं का समूह है।

जब छोटी जनसंख्या वाले देश खास भौगोलिक और ऐतिहासिक कारणों से भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश को महज बाजार मान कर चल रहे थे तब भारत हर वैश्विक मंच पर अपनी अलग राजनीतिक पहचान बना रहा था। अब वित्त की पहचान बदल चुकी है। वित्त टकसाल से निकलने वाली करंसी भर नहीं है जिस पर किसी देश के राष्ट्रीय प्रतीक छपे होते हैं।

अब वित्त वह देश है जहां की एक बड़ी जनसंख्या अपनी प्रकृति व संस्कृति के कारण कम उपभोग करती है तो जाहिर सी बात है कि इसके कार्बन पदचिह्न कम होंगे। यानी अब धरती बचाने की जिम्मेदारी में विकासशील देशों का पलड़ा भारी है। अब वित्त वह श्रम, बौद्धिक और कौशल शक्ति है जिसे लेकर भारतीय मूल के लोग पूरी दुनिया में राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर वोट देने वाली जनता के रूप में दुनिया की राजनीति की शक्ल तय कर रहे हैं।

वित्त घर से शुरू होनेवाली दयानतदारी है जो महामारी के समय में कनाडा से लेकर निकारागुआ, ब्राजील व अन्य देशों में वैक्सीन भेजती है। मुश्किल समय में युद्ध थोप कर फौज नहीं 'वैक्सीन मैत्री' का कारवां भेजा जाता है।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी से बीजेपी धर्मसंकट में

जगन मोहन ने पलट दिया खेल?

चंद्रबाबू नायडू पांच साल बाद फिर एनडीए में लौटने के संकेत दिए थे। अब करप्शन के आरोप में आंध्रप्रदेश की सीआईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी से बीजेपी धर्मसंकट में पड़ गई है। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी और टीडीपी गठबंधन की संभावनाओं पर जगन मोहन रेड्डी ने सवालिया निशान लगा दिया है। जगन मोहन रेड्डी ने एक तीर से कई निशाने साध लिए हैं।

बता दें कि आंध्रप्रदेश की सीआईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को नांदयाल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी शनिवार सुबह हुई, जब तेलगूदेशम के प्रमुख चंद्रबाबू आराम कर रहे थे। गिरफ्तार करने के लिए खुद डीआईजी रघुरामी रेड्डी पुलिस के साथ पहुंचे थे। नायडू पर आरोप है कि उन्होंने आंध्र प्रदेश स्टेट स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीएसएसडीसी) में घोटाला किया। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी उस समय हुई है, जब उनके दोबारा एनडीए में आने की चर्चा चल रही थी। नायडू पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम-1988 के अलावा आईपीसी की धारा 120 (बी), 166, 167, 418, 420, 465 समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इन मामलों में जमानत का फैसला कोर्ट में हो सकता है। कोर्ट में साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण सोमवार को जमानत के मामले में सुनवाई होगी। आरोप गंभीर हैं, यह मामला बड़ी अदालतों का रुख कर सकता है। केस लंबा चलने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

चंद्राबाबू नायडू पर लगे आरोप

जगन मोहन रेड्डी सरकार का आरोप है कि स्किल डिवेलपमेंट के नाम पर आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के छल किया गया। नौकरी देने के नाम पर यह सबसे बड़ा घोटाला है। अपने कार्यकाल के दौरान 2016 में चंद्रबाबू नायडू ने आंध्रप्रदेश में स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीएसएसडीसी) का गठन किया गया। युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाने का प्रावधान किया गया। सेंटर बनाने के लिए टेक कंपनियों से 3356 करोड़ रुपये के समझौते किए गए। तय किया गया कि टेक कंपनियां एक्सिलेंस सेंटर बनाने के लिए 90 फीसदी अनुदान देगी और 10 फीसदी राज्य सरकार खर्च करेगी। आरोप है कि स्किल डिवेलपमेंट के नाम पर टेक कंपनियों ने विदेश में शेल कंपनियों में पैसे भेजे। जगन मोहन रेड्डी ने चंद्राबाबू नायडू के एक्सिलेंस मॉडल पर भी सवाल उठाए थे। जगन सरकार ने घोटाले का आरोप लगाते हुए पूछा था कि आखिर प्राइवेट टेक कंपनियां 90 फीसदी अनुदान क्यों देगी? 2021 में कौशल विकास निगम के मामले में केस दर्ज किया गया। अब इसमें चंद्राबाबू नायडू को आरोपी नंबर वन बनाया गया है।

आंध्र में दखल नहीं चाहते जगन मोहन

2019 में जगन मोहन की वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्रप्रदेश की 22 लोकसभा सीटें जीत ली। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव में भी अपने दम पर 151 सीटों पर कब्जा कर आंध्र में सरकार बनाई। चंद्राबाबू नायडू केंद्र और राज्य की राजनीति में काफी पीछे छूट गए। जगन मोहन रेड्डी केंद्र में नरेंद्र मोदी के करीबी बन गए। राज्यसभा में भी वाईएसआर कांग्रेस बीजेपी का साथ देती रही। कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर वह मोदी सरकार के संकटमोचक बने रहे। हाल ही में दिल्ली सर्विस बिल पर भी जगनमोहन की पार्टी ने केंद्र को सपोर्ट किया। जगन मोहन विपक्षी दलों को गठबंधन इंडिया का हिस्सा भी नहीं बने। मगर जगन की राजनीति का दूसरा पहलू यह है कि वह एनडीए में भी शामिल नहीं हुए। बताया जाता है कि बीजेपी ने उन्हें कई बार एनडीए में शामिल होने का ऑफर दिया, जिसे जगनमोहन ने ठुकरा दिया। जगनमोहन लोकसभा चुनाव के बाद खुद को किंगमेकर वाली पोजिशन में रखना चाहते हैं। उनकी रणनीति केंद्र की सरकार से मिलजुल कर राज्य की सत्ता को स्थिर रखने की है।

बीजेपी असमंजस में फंसी

जगनमोहन भले ही बीजेपी के करीबियों में हैं, मगर तेलगु राज्यों में पैर जमाने के लिए बीजेपी को एक पार्टनर की जरूरत है। पिछले दिनों चंद्रबाबू नायडू ने संकेत दिए थे कि वह एनडीए का हिस्सा हो सकते हैं। उन्होंने 2018 में एनडीए से एक्जिट होने पर भी खेद जताया था। आंध्र को विशेष राज्य के दर्जे को लेकर उन्होंने केंद्र सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मगर लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद नायडू दोबारा एनडीए में वापसी की तैयारी कर रहे थे। हाल में ही उन्होंने नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की थी। चंद्राबाबू नायडू ने कहा कि देश के हित के लिए छोटी मांगों को नजरअंदाज किया जा सकता है। विपक्षी दलों को गठबंधन इंडिया बनने के बाद बीजेपी ने टीडीपी के लिए एनडीए का रास्ता खोलने का मन बना लिया था। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी और तेलगूदेशम सीट शेयरिंग फार्मूले पर बात चल रही है। अब करप्शन के मुद्दे पर चंद्राबाबू नायडू की गिरफ्तारी से बीजेपी असमंजस में फंस गई है। तेलंगाना में केसीआर के खिलाफ भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ रही भारतीय जनता पार्टी आंध्रप्रदेश में करप्शन के घिरे नायडू से कैसे तालमेल करेगी? जगन मोहन रेड्डी ने बीजेपी के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि बीजेपी आंध्र में एक्टर पवन कल्याण की पार्टी जनकल्याण सेना से गठबंधन कर चुकी है, मगर वह राज्य में मजबूत स्थिति में नहीं है।

11 साल बाद जगनमोहन ने लिया बदला!

जगनमोहन रेड्डी और चंद्राबाबू नायडू की राजनीतिक दुश्मनी 2012 में एक रिपोर्ट से शुरू हुई। जगन के पिता वाईएसआर राजशेखर रेड्डी के निधन के बाद कांग्रेस ने के रोसैया को चीफ मिनिस्टर बना दिया। जगन के दावे की अनदेखी कर बाद में एन.किरन रेड्डी की ताजपोशी कर दी। जगन मोहन रेड्डी ने कांग्रेस से बगावत शुरू कर दी। तब कांग्रेस की सरकार ने वाईएसआर के कार्यकाल में रहे मंत्रियों की रिपोर्ट बनाई। इस रिपोर्ट में जगन की संपत्ति के बारे में छानबीन की गई। बताया जाता है कि कांग्रेस सरकार ने यह रिपोर्ट लीक कर दी और तेलगुदेशम ने जगन मोहन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाते हुए अभियान शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ा कि जगन की संपत्ति की जांच का जिम्मा सीबीआई और ईडी को सौंप दिया गया। इस मामले में जगन मोहन रेड्डी की गिरफ्तारी भी हुई। जगन 16 महीने जेल में रहे और सितंबर 2013 में बाहर निकले। 2019 में सत्ता में आने के बाद चंद्राबाबू नायडू के खिलाफ भी जांच शुरू कराई। सबसे पहले नायडू की करोड़ों की इमारत प्रजा वेदिका पर बुलडोजर चलवाया। सरकार का दावा था कि चंद्राबाबू नायडू का अमरावती में बना प्रजा वेदिका गैर कानूनी तरीके से बनाई गई है। फिलहाल चंद्राबाबू की गिरफ्तारी भी राजनीति रंग ले रही है।

अश्वमेध यज्ञ जैसा फल प्राप्ति हेतु अजा एकादषी व्रत

-मुकेष ऋृषि

हिन्दु धर्म में एकादषी व्रत का श्रेष्ठतम महत्व है। धर्मषास्त्र के अनुसार, भाद्रपद मास के द्धष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन अजा एकादशी व्रत रखा जाएगा। इसे जया, कामिका एकादषी भी कहते हैं। यह व्रत 10 सितंबर 2023, रविवार के दिन रखा जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस विशेष दिन पर भगवान विष्णु की उपासना करने का विधान है। इससे साधक को सुख-समृद्धि और धन-धान्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मान्यता यह भी है कि एकादशी व्रत रखने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

बता दें कि अजा एकादशी के दिन दो अत्यंत शुभ संयोग का निर्माण हो रहा है, जिसमें की गई पूजा-पाठ का विशेष लाभ साधकों को प्राप्त होगा।

इस दिन रात्रि जागरण करना चाहिए।

अजा एकादशी कथा अजा एकादशी की कथा राजा हरिशचन्द्र से जुडी.हुई है। राजा हरिशचन्द्र अत्यन्त वीर प्रतापी और सत्यवादी राजा थे। उसने अपनी सत्यता एवं वचन पूर्ति हेतु पत्नी और पुत्र को बेच देते हैं और स्वयं भी एक चाण्डाल का सेवक बन जाते हैं।

इस संकट से मुक्ति पाने का उपाय गौतम ऋृषि उन्हें देते हैं। महर्षि ने राजा को अजा एकादशी व्रत के विषय में बताया। गौतम ऋृषि के कथन सुनकर राजा मुनि के कहे अनुसार विधि-पूर्वक व्रत करते हैं। इसी व्रत के प्रभाव से राजा के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। व्रत के प्रभाव से उसको पुनः राज्य मिल गया। अन्त समय में वह अपने परिवार सहित स्वर्ग लोक को गया। यह सब अजा एकादशी के व्रत का प्रभाव था। जो मनुष्य इस व्रत को विधि-विधान पूर्वक करते है। तथा रात्रि में जागरण करते है। उनके समस्त पाप नष्ट हो जाते है। और अन्त में स्वर्ग जाते है। इस एकादशी की कथा के श्रवण मात्र से ही अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। अजा एकादशी व्रत का महत्व समस्त उपवासों में अजा एकादशी के व्रत श्रेष्ठतम कहे गए हैं। एकादशी व्रत को रखने वाले व्यक्ति को अपने चित, इंद्रियों, आहार और व्यवहार पर संयम रखना होता है। अजा एकादशी व्रत का उपवास व्यक्ति को अर्थ-काम से ऊपर उठकर मोक्ष और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

यह व्रत प्राचीन समय से यथावत चला आ रहा है। इस व्रत का आधार पौराणिक, वैज्ञानिक और संतुलित जीवन है। इस उपवास के विषय में यह मान्यता है कि इस उपवास के फलस्वरुप मिलने वाले फल अश्वमेघ यज्ञ, कठिन तपस्या, तीर्थों में स्नान-दान आदि से मिलने वाले फलों से भी अधिक होते है। यह उपवास, मन निर्मल करता है, ह्रदय शुद्ध करता है तथा सत्मार्ग की ओर प्रेरित करता है । अजा एकादशी व्रत पूजा अजा एकादशी का व्रत करने के लिए उपरोक्त बातों का ध्यान रखने के बाद व्यक्ति को

एकाद्शी तिथि के दिन शीघ्र उठना चाहिए। उठने के बाद नित्यक्रिया से मुक्त होने के बाद, सारे घर की सफाई करनी चाहिए और इसके बाद तिल और मिट्टी के लेप का प्रयोग करते हुए, कुशा से स्नान करना चाहिए। स्नान आदि कार्य करने के बाद, भगवान श्री विष्णु जी की पूजा करनी चाहिए। भगवान श्री विष्णु जी का पूजन करने के लिये एक शुद्ध स्थान पर धान्य रखने चाहिए। धान्यों के ऊपर कुम्भ स्थापित किया जाता है। कुम्भ को लाल रंग के वस्त्र से सजाया जाता है। और स्थापना करने के बाद कुम्भ की पूजा की जाती है।

इसके पश्चात कुम्भ के ऊपर श्री विष्णु जी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। प्रतिमा के समक्ष व्रत का संकल्प लिया जाता है। संकल्प लेने के पश्चात धूप, दीप और पुष्प से भगवान श्री विष्णु जी की जाती है। अजा एकादशी 2023 पर रखें इन बातों का ध्यान शास्त्र में बताया गया है कि जो लोग एकादशी व्रत का पालन करते हैं। उन्हें दशमी तिथि के दिन से ही मांस, लहसुन, प्याज, मसूर की दाल इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके साथ एकादशी व्रत के दिन लकड़ी के दातुन, नींबू, जामुन या आम का पत्ता नहीं चबाना चाहिए। इस दिन वृक्ष से पत्ता या लकड़ी तोड़ना वर्जित है। एकादशी व्रत के दिन व्यक्ति को अपना मन साफ रखना चाहिए। इसलिए व्रत के दौरान किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार को मन में उत्पन्न न होने दें और क्रोध पर संयम रखें। साथ ही इस दिन सिर्फ भगवान का भजन या मंत्र का जाप ही करें। मान्यता है कि एकादशी के दिन घर में झाड़ू भी नहीं लगना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे सूक्ष्म जीवों की मृत्यु का भय बना रहता है। साथ ही इस विशेष दिन पर बाल, नाखून या दाढ़ी बनवाना भी वर्जित है। एकादशी के दिन इस बात का विशेष ध्यान रखें कि व्रत के दौरान भूलकर भी तुलसी के पत्ते ना तोड़ें। साथ ही तुलसी का पत्ते का स्पर्श भी ना करें। ऐसा करने से भगवान विष्णु क्रोधित हो सकते हैं। इस दिन तुलसी के समीप एक दीपक जलाकर उनकी पूजा करें। वहीं भगवान विष्णु को भोग अर्पित करने के लिए एक दिन पहले ही तुलसी दल तोड़ लें।

चने नहीं खाने चाहिए, करोदों का भोजन नहीं करना चाहिए, शाक आदि भोजन करने से भी व्रत के फलों में कमी होती है, इस दिन शहद का सेवन करने से एकादशी व्रत के फल कम होते है। व्रत के दिन और दशमी तिथि के दिन पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। अजा एकादशी व्रत 10 सितंबर रात्रि 09 बजकर 28 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। वहीं इस दिन पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र का निर्माण हो रहा है।

बता दें कि पुनर्वसु नक्षत्र शाम 05 बजकर 06 मिनट तक रहेगा और इसके बाद पुष्य नक्षत्र शुरू हो जाएगा। वहीं इस दिन रवि पुष्य योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। जो शाम 05 बजकर 06 मिनट से 11 सितंबर सुबह 05 बजकर 26 मिनट तक रहेगा।

आपके घर के स्नानघर का आकार-प्रकार कैसा हो

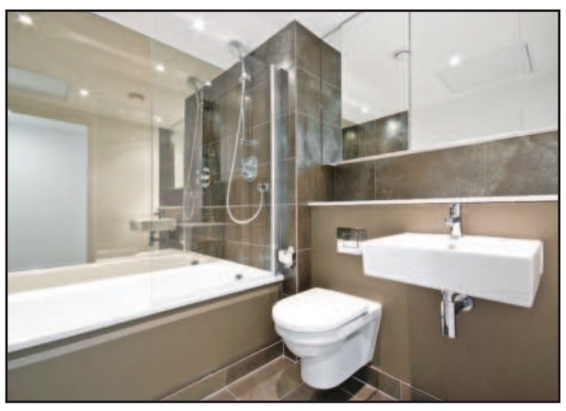

समय और परिस्थितियों के साथ स्नानघर के स्वरुप में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। आजकल जहाँ घर के अधिकांश हिस्सों की कल्पना सदस्यों के सामूहिक इस्तेमाल के लिए की जाने लगी है वहीं शयन कक्ष और स्नानघर अब व्यक्तिगत सुविधाओं और रुचियों का ध्यान रख कर बनाये जाते हैं। जिन्दगी की भाग दौड़ में सभी व्यस्त से अतिव्यस्त होते जा रहे हैं। इसी भागदौड़ में अपने लिए नितांत निजी और सुकून भरे पल बिताने के लिए स्नानघर एक बेहतरीन विकल्प के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। स्नानघर की गुणवत्ता अब उसकी विशालता से नहीं बल्कि उसकी कलात्मकता से आंकी जाती है। लगभग सभी स्तरीय घरों में अब शयन कक्ष के साथ स्नानघर का होना अनिवार्य है।

स्नानघर की सुंदरता उसमें उपयोग की जाने वाली वस्तुएँ के सलीकेदार प्रदर्शन पर निर्भर करती है। ये सलीका एक कुशल आर्टिटेक्ट ही प्रदान कर सकता है। आर्किटेक्ट घर के मालिक की पसंद को समझकर उसके अनुसार सही डिजाइनदार पत्थर या बड़ी टाइल्स के साथ उपयोग किये जाने वाली प्रकाश व्यवस्था नल, शॉवर, दर्पण, पेंटिंग्स तथा दूसरी अन्य आवश्यक वस्तुओं का न केवल चुनाव करता है बल्कि उसे उपलब्ध जगह पर इस तरह करीने से सजाता है वाला बिना वाह किये नहीं रह पाता।

विगत कुछ वर्षों में घर के स्नानघर के आकार-प्रकार और परिकल्पना में परिवर्तन हुए बहुत से महत्वपूर्ण हैं। कभी स्नान के लिए उपयोग में लाई जाने वाले नदियों नालों, झरनों तालाबो और पोखरों की जगह मानव ने जब ये सुविधा अपने घर की चार दीवारी में जुटाने की सोची तो उसकी बनावट विशेष की तरफ अधिक ध्यान नहीं दिया। घर के किसी अनुपयोगी कोने में चार दीवारें और एक दरवाज़ा लगा कर स्नान घर बना दिया जाता था जिसे घर के सभी सदस्य बारी बारी से उपयोग करते। ये प्रथा अब भी अधिकांश ग्रामीण इलाकों में अस्तित्व में है।

कैसे बनाएं पार्थिव शिवलिंग और क्या होनी चाहिए उसकी पूजा विधि

`2शिव पुराण में पार्थिव शिवलिंग पूजा का महत्व बताया है। कलयुग में कूष्माण्ड ऋषि के पुत्र मंडप ने पार्थिव पूजन शुरू किया था।

शिव महापुराण के मुताबिक इस पूजन से धन, धान्य, आरोग्य और पुत्र प्राप्ति होती है। मानसिक और शारीरिक परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है।

पार्थिव पूजन से अकाल मृत्यु का डर खत्म हो जाता है। शिवजी की अराधना के लिए पार्थिव पूजन हर कोई कर सकता है। चाहे वो पुरूष हो या महिला। पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधि-विधान से पूजा करने से दस हजार कल्प यानी करोड़ों साल तक स्वर्ग में रहता है।

शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव पूजन सभी दुःखों को दूर करके सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है। हर दिन पार्थिव पूजन किया जाए तो इस लोक और परलोक में भी अखण्ड शिव भक्ति मिलती है।

नदी-तालाब की मिट्टी से बनाते हैं पार्थिव शिवलिंग

पार्थिव शिवलिंग बनाने के लिए किसी पवित्र नदी या तालाब की मिट्टी लें। उस मिट्टी को फूल, चंदन और अन्य पूजन सामग्री से शोधित करें। मिट्टी में दूध मिलाकर शोधन करें। शिव मंत्र बोलते हुए उस मिट्टी से शिवलिंग बनाने की क्रिया शुरू करें।

पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह रखकर शिवलिंग बनाना चाहिए। मिट्टी, गाय का गोबर, गुड़ , मक्खन और भस्म मिलाकर पार्थिव शिवलिंग बनाएं। पार्थिव शिवलिंग 12 अंगुल से ऊंचा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा ऊंचा होने पर पूजन का पुण्य नहीं मिलता। शिवलिंग पर चढ़ाई हुई चीजें ग्रहण नहीं करनी चाहिए।

पहले इन देवों की पूजा करें

शिवलिंग बनाने के बाद गणेश जी, विष्णु भगवान, नवग्रह और माता पार्वती आदि का आह्वान करना चाहिए। फिर विधिवत तरीके से षोडशोपचार करना चाहिए। पार्थिव शिवलिंग बनाने के बाद उसे परम ब्रम्ह मानकर पूजा और ध्यान करें। पार्थिव शिवलिंग समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करता है। सपरिवार पार्थिव बनाकर शास्त्रवत विधि से पूजन करने से परिवार सुखी रहता है।

किराए पर ले रहे हैं घर तो इन चीजों को ना करें नजरअंदाज

पढ़ाई-नौकरी के चक्कर में या फिर अपना घर ना खरीद पाने की स्थिति में ज्यादातर लोग किराए के घर में रहते हैं। किराए के घर में कोई वास्तु दोष है तो उसका नकारात्मक प्रभाव जीवन पर पड़ता है। वास्तु दोष होने पर व्यक्ति आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। इस वास्तु दोष की वजह से करियर में रुकावट भी झेलना पड़ता है।

किराए के घर में खुद से ज्यादा बदलाव नहीं किए जा सकते हैं। अगर आप भी किराए के घर में रह रहे हैं तो घर की कुछ चीजों की जगह में बदलाव करके इन वास्तु दोष दूर करने की कोशिश कर सकते हैं। किराए का घर लेने से पहले ही कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

किराए के घर में रखें इन बातों का ध्यान

किराए के मकान में सामान ठीक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि मकान का ज्यादातर उत्तर-पूर्वी भाग खाली रखें। बेड, ट्रंक जैसी भारी चीजें घर के दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम भाग में रखना चाहिए।

सोते समय दिशाओं का ध्यान रखें। सिर दक्षिण की दिशा में और पैर उत्तर की दिशा में होना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पश्चिम दिशा में भी सिर करके सो सकते हैं, लेकिन किसी भी स्थिति में उत्तर दिशा की ओर सिर करके ना सोएं।

पूजा घर उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में बाथरूम होने से आपके घर में कंगाली आ सकती है। इसलिए किराए के घर में हर चीज की दिशाओं का खास ध्यान रखना चाहिए।

किराए का घर लेने से से पहले उसके लोकेशन का खास ध्यान रखें। कभी भी कब्रिस्तान, अस्पताल, ट्रैफिक एरिया या भीड़-भाड़ वाली जगहों पर किराए का घर लेने से बचना चाहिए। साथ ही ऐसी जगह रहने से भी बचें, जहां आसपास मोबाइल टॉवर या बिजली का पोल हो। माना जाता है कि ये चीजें जीवन में बाधाएं लाती हैं।

वास्तु में उचित प्राकृतिक प्रकाश का बहुत महत्व है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके घर में पर्याप्त धूप आ रही हो और घर में अच्छा क्रॉस वेंटिलेशन हो। इन दोनों दिशाओं में से किसी एक में खिड़कियों और बालकनी के साथ उत्तर या पूर्व की ओर वाला फ्लैट आदर्श माना जाता है। सुबह की धूप सकारात्मकता लाती है जबकि दोपहर की अवरक्त किरणें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं, इसलिए यदि कोई खिड़की दक्षिण या पश्चिम में है तो यह वास्तु दोष के अंतर्गत आती हैं। ऐसा घर लेने से बचना चाहिए।

ध्यान रखें कि आपका कितन उत्तर-पूर्व दिशा में ना हो। चूंकि इमारत का यह हिस्सा सुबह के सूरज का स्वागत करता है इसलिए यह रहने वाले कमरे या ध्यान कक्ष के लिए उपयुक्त है। दक्षिण-पूर्व की दिशा रसोई के लिए आदर्श स्थान है।

अजा एकादशी: सबसे पहले राजा हरिश्चंद्र ने किया था ये व्रत

10 सितंबर को भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इसे अजा एकादशी कहते हैं। ये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दो दिन बाद पड़ती है। इस दिन भगवान विष्णु के उपेन्द्र रूप की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करने और भगवान विष्णु को पूजने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

एकादशी तिथि पर जल्दी उठकर घर की सफाई करें। झाड़ू और पोंछा लगाने के बाद पूरे घर में गौ मूत्र का छिड़काव करें। उसके बाद शरीर पर तिल और मिट्टी का लेप लगा कर पानी में कुशा डालकर स्नान करें। नहाने के पानी में गंगाजल जरूर मिलाएं। नहाने के बाद भगवान विष्णु जी की पूजा करें। दिनभर नियम संयम के साथ रहते हुए रात में जागरण और भगवान विष्णु के भजन-कीर्तिन की परंपरा है।

अजा एकादशी की पूजा विधि

घर में पूजा के स्थान पर या पूर्व दिशा में किसी साफ जगह पर गौ मूत्र छिड़ककर वहां गेहूं रखें। फिर उस पर तांबे का लोटा यानी कलश रखें। लोटे को जल से भरें और उस पर अशोक के पत्ते या डंठल वाले पान रखें फिर उस पर नारियल रख दें। इस तरह कलश स्थापना करें।

कलश पर या उसके पास विष्णु भगवान की मूर्ति रखकर कलश और भगवान विष्णु की पूजा करें। और दीपक लगाएं। इसके बाद पूरे दिन व्रत रखें और अगले दिन तक कलश की स्थापना हटा लें। फिर उस कलश का पानी पूरे घर में छिड़क दें और बचा हुआ पानी तुलसी में डाल दें।

इस एकादशी का फल

अजा एकादशी पर जो कोई भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करता है। उसके पाप खत्म हो जाते हैं। व्रत और पूजा के प्रभाव से स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत में एकादशी की कथा सुनने भर से ही अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। इस व्रत को करने से ही राजा हरिशचंद्र को अपना राज्य वापस मिल गया था और उनका मरा हुआ पुत्र फिर से जिंदा हो गया था।

धन से भरी रहेगी तिरोजी और पर्स, लेकिन करने होंगे गरुड़ पुराण में बताए ये काम

गरुड़ पुराण को हिंदू धर्म के 18 महापुराणों में एक माना गया है। साथ ही यह वैष्णव संप्रदाय से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसमें पाप-पुण्य, कर्म, नरक, स्वर्ग, पुनर्जन्म और मृत्यु के बाद की स्थिति के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है।

हर व्यक्ति यह चाहता है कि, उसके जीवन में धन की कमी न रहे और वह आर्थिक रूप से संपन्न जीवन व्यतीत करे। लेकिन कई बार मेहनत करने के बावजूद भी तंगहाली बनी रहती है। अगर आप गरुड़ पुराण में बताए इन नीति-नियमों का पालन करेंगे तो धन से जुड़ी समस्या जरूर दूर होगी और धन में वृद्धि होगी। आइये जानते हैं इन नीतियों के बारे में।

इन कार्यों से होती है धन में वृद्धि

दान-पुण्य: व्यक्ति को समय-समय पर अपने सामरथ्नुसार दान करते रहना चाहिए। गरुड़ पुराण में ऐसा कहा गया है कि, व्यक्ति को अपनी कमाई का एक हिस्सा जरूर दान करना चाहिए। ऐसा करने से धन में वृद्धि होती है। वहीं अगर कोई दान नहीं करता तो उसे धन हानि का सामना करना पड़ता है और ऐसे लोगों के पास खूब कमाने के बावजूद भी हमेशा पैसों की कमी बनी रहती है।

खर्च करना भी है जरूरी: गरुड़ पुराण के अनुसार, धन को संचय करना जितना जरूरी है, उतना ही

जरूरी है धन खर्च करना भी। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि, व्यक्ति को अनावश्यक रूप से धन जमा करके नहीं रखना चाहिए। अपने और अपने परिवार की जरूरतों व सुख-सुविधाओं के लिए धन खर्च जरूर करें। जीवन में प्रगति के लिए यह जरूरी है कि अपने कमाए हुए धन को अपने और अपने परिवार के लिए खर्च करें।

धोखा देने से बचें: गरुड़ पुराण में वर्णित है कि, धन के लिए लालच करने, धोखा देने या चोरी करने वालों के पास मां लक्ष्मी कभी ठहरती हैं। अगर आप चाहते हैं मां लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहे तो इसके लिए इस बात का सख्ती से पालन करें।

धन का घमंड न करें: गरुड़ पुराण में बताया गया है कि, व्यक्ति को कभी भी धन-संपत्ति का घमंड नहीं करना चाहिए। अगर आपके पास धन है तो आप जरूरमंदों की मदद करें। धन का घमंड करने वालों से भी मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।

तुलसी पूजा: व्यक्ति को नियमित रूप से तुलसी पूजन करना चाहिए। जिस घर पर प्रतिदिन तुलसी पूजन किया जाता है। वहां सदैव मां लक्ष्मी का वास होता है और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही ऐसे घर पर धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती है।

पलोमा की डेब्यू फिल्म पर बोलीं पूनम ढिल्लों : बेटी को काबिलियत के दम पर फिल्म मिली, नेपोटिज्म से नहीं बनाई इंडस्ट्री में जगह

एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ढिल्लों जल्द ही फिल्म 'दोनों' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। बेटी की पहली फिल्म को लेकर पूनम काफी एक्साइटेड हैं। वहीं अब हाल ही में उन्होंने बेटी के डेब्यू और इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने अपना पक्ष रखा।

सूरज बड़जात्या जी को पर्सनल तौर पर नहीं जानती हूं: पूनम

राजश्री अनप्लग्ड को दिए इंटरव्यू में पूनम ने अपनी बेटी की पहली फिल्म को लेकर कहा- मैं बहुत खुश हूं कि मेरी बेटी राजश्री बैनर के साथ अपनी शुरुआत करने जा रही है, लेकिन मैंने उनके साथ कभी भी काम नहीं किया है। मैं सूरज बड़जात्या जी को पर्सनल तौर पर नहीं जानती हूं। इसलिए मेरी बेटी के डेब्यू के लिए उन्हें बुलाने का कोई सवाल नहीं उठता है।

मेरी बेटी को काबिलियत के दम पर फिल्म मिली: पूनम

पूनम ने आगे कहा- 'मेरी बेटी को सेलेक्ट करने से पहले कई बार उसका ऑडिशन लिया गया। इस रोल के लिए उन्होंने बहुत से लोगों के ऑडिशन लिए थे। 6-7 महीने के ऑडिशन के बाद मेरी बेटी को पता चला कि रोल के लिए उसे फाइनल किया गया है।'

उन्होंने आगे कहा- 'यह दुख की बात है कि जो लोग ट्रोलिंग करते हैं, वो ये नहीं समझते हैं कि ये बच्चे भी आम एक्टर्स जितनी ही मेहनत करते हैं। आप उनसे उनका यह अधिकार छीन नहीं सकते है। ये रोल उन्हें अपनी काबिलियत के दम पर मिला है।'

टैलेंट के बिना इंडस्ट्री में जगह बनाना नामुमकिनः पूनम

बेटी के बारे में बात करते हुए पूनम ने कहा- 'आज टैलेंट के बिना किसी भी इंडस्ट्री में अपना मुकाम बनाना किसी के लिए मुमकिन नहीं है। अगर आपके बच्चे में टैलेंट नहीं है तो कोई फिल्म मेकर आपके बच्चे पर 30-40 करोड़ रुपए खर्च नहीं करेगा। इसलिए नेपोटिज्म से जुड़ा यह तर्क अच्छा नहीं है।'

सनी को म्यूजिक का बहुत शौक था : पूनम

राजश्री प्रोडक्शन बैनर के तले बनी इस फिल्म से पलोमा के साथ सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल भी अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इससे पहले पूनम और सनी देओल ने भी सोहनी महिवाल, सवेरे वाली गाड़ियां और समुंदर जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

सनी देओल के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूनम ने बताया कि उन दोनों का स्वभाव एक जैसा है। दोनों काफी शांत हैं। पूनम ने शूटिंग के दौरान का एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा- 'सनी को म्यूजिक का बहुत शौक था। उस समय हमारे पास डीवीडी नहीं होते थे, हमारे पास टेप थे। इसलिए मैं उन्हें मिक्स टेप बनाने के लिए कहती थी, क्योंकि उनके पास गानों का बहुत अच्छा कलेक्शन था।'

5 अक्टूबर को रिलीज होगी 'दोनों'

बता दें कि पलोमा और राजवीर देओल की फिल्म दोनों 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए दोनों स्टार किड्स अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। एक्टर्स के अलावा यह सूरज बड़जात्या के बेटे अबनीश बड़जात्या इस फिल्म के जरिए बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं।

बच्चों के साथ बैठकर भोजन करना बहुत जरूरी, शिल्पा ने साझा किए सुखी वैवाहिक जीवन के मूल मंत्र

48 साल की हो चुकीं अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हिंदी सिनेमा की सबसे फिट अभिनेत्री मानी जाती हैं। अपने फिगर और हेल्थ को मेंटेन रखने के लिए शिल्पा शेट्टी हर रोज योग करती हैं और सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को फिट रहने का सलाह भी देती रहती है। इस बार शिल्पा शेट्टी ने अपने प्रशंसकों के साथ सुखी वैवाहिक जीवन की सफलता के मूल मंत्र भी साझा किए हैं। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी आगामी में फिल्म 'सुखी' में एक ऐसी असंतुष्ट गृहणी की भूमिका निभा रही हैं, जो अपने पति और बच्चों की देखभाल करने के चक्कर में अपनी खुशी को भूल जाती है। इस फिल्म के ट्रेलर लांच के अवसर पर शिल्पा शेट्टी ने कहा कि औरतों को परंपरागत रूप से हमेशा घर की मुर्गी या कहें कि साग बराबर समझा गया है, खास करके पत्नी को। लेकिन, एक-दूसरे का थोड़ा सा ख्याल रख करके वैवाहिक जीवन को सुखी बनाया जा सकता है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कहती हैं, 'चाहे हम निम्न मध्यमवर्गीय, मध्यम वर्गीय परिवार से हो, या फिर उच्च वर्ग के परिवार हो। एक बात जो सब में बराबर होती है, वह है पति पत्नी के बीच विश्वास और दोस्ती का रिश्ता। पति और पत्नी के बीच विश्वास और दोस्ती का रिश्ता होना चाहिए। लेकिन कई बार हम पति और पत्नी के बीच रिश्तों की अहमियत को नहीं समझते हैं। पति को लगता है कि पत्नी तो घर की मुर्गी के बराबर है। यहीं से रिश्तों में कड़वाहट शुरू हो जाती है।'

सुखी वैवाहिक जीवन के सफलता का मूल मंत्र बताते हुए शिल्पा शेट्टी कहती हैं, 'अगर पति

अपनी पत्नी के काम में थोड़ा सा हाथ बटा दें, तो शादीशुदा जिंदगी खुशहाल हो जाएगी। यह बहुत ही साधारण सी बात है। लेकिन हम अपनी जिंदगियों को उलझा देते हैं। बड़े सपने देखने के चक्कर में छोटी-छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं।'

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कहती हैं, 'राज (कुंद्रा) और हमारी जिंदगी बहुत ही साधारण हैं। हमारी सोच मिडिल क्लास है। मिडिल क्लास के जो पारिवारिक मूल्य हैं, उसका हम दोनों बहुत ख्याल रखते हैं। हम साथ में बच्चों के साथ बैठकर खाना खाते हैं। इन सब चीजों के साथ हमारी परवरिश हुई है। यही हमारे सुखी वैवाहिक जीवन के सफलता का मूल मंत्र है।'

किस विवाद पर मनारा चोपड़ा ने की खुलकर बात, बोलीं- डायरेक्टर हो गए थे अति उत्साहित

किस विवाद को लेकर इन दिनों सुर्खियों में चल रहीं एक्ट्रेस मनारा चोपड़ा ने आखिरकार इस पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री को अपनी आगामी फिल्म 'थिरागबदरा सामी' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा था जब फिल्म के डायरेक्टर एएस रवि कुमार ने उनके गालों पर जबरन किस कर लिया था। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा था। इसके बाद कई लोगों ने डायरेक्टर की जमकर आलोचना भी की थी।

वहीं, मनारा चोपड़ा ने एक सितंबर को विवाद को संबोधित करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया था। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, नहीं पता था कि मेरी फिल्म का प्रमोशन एक अप्रत्याशित मोड़ ले लेगा। मैं जो कुछ भी व्यक्त करना

चाहती थी वह पहले से ही ऊपर दिए गए वीडियो में शामिल है। मैं मीडिया आउटलेट्स से अनुरोध करती हूं कि वे मुझे जो स्पेस की जरूत है उसका सम्मान करें। मैं इस समय अधिक विवरण साझा करने के लिए तैयार नहीं हूं।

हाल ही में मनारा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। इस दौरान पैपराजी द्वारा शेयर किए गए हालिया वीडियो में मन्नारा चोपड़ा ने चल रहे विवाद के बारे में पूछे जाने पर कहा, जो भी खबरें वायरल हो रही हैं, मुझे लगता है कि निर्देशक को फिल्म में मेरा काम पसंद आया। जब हम शूटिंग नहीं कर रहे होते तब भी वे मुझे फोन करते रहते थे। मुझे लगता है कि वह बहुत ज्यादा उत्साहित हो गए थे। वीडियो देखकर मैं भी आश्चर्यचकित रह गई थी, लेकिन उन्होंने गलत नीयत से ऐसा नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिल्म रिलीज हो रही है। यह एक अच्छी फिल्म है और मैं इसकी रिलीज का इंतजार कर रही हूं। जो भी घटना थी, उसने सिर्फ उत्साह के कारण ऐसा किया। कई बार लोग उत्साहित हो जाते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि क्या हो रहा है। वे ऐसा कर रहे हैं। मुझे साउथ इंडस्ट्री हमेशा से पसंद रही है। वहां लोगों ने मुझे हमेशा प्यार किया है। मुझे नहीं लगता कि उनके कोई गलत इरादे थे। मनारा चोपड़ा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2014 की तेलुगु फिल्म 'प्रेमा गीमा जंथा नई' से की थी। बाद में उन्हें उसी साल बॉलीवुड फिल्म 'जिद' में देखा गया। मन्नारा को 'संदामरुथम' (2015), 'जक्कन्ना' (2019), और 'सीता' (2019) में भी नजर आई थीं। उनकी आने वाली फिल्म 'थिरागबदरा सामी' 15 सितंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

अनिल-दीपिका संग 'फाइटर' के लिए जबर्दस्त एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे ऋतिक

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अक्सर वर्कआउट तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा रहे हैं। वहीं, ऋतिक अपनी आने वाली बहुप्रतीक्षित एक्टिंग फिल्म 'फाइटर' की शूटिंग कर रहे हैं, जिसका निर्देशन हिटमेकर सिद्धार्थ आनंद ने किया है। यह फिल्म सुपरस्टार अनिल कपूर और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ ऋतिक का पहला ऑनस्क्रीन सहयोग होगा। फाइटर की शूटिंग पूरी करने के बाद गुरुवार रात रोशन और कपूर को मुंबई के यशराज स्टूडियो से बाहर निकलते देखा गया।

रिपोर्टों के अनुसार, फाइटर के तीन प्रमुख सितारे, ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और दीपिका पादुकोण वर्तमान में फिल्म के कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों के लिए एक सेट पर एक साथ शूटिंग कर रहे हैं, जो मुंबई के प्रतिष्ठित यशराज स्टूडियो में बनाया गया है। भले ही फिल्म या इसकी कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन यह पुष्टि की गई है कि ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण सिद्धार्थ आनंद निर्देशित फिल्म में 'फाइटर' पायलट की

भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अनिल कपूर उनके गुरु की भूमिका में दिखाई देते हैं।

एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, उसमें ऋतिक रोशन थके हुए भी दिख रहे हैं, क्योंकि वह पैक-अप के बाद स्टूडियो से बाहर निकल रहे हैं। वह नेवी ब्लू टी-शर्ट और पतलून की एक जोड़ी में दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अनिल कपूर कुछ अन्य लोगों के साथ स्टूडियो से बाहर निकले और जब उन्होंने स्टूडियो के बाहर लोगों को देखा तो सभी मुस्कुरा रहे थे। इस बीच, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण 'फाइटर' की शूटिंग पूरी करने के तुरंत बाद शाहरुख खान और अन्य लोगों के साथ शामिल होने के लिए 'जवान' स्क्रीनिंग कार्यक्रम में पहुंचीं।

अनिल कपूर, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण वर्तमान में यशराज स्टूडियो में फिल्म के कुछ सबसे महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग कर रहे हैं, और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में इस छोटे से शेड्यूल को पूरा कर लिया जाएगा। निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और उनकी टीम इस साल अक्तूबर तक पूरी फिल्म की शूटिंग खत्म करने की कोशिश में हैं। 'फाइटर' में ऋतिक, अनिल, दीपिका के अलावा सहायक भूमिकाओं में करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख, तलत अजीज और अन्य सहित एक शानदार स्टार कास्ट है। विशाल-शेखर की जोड़ी फिल्म के लिए गाने और मूल स्कोर तैयार कर रही है। हवाई एक्शन फिल्म 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'लापता लेडीज' से निर्देशन की दुनिया में वापसी को तैयार किरण राव

आमिर खान की पूर्व पत्नी किरण राव ने फिल्म धोबी घाट से अपने निर्देशन की शुरुआत की थी। अब वह 11 साल बाद अपनी फिल्म लापता लेडीज के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भव्य प्रीमियर होगा।

आमिर खान प्रोडक्शंस ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर किरण राव की आगामी निर्देशित लापता लेडीज का पोस्टर साझा किया। इसके साथ ही लिखा, "अब मिलेगा लापता लेडीज का पता पांच जनवरी 2024 को, आपके नज़दीकी सिनेमाघरों में।"

बता दें कि आमिर खान और किरण राव ने फिल्म लापता लेडीज के लिए हाथ मिलाया है,

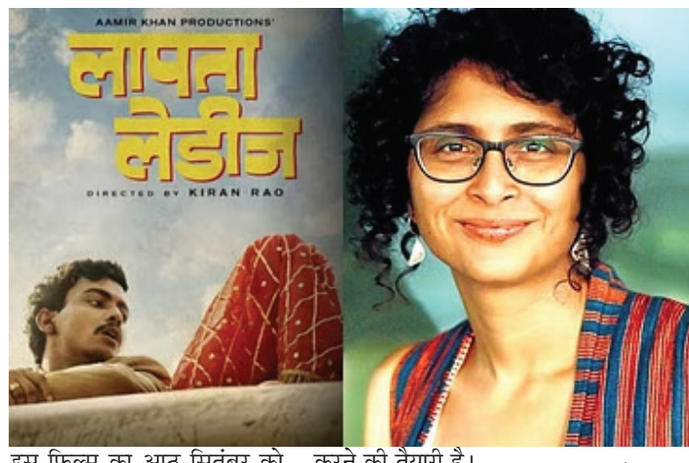

इस फिल्म का आठ सितंबर को प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भव्य प्रीमियर किया जाएगा। हालांकि फिल्म को अगले साल पांच जनवरी रिलीज करने की तैयारी है।

2001 में भारत के ग्रामीण इलाकों में स्थापित, 'लापता लेडीज' दो दुल्हनों की कहानी है जो ट्रेन से खो जाती हैं। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन मुख्य भूमिका में हैं। जियो स्टूडियोज की ओर से प्रस्तुत, 'लापता लेडीज' किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है।

यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे गए हैं।

90 की उम्र लेकिन रोज रियाज करती हैं आशा ताई : सुदेश भोसले

बोले- लोग मुझे उनका बेटा समझते हैं, बुरे दिनों में दी थी मूर्ति

कल लीजेंड्री गायिका आशा भोसले का 90वां जन्मदिन था। 20 भाषाओं में 11 हजार से ज्यादा गाने गा चुकीं आशा जी उम्र के इस पड़ाव पर भी उतनी ही एक्टिव हैं। अपने 90वें जन्मदिन पर वे दुबई में शो कर रही हैं। पं. दीनानाथ मंगेशकर की दूसरी बेटी आशा जी ने जब फिल्मी दुनिया में बतौर गायिका कदम रखा तो उन पर लता मंगेशकर की छोटी बहन होने का भी प्रेशर था। लता दीदी तब तक फेमस गायिका बन चुकी थीं। लता दीदी से अलग आशा जी ने गायिकी का एक अलग ही अंदाज ईजाद किया। हजारों गाने, सैकड़ों लाइव शो और अनगिनत यादगार लम्हे, उनकी जिंदगी में इन सब के अलावा भी काफी कुछ घटा है।

90वें जन्मदिन के मौके पर हमने आशा जी के बारे में बात की फेमस सिंगर सुदेश भोसले से। सुदेश ही ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने आशा जी के साथ सबसे ज्यादा लाइव शो किए हैं और आज भी वो दुबई में उनके साथ ही शो कर रहे हैं। सुदेश कहते हैं कि भोसले सरनेम की वजह से लोग मुझे उनका बेटा ही मानते हैं, हमारा रिश्ता भी मां-बेटे जैसा ही है।

सुदेश ने हमसे कई बातें साझा कीं। मेरे गाने सुन आशा ताई रो दीं, पंचम दा ने गले लगाया

साल 1986। उस वक्त तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। सिर्फ सुनकर चली गईं। मुझे भी नहीं पता था कि आशा भोसले मुझे सुन रही हैं।इस शो को कुछ ही दिन बीते थे, एक स्टूडियो में मेरी मुलाकात आशा ताई से हुई। उन्हें देखते ही मैंने उनके पैर छुए। आशीर्वाद देने के बाद उन्होंने मुझसे एस.डी. बर्मन के गाने की गुजारिश की। ये सुनते ही मैं नर्वस हो गया। समझ नहीं आ रहा था क्या करूं। मेरी हालत देख उन्होंने कहा- आप बिना किसी झिझक के आराम से गाइए।

मैंने 'डोली में बिठाई के कहार' गाने को बिल्कुल एस.डी. बर्मन के अंदाज में गाया। जब गाना खत्म हुआ तो देखा कि साड़ी के पल्लू से मुंह छिपाकर वो रो रही थीं। उन्होंने मेरे गाने की बहुत तारीफ की। फिर उन्होंने और गाने की डिमांड की। उन्होंने तुरंत ही मेरे गाए हुए सारे गाने रिकॉर्ड करा लिए और उस रिकॉर्डिंग को अपने साथ ले गईं। फिर कहा- जल्द ही मिलते हैं। इतना कहकर वो चली गईं।

सुबह के 7 बजे थे। तभी पड़ोसी घर से आवाज आई कि आर.डी. बर्मन के ऑफिस से कॉल आया है। ये सुनते ही मैं भागा। फोन करने वाले शख्स ने मुझसे जल्द ही अपना पासपोर्ट लेकर ऑफिस आने को कहा। मुलाकात तो आशा भोसले से हुई थी, लेकिन कॉल पंचम दा के ऑफिस से आया। ये मुमकिन ऐसे हुआ कि आशा ताई रिकॉर्डिंग इसलिए ले गई थीं क्योंकि वो मेरे गाए हुए गानों को पंचम दा को सुनाना चाहती थीं। जब पंचम दा नहा रहे थे तो आशा ताई ने रिकॉर्डिंग बजा दी। गाने सुनकर पंचम दा को लगा कि उनके पिता एस.डी. बर्मन गा रहे हैं। वो जल्दी से बाथरूम से निकल आए। सवाल किया- क्या ये पापा की रिकॉर्डिंग है। आशा ताई ने उन्हें बताया कि एस.डी. बर्मन के अंदाज में ये सारे गाने मैंने गाए हैं। मेरी काबिलियत से प्रभावित होकर उन्होंने मुझसे मिलने को कहा।

जब मैं उनके ऑफिस पहुंचा तो घबराया हुआ था। आशा ताई भी वहां मौजूद थीं। उन्होंने मेरा परिचय देते हुआ कहा- ये वही लड़का है, जो सबके अंदाज में परफेक्ट गाता है। फिर आर.डी. बर्मन ने हंसते हुए कहा- क्यों, तुम्हीं हो जो मेरे बाप की आवाज में गाते हो। ये सुन वहां मौजूद सब लोग हंसने लगे। मैंने उनके कहने पर 2-3 गाने सुनाए। गाने सुनने के बाद उन्होंने मुझे खुशी से गले लगा लिया।

आशा ताई मुझे बेटे जैसा मानती हैं

पंचम दा ने ही मुझे पहली बार 1998 की फिल्म जलजला में गाने का मौका दिया था। ये मुमकिन इसलिए हुआ था क्योंकि मेरे ऊपर आशा ताई का हाथ था।

इसके बाद मैं हमेशा के लिए आशा ताई से जुड़ गया। इसी साल वो मुझे पहली बार हॉन्गकॉन्ग के ट्रिप पर अपने साथ ले गईं। वहां पर मैंने पहली बार उनके साथ डुएट गाए। इसके बाद ऐसे बहुत कम शो हुए हैं जिनमें मैंने उनके साथ परफॉर्मेंस न दी हो। उनके साथ लगभग हर शो का हिस्सा रहा हूं। वो कहती हैं, सुदेश मैं बस तुम्हारे साथ ही डुएट में कंफर्टेबल हूं।

हमारा रिश्ता एक मां-बेटे की तरह है। हम दोनों का सरनेम भी भोसले है। इससे भी लोगों को लगता है कि मैं सच में उनका बेटा हूं।

आशा ताई ने शुरुआत से ही संघर्ष देखा है। पर्सनल लाइफ भी संघर्ष से भरी रही। जब वो छोटी थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। वो अपने छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर को गोद में लिए घर के सारे काम करती थीं।

जब वो इंडस्ट्री में आई थीं, जब लता दीदी अपना नाम बना चुकी थीं। उन पर लता मंगेशकर की बहन होने का भी प्रेशर था। हालांकि उन्होंने इस बात का मान हमेशा रखा और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई।

आशा ताई लता मंगेशकर की बहन थीं। चाहतीं तो उन्हीं की स्टाइल कॉपी कर इंडस्ट्री में सर्वाइव कर सकती थीं। मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने खुद की स्टाइल बनाई और बन गईं बॉलीवुड की वर्सटाइल सिंगर।

जिंदगी के इस पड़ाव पर भी रोज रियाज करतीं

आशा ताई आज 90 साल की हो गई हैं, लेकिन उन्होंने रियाज करना नहीं छोड़ा। वो रोज रियाज करती हैं। रियाज की शुरुआत वो ओम उच्चारण से करती हैं। एक बार मैं उनके साथ अमेरिका ट्रिप पर गया था। रात के 2-3 बजे तक हमने परफॉर्मेंस दी। फिर होटल आए। उन्होंने मुझसे पूछा-सुदेश सच बताना, मैंने अच्छा गाया है ना।

मैंने कहा- आप भला मुझसे क्यों पूछ रही हैं, आप हमेशा बेहतर ही गाती हैं।

उन्होंने फिर कसम देकर पूछा।

मैंने कहा- ताई, इवेंट बहुत अच्छा हुआ है, आपने बहुत अच्छा गाया है।

इस छोटी सी बातचीत के बाद हम अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। अगले दिन मैं करीब 7 बजे सोकर उठा। बहुत भूख लगी थी। मैं नाश्ते के लिए नीचे जा ही रहा था कि ताई के कमरे से रियाज सुनाई दिया। मैं सोच में पड़ गया। रात को मैं भी उन्हीं के साथ था, उतना ही थका, लेकिन सुबह उठकर मैं खाने जा रहा था और वो रियाज कर रही थीं। यही आशा ताई और बाकियों में फर्क है।

उनके इस जन्मदिन पर हम दुबई में परफॉर्म करने वाले हैं। वो वही गाने गाएंगीं, जो हमेशा से गाती आ रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने हर गाने की 5-5 बार प्रैक्टिस की है।

कठिन समय में आशीर्वाद के रूप में गोल्ड प्लेटेड मूर्ति दी

कोविड के समय मैं थोड़ा परेशान चल रहा था। मुझे याद है, 28 सितंबर का दिन था। उसी दिन मेरी बात आशा ताई से हुई। दबी आवाज सुनकर वो समझ गईं कि मैं परेशान हूं। काफी पूछने पर मैंने उन्हें अपनी सारी परेशानी बताई।

उनसे बात करने के बाद मैंने लता दीदी को कॉल किया। उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भी मुझसे पूछा- सुदेश सब ठीक चल रहा है ना, तेरे काम, बाकी सब ठीक है ना। मैंने उन्हें सच नहीं बताया और झूठ में कह दिया- हां दीदी, सब ठीक है। शाम का वक्त था कि देखा आशा ताई मेरे घर आ गईं। उन्होंने मुझे समझाया और गणेश जी की एक गोल्ड प्लेटेड मूर्ति दी। उन्होंने कहा- देखना, ये तुम्हारे सारे दुख हर लेंगे।

मैंने आज तक उसी मूर्ति को अपने मंदिर में संभाल कर रखा है।

एक नजर आशा भोसले और आर.डी. बर्मन की लव स्टोरी पर

दोनों की पहली मुलाकात 1956 में फिल्म तीसरी मंजिल के गाने के लिए हुई थी। लगातार साथ काम करते हुए दोनों एक-दूसरे को चाहने लगे। एक दिन मौका पाते ही आर.डी. बर्मन ने आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया।

आशा तो आर.डी. बर्मन से शादी करने के लिए मान गईं। मगर जैसे ही ये बात बर्मन की मां तक पहुंची तो उन्होंने शादी से साफ इनकार कर दिया और कहा, ये शादी मेरी लाश पर ही होगी। इनकार की पहली वजह ये थी कि आशा, आर.डी. बर्मन से 6 साल बड़ी थीं और दूसरी कि वो 3 बच्चों की मां थीं।

मां के फरमाबरदार बेटे आर.डी. बर्मन ने भी अपने कदम पीछे खींच लिए। कुछ समय बाद आर.डी. बर्मन के पिता एस.डी. बर्मन का निधन हो गया और मां की मानसिक स्थिति बिगड़ गई। जब मां की हालत में सुधार नहीं दिखा तो आर.डी. बर्मन ने आशा भोसले से 1980 में शादी कर ली।

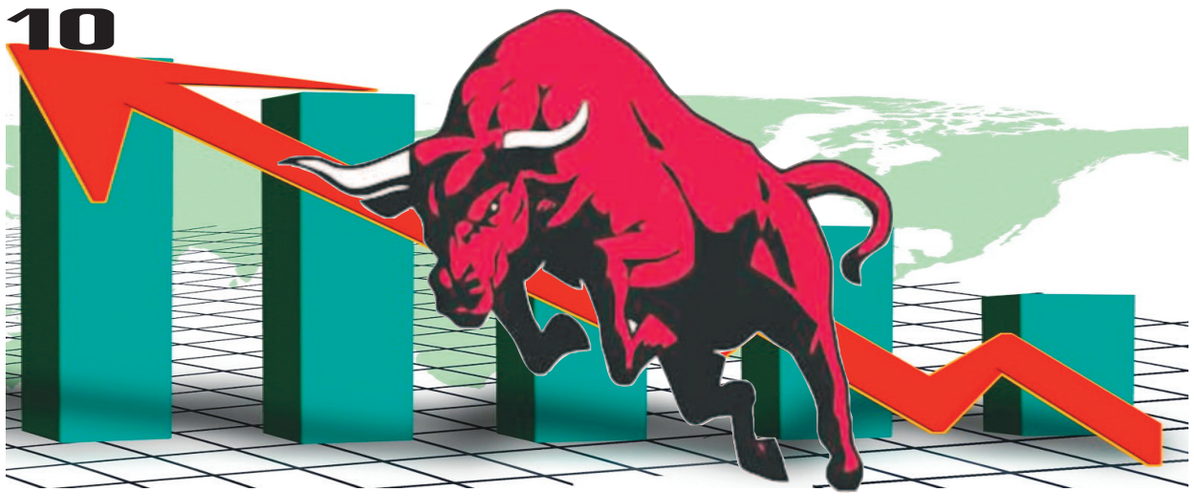

चांद पर अंधेरे में कैसा दिख रहा चंद्रयान-3

चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर की फोटो खींची; 3 दिन पहले नासा ने इमेज भेजी थी

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की फोटो खींची है। इसरो ने शनिवार (9 सितंबर) को इस तस्वीर को शेयर किया। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर पर लगे डुअल-फ्रीक्वेंसी सिनेटिक अपर्चर रडार ने विक्रम लैंडर की फोटो 6 सितंबर को कैप्चर की थी।बड़ी बात ये है कि चांद के साउथ पोल पर अभी अंधेरा है यानी चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने रात में विक्रम लैंडर की फोटो खींची है। इससे पहले 27 अगस्त को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर की तस्वीर कैप्चर की थी। नासा ने 6 सितंबर को ये फोटो शेयर की थी। नासा ने एक्स पोस्ट में लिखा था- एलआरओ ने चांद की सतह पर मौजूद चंद्रयान-3 के लैंडर की सैटेलाइट तस्वीर ली।

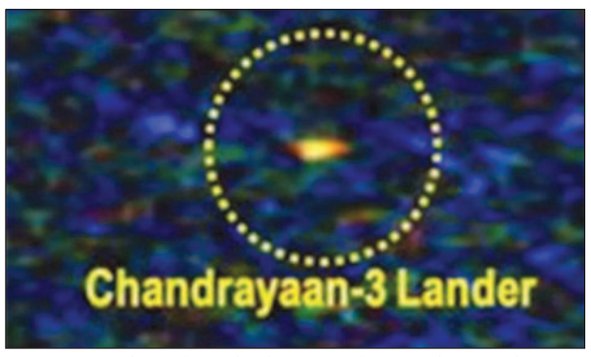

पहली तस्वीर जो चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने खींची

चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने जो तस्वीर खींची है, उसमें विक्रम लैंडर बहुत ही छोटा और गोल्डन कलर का दिख रहा है। चंद्रयान-2 मिशन को 22 जुलाई 2019 को लॉन्च किया गया था। चंद्रयान-2 के जरिए इसरो ने चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग का पहला प्रयास किया था। इस मिशन में अंत तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन लैंडिंग से महज 500 मीटर पहले लैंडर से संपर्क टूट गया।

दूसरी तस्वीर जो नासा ने साझा की थी

6 सितंबर को नासा ने एक्स पोस्ट में लिखा था- एलआरओ ने चांद की सतह पर मौजूद चंद्रयान-3 के लैंडर की सैटेलाइट फोटो ली। नासा ने तस्वीर में लैंडर को एक बॉक्स के अंदर दिखाया था। साथ ही कहा था- लैंडर के आसपास दिख रही रोशनी लैंडर के धुएं के चांद की मिट्टी के संपर्क में आने से बनी है।

21 अगस्त को चंद्रयान-2 ने कहा था- वेलकम बडी

21 अगस्त को इसरो यानी इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने बताया था कि हमने चंद्रयान-2 मिशन के ऑर्बिटर और चंद्रयान-3 के लैंडर के बीच संपर्क स्थापित कर दिया। टू-वे कम्युनिकेशन के स्थापित होने के बाद ऑर्बिटर ने लैंडर विक्रम से कहा था- वेलकम बडी (स्वागत है दोस्त)।

इसरो ने विक्रम लैंडर की 3डी फोटो शेयर की थी

इसरो ने 5 सितंबर की शाम को विक्रम लैंडर की 3डी फोटो शेयर की थी।

इसरो ने एक्स पोस्ट में लिखा- इसे देखने का असली मजा रेड और स्यान रंग के 3डी ग्लास से आएगा। ये फोटो प्रज्ञान रोवर ने लैंडर से 15 मीटर दूर यानी करीब 40 फीट की दूरी से क्लिक की थी। विक्रम लैंडर की ये तस्वीर प्रज्ञान रोवर पर लगे दो नेविगेशन कैमरों की मदद से ली गई थी। इसरो ने कहा- ये 3-चैनल वाली तस्वीर है। यह असल में दो फोटो का मिश्रण है। एक तस्वीर रेड चैनल पर है।

वर्ल्ड बैंक ने की भारत की तारीफ

कहा- भारत ने 5 दशक का काम 6 साल में किया

पीएम मोदी बोले- यह इनोवेशन का रिजल्ट

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।वर्ल्ड बैंक ने जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारत की डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने फाइनेंशियल इंक्लूजन में 6 सालों में जितनी ग्रोथ की है, उसमें सामान्य तौर पर 5 दशक का समय लग जाता है। यानी भारत सरकार ने 5 दशकों का काम 6 सालों में कर दिया है। फाइनेंशियल बॉडी ने कहा, भारत की इस उपलब्धि में यूपीआई, जनधन अकाउंट और मोबाइल कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा योगदान है। वर्ल्ड बैंक ने 'जी-20 ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर फाइनेंशियल इंक्लूजन ' नाम के अपने डॉक्यूमेंट में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की लीडरशिप में भारत ने यूपीआई,जन-धन अकाउंट, आधार, ओएनडीसी और कोविन जैसी योजनाओं से काफी बेहतर डीपीआई डेवलप किया है।

पीएम मोदी ने कहा- यह तेज प्रोग्रेस और इनोवेशन का रिजल्ट

पीएम मोदी ने कहा- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित फाइनेंशियल इंक्लूजन में भारत की छलांग! वर्ल्ड बैंक द्वारा तैयार किए गए जी20 डॉक्यूमेंट में काफी इंटरेस्टिंग प्वाइंट शेयर किए गए हैं। भारत ने 47 साल के फाइनेंशियल इंक्लूजन के टारगेट को 6 साल में पूरा किया है। हमारे मजबूत डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और लोगों की भावना को बधाई।

250 रुपए से 4 रुपए किलो पर आया टमाटर

सही दाम ना मिलने से किसान सड़कों पर फेंक रहे, कहा- लागत-मजदूरी नहीं निकल रही

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जून में 250 रुपए किलो बिकने वाला टमाटर अब रिटेल (फुटकर) बाजार में 15 रुपए किलो पर आ गया है। इसके दाम गिरने से किसानों को नुकसान हो रहा है। वहीं, किसानों के अनुसार थोक में इसके दाम 4 से 5 रुपए प्रति किलो पर आ गए हैं। किसानों का कहना है कि लागत भाड़ा और मजदूरी भी नहीं निकल पा रही। इसलिए किसान मंडी ना जाने वाले टमाटर को फेंक रहे हैं। व्यापारी भी मार्केट में बहुत कम आ रहे हैं।

सरकार से एक्सपोर्ट बढ़ाने की मांग

किसानों की मांग है कि सरकार टमाटर का एक्सपोर्ट बढ़ाए। भारत का टमाटर बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, सऊदी अरब और ओमान सहित कई देशों में जाता है। एक्सपोर्ट बढ़ने से किसानों में सही दाम मिलने की उम्मीद है।

टमाटर के दामों में कमी के मुख्य कारण

देश में फिलहाल बाढ़ के हालात नहीं हैं, लिहाजा सब्जियों को नुकसान नहीं हो रहा।

टमाटर की नई फसल आ गई है, जो अच्छी रही है, इससे दाम कम हुए हैं।

सरकार ने नेपाल से टमाटर इम्पोर्ट किया, इससे भी दामों में गिरावट आई।

जुलाई-अगस्त में 250 रुपए पर पहुंच गया था टमाटर

इससे पहले जून में देशभर में हुई भारी बारिश के कारण टमाटर की कम आवक कम होने से जुलाई-अगस्त में इसके भाव 250 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गए थे। यहां तक कि कई किसान ऊंचे दामों पर टमाटर बेचकर करोड़पति हो गए थे।

चीन के बाद भारत सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक

नेशनल हॉर्टीकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक भारत है। ये 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज से करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है। चीन 5.6 करोड़ टन प्रोडक्शन के साथ टॉप पर है।भारत में 2021-22 में 2 करोड़ टन से ज्यादा टमाटर का उत्पादन हुआ था।

सात अक्तूबर तक चरणबद्ध तरीके से खत्म हो जाएगा आईसीसीआर, विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई इंक्रीमेंटल कैश रिजर्व रेशियो (आईसीसीआर) को चरणबद्ध तरीके से 7 अक्तूबर तक पूरी तरह खत्म करेगा। शनिवार को आईसीसीआर 25 फीसदी से कम किया जाएगा। इसके बाद 23 सितंबर को 25 फीसदी और हटा दिया जाएगा। बाकी 50 फीसदी सात अक्तूबर को हटाया जाएगा।

दरअसल, 2000 रुपये के नोट को परिचालन से बंद करने के फैसले के बाद बैंकों में नकदी बढ़ गई थी। इसे नियंत्रित करने के लिए आरबीआई ने आईसीसीआर लागू किया था। जब भी बैंक में नकदी तेजी से बढ़ती है इससे निपटने को आरबीआई अतिरिक्त आईसीसीआर शुरू करता है। इसका मतलब बैंकों को पहले से तय सीमा से ज्यादा पैसा आरबीआई के पास रखना होता है। आईसीसीआर खत्म होने से बैंकों को उनका पैसा वापस मिलेगा। इससे बैंक ज्यादा कर्ज दे पाएंगे।

बॉब के 6,000 एटीएम में यूपीआई सुविधा

बैंक ऑफ बड़ौदा ने देश के 6,000 एटीएम में यूपीआई से नकदी निकासी की सुविधा शुरू की है। यह पहला सरकारी बैंक है जिसने यह सुविधा शुरू की है। बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसके ग्राहक मोबाइल पर यूपीआई एप के जरिये बैंक के किसी भी एटीएम से बिना डेबिट कार्ड के नकदी निकाल सकते हैं। जितने भी खाते यूपीआई से जुड़े होंगे, सभी से निकासी होगी।

विदेशी मुद्रा भंडार में 4.03 अरब डॉलर की बढ़ोतरी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक सितंबर को समाप्त सप्ताह में 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 598.89 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में मुद्रा भंडार में तीन करोड़ डॉलर की गिरावट आई थी। आरबीआई के शुक्रवार के आंकड़ों के मुताबिक, एक सितंबर वाले हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.442 अरब डॉलर बढ़कर 530.691 अरब डॉलर पहुंच गई। स्वर्ण भंडार बढ़कर 44.93 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिलायंस ने एनवीडिया के साथ की पार्टनरशिप

दोनों कंपनियां मिलकर भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करेंगी

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल ही में एनवीडिया के साथ पार्टनरशिप की है। इस खबर के सामने आने के बाद शुक्रवार को रिलायंस का शेयर 0.78% यानी 19 रुपए की तेजी के साथ 2,451 रुपए पर बंद हुआ।एक जॉइंट स्टेटमेंट में एनवीडिया और आरआईएल ने कहा कि इस पार्टनरशिप का उद्देश्य भारत का अपना खुद का एक बुनियादी लार्ज लैंग्वेज मॉडल डेवलप करना है, जो देश की कई भाषाओं में प्रशिक्षित और जेनरेटिव एआई एप्लिकेशन के लिए तैयार हो।इस करार के तहत रिलायंस के जेनरेटिव ऐप्स और लैंग्वेज मॉडल के लिए एनवीडिया चिप और क्लाउड सर्विसेज अवेलेबल करवाएगी। इनका एग्जीक्यूशन और इंप्लीमेंटेशन जीओ के द्वारा मैनेज किया जाएगा।

जीओ इंफोकॉम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का यूज किया जाएगा

आरआईएल की टेलीकॉम कंपनी जीओ इंफोकॉम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का यूज किया जाएगा।

एनवीडिया की चैटजीपीटी जैसी सर्विसेज में इस्तेमाल होने वाले कंप्यूटिंग सिस्टम में मजबूत उपस्थिति है।एनवीडिया ने एक स्टेटमेंट में कहा, 'रिलायंस के साथ करार से भारत की विविध भाषाओं पर प्रशिक्षित, भारत के अपने बड़े लैंग्वेज मॉडल की बुनियाद बनेगी और दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के उपयोग के लिए जेनरेटिव एआई एप्लीकेशंस को डेवलप करने में मदद मिलेगी।'

जीएच200 ग्रेस हॉपर सुपरचिप और डीजीएक्स क्लाउड अवेलेबल कराएगी एनवीडिया

एनवीडिया इस करार के जरिए जीएच200 ग्रेस हॉपर सुपरचिप और डीजीएक्स क्लाउड अवेलेबल कराएगी। डीजीएक्स क्लाउड, इस क्षेत्र में एआई सुपरकंप्यूटिंग सर्विस है। स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'रिलायंस अपने 45 करोड़ जियो कस्टमर्स के लिए एआई एप्लीकेशंस और सर्विसेज को डेवलप करेगी और पूरे भारत में स्टार्टअप्स, डेवलपर्स और वैज्ञानिकों को एनर्जी-एफिशिएंट एआई इंफ्रास्ट्रक्चर अवेलेबल करवाएगी।'एआई की मदद से किसान अपनी स्थानीय भाषा में मौसम से जुड़ी जानकारी और फसलों की कीमत पता करने के लिए बात कर सकेंगे। इसके जरिए उन इलाकों में बीमारियों का स्कैन किया जा सकेगा, जहां डॉक्टर अवेलेबल नहीं हैं। एआई दशकों के डेटा का इस्तेमाल कर आने वाले तूफानों का बेहतर अनुमान लगा पाएगा, जिससे राहत-पुनर्वास की कोशिशों में मदद मिलेगी।

एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं

एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं। ये सेंटर हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं। इस डील के पहले सोमवार को ही एनवीडिया के फाउंडर और सीईओ जेनसेन हुआंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

'छोटे सेमीकंडक्टर में कई किलोमीटर लंबे तार की वायरिंग' वैष्णव ने बताई चिप की बारीकियां

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चिप निर्माण की बारीक प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा, इसमें सबसे पहले डिस्क के आकार के सिलिकॉन वेफर का निर्माण किया जाता है। चिप को वेफर के शीर्ष पर बनाया जाता है। फिर जटिल प्रक्रिया से हर चिप को वेफर से बाहर निकाला जाता है। उसमें बिजली आपूर्ति की प्रक्रिया अपनाई जाती है। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि बॉडी में बहुत सारी वायरिंग करनी होती है और बिजली की आपूर्ति को एक अलग प्रक्रिया द्वारा ताकत देनी होती है। इस चिप में कुछ ऐसा होगा, जो वेफर से निकाला जाता है। वेफर से एक बहुत छोटी सी चीज निकाली गई है, फिर इसे एक पूर्ण बॉडी दी गई है। इस आकार की एक चिप में कई किलोमीटर लंबी वायरिंग होगी। चिप निर्माण की प्रक्रिया पांच या छह मंजिला इमारत बनाने जैसी है, जिसमें सीढ़ी, लिफ्ट, बिजली कनेक्शन आदि होते हैं।

बिल्डिंग की तरह ठीक इसी प्रकार चिप भी बनाए जाते हैं।अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ऐसी ही चिप भारत में भी बनने वाली है। ट्रेन, मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, ऑटोमोबाइल्स में अभी तक आयातित चिप के इस्तेमाल हो रहे थे लेकिन, जब जल्द ही इनका निर्माण भारत में होगा तो इसकी कीमत कम हो जाएगी। इससे युवाओं को रोजगार में काफी मदद मिलेगी।

कल से खुल रही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

एक ग्राम सोने की कीमत 5,873 रुपए, ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों तरह से लगा सकते हैं पैसा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 की दूसरी सीरीज सोमवार यानी 11 सितंबर से खुल रही है। इसमें 15 सितंबर तक निवेश कर सकते हैं। इस बार के लिए सोने की कीमत 5,923 रुपए प्रति 1 ग्राम तय की है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से निवेश किया जा सकता है। ऑनलाइन अप्लाय करने पर 50 रुपए की छूट मिलती है, यानी आपको ये 5,873 रुपए प्रति ग्राम का पड़ेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश करते हैं।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड ?

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9% शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। एसजीबीएस में निवेश पर 2.50% का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड यानी आईबीजेए के पब्लिशड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

SGBs में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश

SGBs के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जॉइंट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है। सॉवरेन का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल रहता है। मैच्योरिटी पीरियड पूरा होने के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) के रूप में 20.80% टैक्स लगता है।

ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश

आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) के माध्यम से बेचे जाएंगे।

अब चिप कारोबार में भी हाथ आजमा सकती है रिलायंस

वेदांता सहित अन्य वैश्विक कंपनियों से होगी टक्कर

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज चिप निर्माण क्षेत्र में उतर सकती है। ऐसा होता है तो वेदांता सहित अन्य वैश्विक कंपनियों के साथ रिलायंस की टक्कर होगी। रिलायंस चिप की जरूरतों को पूरा करने और बढ़ती मांग का लाभ उठाना चाहती है।रिलायंस चिप बनाने वाली ऐसी विदेशी कंपनियों के साथ बात कर रही है, जो उसके साथ तकनीकी भागीदार बन सकें। देश में अभी तक चिप निर्माण का कोई प्लांट नहीं है। वेदांता और फॉक्सकॉन चिप प्लांट के लिए साथ आए थे। लेकिन एक साल बाद कोई प्रगति नहीं होने पर सौदा टूट गया। अब दोनों अलग होकर आवेदन कर रही हैं। भारत का चिप बाजार 2028 तक 80 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जो अभी 23 अरब डॉलर है। भारत में एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए रिलायंस ने एनविडिया के साथ भागीदारी की है। दोनों एआई बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए मिलकर काम करेंगी, जो भारत में सबसे तेज सुपरकंप्यूटर से भी ताकतवर है। एआई किसानों को मौसम की जानकारी और फसलों की कीमतें प्राप्त करने के लिए उनकी स्थानीय भाषा में मोबाइल से बात करने में मदद करेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-30 बजे
चंद्र-	मिथुन में	कन्या..	06-36 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	08-41 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	10-50 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-06 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-11 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-02 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-39 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-16 बजे
		वृष--	22-00 बजे
		मिथुन.	00-02 बजे
		कर्क...	02-13 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 06-06 सूर्य अस्त- 18-19
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **21 -28** तक उपरान्त द्वादशी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , रविवार **10 September**
नक्षत्र - पुनर्वसु - **17-06** -तक उपरान्त पुष्य
योग - वरियान - **23 - 18** - तक उप परिघ
करण- बव - **08 -21** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **एकादशी व्रत सर्वे**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:50 से 18:22 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:06 - 07:37 अशुभ	शुभ.	18:19 - 19:50 शुभ
चंचल	07:37 - 09:09 शुभ	अमृत.	19:50 - 21:17 शुभ
लाभ	09:09 - 10:41 शुभ	चंचल.	21:17 - 22:45 शुभ
अमृत	10:41 - 12:13 शुभ	रोग.	22:45 - 00:13 अशुभ
काल.	12:13 - 13:45 अशुभ	काल.	00:13 - 01:41 अशुभ
शुभ.	13:45 - 15:17 शुभ	लाभ	01:41 - 03:09 शुभ
रोग	15:17 - 16:50 अशुभ	उत्पात	03:09 - 04:37 अशुभ
उत्पात	16:50 - 18:19 अशुभ	शुभ	04:37 - 06:06 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

पारिवारिक समस्याओं को पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पालन-पोषण करने वाले जोड़े के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने के लिए कुछ समय एक-दूसरे के लिए बिताएं। आपके बच्चे भी घर में खुशियों और शांति के स्पंदन को महसूस करेंगे। इससे आपको एक-दूसरे के साथ बातचीत में अधिक सहजता और स्वतंत्रता मिलेगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

भावनाएँ उफान पर होंगी - आपका व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा - तत्काल परिणाम चाहने पर निराशा आपको जकड़ सकती है। धन का प्रवाह पूरे दिन बना रहेगा, लेकिन दिन के अंत में आपको महसूस हो सकता है कि बहुत अधिक खर्च किया गया है। आने वाले मेहमान आपकी शामें व्यस्त रखते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज आपके पास अपने स्वास्थ्य और रूप को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपको धन निवेश और बचत के संबंध में आज अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की आवश्यकता है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। परिवार और दोस्तों के साथ आनंदमय समय व्यतीत होगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

लंबी यात्रा से बचने का प्रयास करें क्योंकि आप यात्रा करने के लिए बहुत कमज़ोर हैं। जिन लोगों ने कर्ज लिया था उन्हें आज कर्ज चुकाने में परेशानी हो सकती है। कोई पुराना मित्र शाम को आपसे मिल सकता है और पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। चंद्रमा की स्थिति के कारण आपके प्रेम जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज बाहरी गतिविधियाँ थका देने वाली और तनावपूर्ण रहेंगी। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसे बचाना शुरू कर देना होगा। दोस्त और करीबी लोग आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

पत्नी आपका उत्साह बढ़ा सकती है। हालाँकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप जरूरत से ज्यादा खर्च न करें और अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें। अनावश्यक वाद-विवाद परिवार में तनाव पैदा कर सकता है। याद रखें कि तर्क-वितर्क से हासिल की गई कोई भी जीत वास्तविक अर्थों में जीत नहीं होती।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आत्म-सुधार की परियोजनाएँ एक से अधिक तरीक़ों से फ़ायदा पहुँचाएँगी- आप अपने बारे में बेहतर और आश्वस्त महसूस करेंगे। आज आपको यह बात समझ में आ जाएगी कि निवेश करना अक्सर आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई भी पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज़ के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी वित्तीय स्थिति खराब होने की संभावना है। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करें। अपने व्यस्त शेड्यूल से कुछ समय निकालें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपके लिए अत्यंत खुशी और आनंद- जैसा कि आप जीवन का पूरी तरह से आनंद लेने के लिए तैयार हैं। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है वे पैसों के मामले में परेशान हो सकते हैं और अपने किसी मित्र से उधार मांग सकते हैं। किसी दोस्त की समस्याएँ आपको ख़राब और चिंतित महसूस करा सकती हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ के लिए ध्यान और योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे अपनी उंगलियों से फिसलने न दें। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज अतीत के ग़लत निर्णय निराशा और मानसिक उथल-पुथल का कारण बनेंगे - आप फंसे रह सकते हैं और यह तय करने में असमर्थ हो सकते हैं कि आगे क्या करना है - दूसरों से मदद लें। महत्वपूर्ण लोग ऐसी किसी भी चीज़ को वित्तपोषित करने के लिए तैयार होंगे जिसमें विशेष वर्ग हो।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज अपने आप पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम लगती है और आपको निश्चित रूप से कुछ आराम की ज़रूरत है। आपके निवास से संबंधित निवेश लाभदायक रहेगा। माता की बीमारी थोड़ी चिंता का कारण बन सकती है। आपको उसका ध्यान बीमारी से हटाकर दूसरी चीजों पर लगाना होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

खूबसूरती के लिए बढ़ा हलाल ब्यूटी ट्रेंड

एनिमल ब्लड, फैट और कीड़ों का इस्तेमाल नहीं, भारत में भी हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हलाल ये शब्द आपके कानों से जरूर टकराया होगा। ब्यूटी इंडस्ट्री में भी ये शब्द काफी पॉपुलर हो चुका है। यह इंडस्ट्री महिलाओं की जरूरतों को समझते हुए हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी अब बनाने लगी है। साल 2013 से हलाल मेकअप प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

हलाल अरबी शब्द है। इसका मतलब होता है जायज़ या जिसकी अनुमति हो। हलाल शब्द का अर्थ ऐसी हर उस बात या चीज़ से है जो इस्लामिक सिद्धांतों के तहत कानूनी या स्वीकार्य है। हलाल इस्लाम धर्म के मानने वालों के लिए जीवन जीने का एक तरीका है।

हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स की खासियत

हलाल कॉस्मेटिक ब्यूटी और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स बनाने के लिए उन खास इंग्रेडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं, जिनकी इस्लामी शरिया कानून में इजाजत है। हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स बनाने में ब्लड, जानवरों और सुअर की चर्बी, ह्यूमन बॉडी पार्ट्स, शिकार करके पेट भरने वाले जानवर, रेप्टाइल्स, कीड़े और शराब इस्तेमाल नहीं होती। इस्लाम में इन्हें गैर-हलाल माना जाता है।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स में इस्लामी सिद्धांत के मुताबिक हलाल जानवरों के ही बॉडी पार्ट्स इस्तेमाल में लाए जाते हैं। हलाल ब्यूटी में जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएमओ) प्रोडक्ट्स भी इस्तेमाल नहीं होते क्योंकि इस्लाम में इन्हें अशुद्ध माना जाता है।

हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स सिर्फ मेकअप तक ही सीमित नहीं

ज्यादातर हलाल ब्यूटी का कॉन्सेप्ट क्रुआल्टी फ्री और वीगन कॉस्मेटिक के जैसा ही है। हलाल सर्टिफाइड के अंदर सिर्फ चेहरे पर लगाने वाले मेकअप प्रोडक्ट ही शामिल नहीं है। इसमें सिर से लेकर पैर तक के ब्यूटी प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इसमें हेयर केयर, स्किन केयर, नेलपेंट, मेकअप किट, मेकअप ब्रश और परफ्यूम तक का ध्यान रखा जाता है।

हर्बल ब्यूटी एक्सपर्ट और बिजनेसवुमन शाहनाज हुसैन बताती हैं कि इन सारे प्रोडक्ट्स में ऑर्गेनिक या प्लांट बेस्ट इंग्रेडियंटस शामिल होते हैं। शाहनाज़ के ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी हलाल सर्टिफाइड हैं। इनमें शुद्ध जड़ी-बूटियां, फूल और फलों का अर्क, प्लांट बेस्ड ऑयल, हाई क्वालिटी मिनरल्स और मोती शामिल होते हैं। शाहनाज कहती हैं कि उनके ब्यूटी प्रोडक्ट्स मिडिल ईस्ट, मलेशिया और कई देशों के ग्लोबल हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स एग्जीबिशन में देखने को मिलते हैं।

हलाल सर्टिफिकेट देने के लिए अलग-अलग एजेंसियां

बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देशों में इस्लामिक रिलीजियस काउंसिल ऑफ सिंगापुर (एमयूआईएस), डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया (जेएकेआईएम) और इंडोनेशिया काउंसिल ऑफ उल्लेमा (एमयूआई) जैसे संस्थान ब्यूटी प्रोडक्ट्स को हलाल सर्टिफिकेट देते हैं। भारत में भी कई संस्थाएं हलाल सर्टिफिकेशन जारी करती हैं। इनमें से कुछ हलाल सर्टिफिकेशन बॉडीज भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, जबकि कईयों के पास कोई मान्यता नहीं है। गर्वमेंट अप्रूव्ड हलाल सर्टिफिकेशन बॉडीज से सर्टिफिकेट लेने से प्रोडक्ट्स को नेशनल और इंटरनेशनल मार्केट में फायदा मिलता है।

हलाल कॉस्मेटिक कलरफुल पैकेजिंग न होने से महिला कस्टमर रहतीं दूर

स्टाइल.कम/अरबिया की कंट्रीब्यूटर और मिडिल ईस्टर्न

मेकअप आर्टिस्ट फ़िज़ा अली कहती हैं- 'मिडिल ईस्ट में महिलाएं असल में इस बात पर फोकस नहीं करती हैं कि उनके मेकअप में कौन से इंग्रेडिएंट्स हैं और वो कहां से आते हैं। उनका फोकस बस अच्छा दिखने पर होता है। जबकि यह जानना ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी स्किन पर क्या लगा रही हैं?

मिडिल ईस्ट में कॉस्मेटिक्स के अट्रैक्टिव, लग्जुरियस पैकेजिंग महिलाओं को प्रोडक्ट खरीदने के लिए मोटिवेट करती है। वही, पैकेजिंग और मैन्युफैक्चरिंग पर रोक के कारण ज्यादातर हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग कलरफुल नहीं होती। शायद इस वजह से हलाल स्टंप और सभी नैचुरल इंग्रेडिएंट्स के बावजूद भी ये ब्यूटी प्रोडक्ट्स महिलाओं को अपनी तरफ खींचने में पीछे रह जाते हैं।

दुनिया की आबादी का पांचवां हिस्सा मुस्लिम आबादी

प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, मुस्लिम कंज्यूमर ग्लोबल पॉपुलेशन का 23% से ज्यादा है। यानी कि पूरी ह्यूमन पॉपुलेशन का पांचवां हिस्सा है। और इसे 23 फीसदी में 1.8 बिलियन यानी 180 करोड़ लोग आते हैं। इस लिहाज से हलाल ब्यूटी इंडस्ट्री कोई छोटी इंडस्ट्री नहीं है। वर्ल्डवाइड साल 2020 तक हलाल कॉस्मेटिक का मार्केट लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपए था। इसमें लगातार बढ़ोतरी ही हो रही है। साल 2027 तक दुनिया भर में इस ब्यूटी इंडस्ट्री में 20 फीसदी की ग्रोथ की संभावना है। तब तक यह इसका मार्केट 80 (6.65 लाख करोड़) बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

बढ़ रही डिमांड, कंपनियां ले रहीं हलाल सर्टिफिकेट

हलाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स धार्मिक मान्यताओं को सूट करते हैं। साथ ही यह ब्यूटी प्रोडक्ट्स जानवरों को नुकसान पहुंचाए बिना तैयार होते हैं, इस वजह से कस्टमर्स में इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

डिमांड बढ़ने की वजह से अब कई कंपनियां हलाल सर्टिफिकेशन लेना चाह रही हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कई दूसरे ब्रांड ने तो हलाल फैक्ट्री लगाना शुरू कर दी हैं। सिंगापुर के ओरल केयर ब्रांड, पर्ली व्हाइट ने जून 2022 में हलाल सर्टिफिकेशन लिया। कंपनी अब सिंगापुर में एक हलाल सर्टिफाइड ओरल केयर मैनिफैक्चरिंग यूनिट शुरू की है। यह कंपनी अपने ग्राहकों को लगभग 20 हलाल सर्टिफाइड ओरल केयर प्रोडक्ट्स बेच रही है।

वीगन ब्यूटी में पौधों का इस्तेमाल

वीगन यानी शाकाहारी। वीगनिज्म को मानने वाले लोग डेयरी या एनिमल प्रोडक्ट्स इस्तेमाल नहीं करते और इसी सोच के आधार पर ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बनाए जा रहे हैं। वीगन ब्यूटी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियां एनिमल टेस्टिंग, क्रुआल्टी फ्री, डेयरी प्रोडक्ट के अलावा, मोम, शहद, लैनोलिन, केराटिन, कोलेजन, जिलेटिन, कैरमाइन, कोलेस्ट्रॉल, कस्तूरी, मोती, तालो (एनिमल फैट) जैसी चीजें भी इस्तेमाल नहीं करतीं। कंपनियां सिर्फ प्लांट बेस्ट सामग्री ही इस्तेमाल में लाती हैं।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स टेस्टिंग के लिए निशाने पर चूहे-खरगोश

ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप कंपनियों का हमेशा से ये दावा रहा है कि वह लोगों को सुंदर बनाती हैं। कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स का टेस्टिंग करती हैं जिनकी प्रक्रिया बहुत क्रूरता से भरी होती है। प्रोडक्ट्स की सेफ्टी को जांचने के लिए जानवारों पर टेस्ट करते हैं। दुनिया भर में कंपनियां ब्यूटी प्रोडक्ट्स टेस्टिंग के लिए खरगोश, गिनी पिग, हैम्स्टर, मेल-फीमेल चूहे को चुनते हैं। जबकि कुत्तों और बंदरों का उपयोग अन्य तरह के केमिकल टेस्टिंग लिए किया जाता है।

अपनी मानकों की वजह से साउथ ईस्ट एशिया में मशहूर

ब्यूटी एक्सपर्ट और बिजनेसवुमन शाहनाज हुसैन बताती हैं कि हलाल कॉस्मेटिक में एनिमल टेस्टिंग भी नहीं होती। साथ ही लोग अब स्किन केयर को लेकर अवेयर हो रहे हैं। ऐसे में वीगन, केमिकल फ्री के साथ हलाल ब्यूटी लोगों को लुभा रही है। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के वॉयस ऑफ द कंज्यूमर के ब्यूटी सर्वे के अनुसार, साउथ ईस्ट एशिया में 19% ऑनलाइन कस्टमर कलर कॉस्मेटिक और स्किन केयर के लिए ऐसे प्रोडक्ट पसंद करते हैं जिनका जानवरों पर ट्रायल न किया गया हो और जो क्रुआल्टी फ्री या 100 फीसदी वीगन हैं। इन सभी मानकों को हलाल ब्यूटी में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसकी वजह से भी कंज्यूमर के बीच फेमस हो रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कई मुस्लिम कंट्रीज में ब्यूटी प्रोडक्ट्स एग्जीबिशन के दौरान हलाल के नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियां भाग नहीं ले सकती।

18 सितंबर को आएगी कांग्रेस प्रत्याशियों की बड़ी लिस्ट

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में तय हुए नाम

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। ऐसे में बसपा, बीजेपी, आप के बाद अब कांग्रेस प्रत्याशियों की बड़ी लिस्ट आ सकती हैं। कांग्रेस हाईकमान जल्द ही इस पर फैसला ले सकता है। आज या कल कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट जारी हो सकती है। हालांकि सूत्रों का ये भी कहना है कि कांग्रेस 18 सितंबर या उसके बाद पहली लिस्ट जारी करेगी। इससे पहले शुक्रवार को सीएम हाउस में प्रदेश कांग्रेस की बैठक हुई। इसके बाद पार्टी के स्क्रीनिंग कमेटी की भी बैठक हुई।

शुक्रवार की देर रात तक स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक चली पर कई नामों पर सहमति नहीं बन पाई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन, सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। इस बैठक के बाद भी प्रत्याशियों के नामों को लेकर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। चर्चा है कि दिल्ली से पार्टी की सर्वे रिपोर्ट आने के बाद चयन में बदलाव हो सकता है। अजय माकन रायपुर से प्रत्याशियों का नाम लेकर हाईकमान को भेजेंगे फिर केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद पहली लिस्ट जारी होगी। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में फिर से पैनल बनाए गए हैं। कुछ नामों को अलग से जोड़ा गया है। छानबीन समिति की रिपोर्ट और ब्लॉक स्तर के पैनल पर भी चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि 12 सितम्बर को केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होनी है। इसके बाद ही पार्टी इस पर कोई फैसला लेगी। हालांकि सियासी गलियारे में इस बात की भी चर्चा है कि करीब 35 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं।

इन नामों पर बनी सहमति

जिन नामों पर स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में सहमति बन पाई है, उसमें भूपेश बघेल पाटन से, टीएस सिहंदेव अंबिकापुर से, चरणदास महंत सक्ती से, ताम्रध्वज साहू दुर्ग ग्रामीण से, रविंद्र चौबे साजा से, मोहम्मद अकबर कवर्धा से, शिव डहरिया आरंग से, गुरु रुद्रकुमार नवागढ़ से, जय सिंह अग्रवाल कोरबा से अनिला भेडिया डौंडी लोहारा से, मोहन मरकाम कोंडागांव से, उमेश पटेल खरसिया से, कवासी लखमा कोंटा से और अमरजीत भगत सीतापुर पर सहमति बन चुकी है। केवल पाटी की मुहर लगनी बाकी है। सूत्रों के मुताबिक भूपेश कैबिनेट के सभी मंत्रियों को टिकट मिलने वाला है।

कई विधायकों के कट सकती है टिकट

सियासी गलियारे में इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के 71 विधायकों में से कई विधायकों की टिकट कट सकते हैं। इसमें उनके खराब परफॉर्मेंस को मुख्य वजह मानी जा रही है। वहीं कई विधायकों के सीट भी बदले जा सकते हैं। इनमें धनेंद्र साहू अभनपुर, संतराम नेताम केशकाल, अमितेष शुक्ल राजिम, विकास उपाध्याय रायपुर पश्चिम, शैलेश पांडे बिलासपुर, विक्रम मंडावी बीजापुर आदि शामिल हैं।

इधर आप की लिस्ट जारी

दूसरी ओर शुक्रवार की रात को छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली सूची में कुल दस उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा गया है। विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी दूसरी बार छत्तीसगढ़ में किस्मत आजमा रही है। दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने के बाद पार्टी ने अब छत्तीसगढ़ में फोकस किया है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में बसपा ने 8 अगस्त को 9 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी।

इसके बाद बीजेपी ने 17 अगस्त को 21 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। वहीं राज्य में सत्ता पर आसीन कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी नहीं की है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि कांग्रेस 9 या 10 सितंबर को अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर सकती है।

बच्चों को पढ़ाने की ऐसी लगन

पहले कमर तक पानी भरे नाले को करतीं पार फिर तीन किमी चलतीं पैदल

कांकेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कहते हैं जब हौसले बुलंद हों, तो पहाड़ भी मिट्टी का ढेर लगता है। कांकेर जिले में शिक्षिका लक्ष्मी नेताम के हौसले ने यह सच साबित कर दिखाया है। उनके हौसले के आगे हर कठिनाई छोटी नजर आती है। लक्ष्मी पानी से लबालब भरे नाले को बिना पुल और नाव के पार कर तीन किलोमीटर पैदल चलकर छात्रों का पढ़ाने के लिए जाती हैं। बच्चों को शिक्षा देने की उनकी इस लगन को देखता है तो उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाता।

लक्ष्मी नेताम पिछले 15 सालों से रोजाना नदी-नालों को पार कर पढ़ाने के लिए स्कूल जाती हैं। लक्ष्मी नेताम 2008 में शिक्षिका बनी थीं। उनकी पहली पोस्टिंग कोयलीबेड़ा के अंदरूनी गांव केसेकोड़ी में हुई। उनके पति नारायणपुर जिले में पदस्थ हैं।

तीन किलामीटर पैदल सफर

शिक्षिका कोयलीबेड़ा से आठ किमी. दूर केसोकोड़ी स्कूल जाती हैं। यहां पहुंचने के लिए उन्हें पहले जंगल के रास्ते केसेकोड़ी नाला पार करना होता है, जहां पुल नहीं है। कमर तक पानी में चलकर नाला पार करती हैं। जिसके बाद आगे का तीन किमी वे पैदल तय करती हैं। बरसात में उफनते नाले को पार करने में खतरे के सवाल पर शिक्षिका लक्ष्मी नेताम ने कहा अगर मैं स्कूल नहीं पहुंची तो छात्र भी नहीं आएंगे। इससे उनकी शिक्षा का नुकसान होगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 30 साल की कैद

चाईबासा की एक कोर्ट का फैसला

चाईबासा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा की एक कोर्ट ने लगभग तीन साल पहले मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को 30 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पश्चिमी सिंहभूम जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-प्रथम ने दोषी पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

दोषी हरिलाल बोदरा ने अक्तूबर 2020 में धमकाकर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया था। इस संबंध में आईपीसी और पोकसो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

माओवादियों ने की पूर्व बीएसएफ जवान की हत्या

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में संदिग्ध माओवादियों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक पूर्व जवान की गोली मारकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान सुखलाल पूर्ति के रूप में हुई है, जिसके शव के पास भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के पर्चे पाए गए। जिससे अनुमान है कि मुखबिरी के संदेह में जवान की हत्या की गई है। माओवादियों के एक समूह ने कदमडीहा पंचायत के काशीजोड़ा गांव में पूर्ति के घर में घुसकर उसकी हत्या की। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि पूर्ति ने बीएसएफ से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी और वह सामान्य जीवन जी रहे थे।

बढ़ा गैंगवार, घर के बाहर हत्या

गैंगस्टर हत्याकांड के आरोपी को घर के बाहर मारी गोली, देर रात पकड़े गोली मारने वाले दो अपराधी

पलामू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर कुणाल सिंह हत्याकांड में शामिल रहे राजेश वर्मा उर्फ फंटूश(40) की हत्या शुक्रवार की रात गोली मारकर कर दी गई। फंटूश को गोली उसके घर के पास ही मारी गई। गोली चालन का घटना गैंगवार का नतीजा बताई जा रही है। पुलिस ने गोली चलाने वाले दो अपराधियों को देर रात गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य अपराधियों की तलाश जारी है। शव का पोस्टमार्टम शनिवार की सुबह एमएमसीएच में किया गया। घटना को पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के हमीदागंज मुहल्ले में अंजाम दिया गया। फंटूश बालू के अवैध धंधे से भी जुड़ा था। बीएन कॉलेज के पास स्थित घर से चंद कदम की दूरी पर स्कूटी खड़ा कर बैठा हुआ था। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार चार अपराधी पहुंचे और फंटूश पर गोली बरसा दिया। फंटूश को पेट के हिस्से में तीन गोली लगी। गोली लगने के बावजूद फंटूश ने एक अपराधी को दबोच लिया था। दूसरा अपराधी किसी तरह अपने साथी को छुड़ा कर भगा ले गया। इस दौरान लोग जुटने लगे तो अपराधी एक बाईक जेएच03यू5107 और हथियार छोड़कर पैदल ही भाग निकले। दो अपराधी बाइक से भागे। फंटूश को तत्काल ईलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया। उसके नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने रांची रेफर कर दिया। रांची जाने के क्रम में सतबरवा में ही फंटूश की मौत हो गई। गोली चलने की घटना के बाद पुलिस सक्रिय हुई और अपराधियों द्वारा छोड़े गए मोटरसाइकिल को जब्त करते हुए कुछ ही घंटों में उन तक पहुंच गई। शहर थाना पुलिस हिरासत में लिए गए अपराधियों से पूछताछ कर रही है।

छोटी नाव से उफनदी नदी पार कर रही सैकड़ों जिंदगी

दंतेवाड़ा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मानसून खत्म होने को है। बस्तर की इंद्रावती नदी भी शबाब पर है। हर दिन सैकड़ों जिंदगियां लकड़ी की छोटी नाव के सहारे उफनती नदी को पार कर रही है। नाव पलटने से हादसे भी हो रहे हैं। लेकिन इस मानसून भी प्रशासन ने इंद्रावती नदी के घाटों पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए हैं। न ही मोटर बोट की व्यवस्था है और न ही लाइफ जैकेट की। अगर हादसा होता है तो रेस्क्यू करने एसडीआरएफ की भी एक ही टीम है। उनके पास भी सिर्फ एक ही मोटर बोट है। अब हादसों के बाद भी प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। इंद्रावती नदी पार बीजापुर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर तीनों जिले के गांव बसे हैं। छिंदनार और बड़े करका घाट में पुल बन गया है, जिससे थोड़ी राहत है। लेकिन, बारसूर के मुचनार और कोडेनार घाट से ग्रामीण अब भी छोटी नाव के सहारे नदी पार करते हैं। इन दोनों घाट से कौशलनार, मंगनार, तुमरीगुंडा, हांदावाड़ा, कोडेनार समेत अन्य गांव के हजारों ग्रामीण जरूरत के सामानों को लाने के लिए यही नाव ही एक सहारा है।

रात में रेत घाटों की नीलामी, डटे रहे ठेकेदार

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर जिले की 35 करोड़ की 7 रेत खदानों का टेंडर खनिज विभाग के अधिकारियों ने देर रात ऑफलाइन जारी कर दिया है। यहां पर अभी तक अवैध खनन होता था। कलेक्ट्रेट में रात तीन बजे तक खनिज विभाग के अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर टेंडर की प्रक्रिया पूरी करते रहे।

जलती हुई कार चलने लगी वीडियो

10 हजार कैश, मोबाइल और दस्तावेज खाक खड़ी गाड़ी में बदमाशों के आग लगाने की आशंका

बिलासपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बदमाशों ने खड़ी कार में आग लगा दी, जिससे गाड़ी जलकर खाक हो गई। अंदर रखे 10 हजार रुपए कैश, मोबाइल और दस्तावेज भी जल गए। ट्रांसपोर्टर युवक जन्माष्टमी पर पूजा कर रहा था। इस दौरान उसकी कार घर के सामने खड़ी थी। तभी किसी ने उसमें आग लगा दी।

अशोक नगर निवासी ट्रांसपोर्टर सुमित यादव बीते शुक्रवार की रात परिवार के साथ जन्माष्टमी पर कुदुदंड में रहने वाले रिलेटिव के यहां गया था। उसने कार को उनके घर के सामने खड़ी कर दी थी। सुमित और उसके परिवार वाले अंदर पूजा पाठ में व्यस्त थे। तभी घर के बाहर कुछ जलती चीज दिखाई दी।

बाहर निकला तो जल रही थी कार

रात करीब 9.30 बजे सुमित बाहर निकला तो लोगों की भीड़ लगी थी। उसकी कार जल रही थी। आसपास के लोगों ने इस घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। जब तक दमकल मौके पर पहुंची। तब तक कार जलकर खाक हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शिकायत पर आगजनी का केस दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में सुमित ने बताया कि उसकी कार में आसपास के बदमाश लोगों ने शरारत कर आग लगाई होगी। या फिर दुश्मनी के चलते कार में आगजनी की गई होगी।

पुलिस केस दर्ज करने के बाद घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज देख रही है। ताकि, बदमाशों की पहचान की जा सके।

शराब को लेकर दोस्तों के बीच विवाद, हत्या

शराब पीना चाहता था शिवपति दोस्तों ने मिलकर कर दी हत्या, घर के बाहर शव लटका दिया

पलामू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। और शराब पिलाने की जिद करने पर दोस्तों ने मिलकर एक दोस्त की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसे आत्महत्या साबित करने की कोशिश की गयी लेकिन परिजनों को शक था कि उनके बेटे की हत्या की गयी है। दर्ज एफआईआर के बाद कुछ दोस्तों को गिरफ्तार किया गया और हत्या की पूरी कहानी सामने आ गयी। शराब पिलाने को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी। घटना पलामू जिले के ऊंटारी रोड थाना क्षेत्र की है। लकड़ही गांव के रहने वाले शिवपति रजवार(26) की हत्या हुई है।

घर के बाहर लटका दिया शव

बुधवार को उसके घर के बाहर से ही शव बरामद किया गया। उसकी गला दबाकर हत्या की गयी। इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गयी। शव को

रात के अंधेरे में घर के पास लाकर शिवपति के पहने गए शर्ट को खोलकर उसी से एक तार में लटका दिया गया। पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है।

अयोध्या रजवार ने चार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिक दर्ज कराया था। जिसमें से पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी और दो युवक गुड्डू रजवार व श्रवण रजवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस पूछताछ में हत्या की पूरी कहानी सामने आ गई।

शराब पिलाने को लेकर हुआ विवाद

मंगलवार की देर रात तक दोस्तों ने गांव में ही देशी शराब पी ली। शराब पीने के बाद भी वह अपने दोस्तों से एक बोतल और शराब पिलाने की जिद कर रहा था। इसी को लेकर दोस्तों के साथ विवाद हो गया। नशे के हालत में दोस्तों ने शिवपती रजवार को गांव से बाहर ले जाकर गला दबाकर हत्या कर दिया।

हत्या करने के बाद हत्यारों ने गांव में बिजली कटने का इंतजार किया। जब बिजली चली गयी तो अंधेरा हो गया तब आरोपियों ने शव को उसके दरवाजे पर ले जाकर उसके ही शर्ट से कपड़ा सुखाने वाले टंगना के सहारे लटका दिया। एसआई रमेश चंद्र महतो ने बताया की बाकी के आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जी20 डिनर में राजस्थान-छत्तीसगढ़ के सीएम नहीं पहुंचे

एयर रिस्ट्रिक्शन का हवाला दिया, गृह मंत्रालय ने कहा– स्टेट एयरक्राफ्ट्स पर रोक नहीं

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जी20 में आए मेहमानों के लिए डिनर होस्ट किया है। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं बुलाया गया है। इस बीच कांग्रेस शासित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने भी डिनर में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

एएनआई के मुताबिक, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा- गृह मंत्रालय ने उनके हेलिकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं दी है, इसलिए वे जी20 डिनर प्रोग्राम में शामिल नहीं होंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने बताया कि जी20 समिट को लेकर दिल्ली और आसपास हवाई यात्रा पर बंदिशों की वजह से वे नहीं आ पाएंगे।

गृह मंत्रालय ने इन आरोपों का खंडन किया है। गृह मंत्रालय ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आरोपों पर सफाई देते हुए बताया- फ्लाइट परमिशन के लिए हमें चार रिक्वेस्ट मिले थे। हमने सभी अप्रूव कर दिए थे।

गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के सीएम के आरोपों पर कहा- दिल्ली में जी20 की मीटिंग को लेकर 8 से 11 सितंबर तक कड़ी

दिल्ली स्थित भारत मंडपम के एक हॉल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू डिनर पार्टी होस्ट कर रही हैं

हवाई सुरक्षा है। राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों को अपने राज्य के विमान से यात्रा की अनुमति है। प्राइवेट चार्टर्ड विमान के लिए गृह मंत्रालय से विशेष अनुमति लेनी होगी।

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की नाराजगी के बीच आया फैसला कांग्रेस के दोनों मुख्यमंत्रियों का जी20 डिनर में न जाने का फैसला ऐसे वक्त में सामने आया है, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को डिनर पार्टी में नहीं बुलाने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व नाराज हैं। राहुल गांधी ने 8 सितंबर को ब्रुसेल्स में केंद्र के इस फैसले की आलोचना की।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने मल्लिकार्जुन खड़गे को डिनर में आमंत्रित नहीं करने पर कहा- यह केवल वहीं हो सकता है जहां कोई लोकतंत्र नहीं है। अभी ऐसी स्थिति नहीं है, जहां लोकतंत्र और विपक्ष का अस्तित्व खत्म हो जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को डिनर में ना बुलाया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष की असहमति का सम्मान किया जाना चाहिए।

डिनर पार्टी में 170 मेहमानों को न्योता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की डिनर पार्टी में दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों, डेलीगेट्स, भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय और राज्य मंत्री सहित 170 लोगों को आमंत्रित किया गया है। यह डिनर पार्टी भारत मंडपम के एक हॉल में होगी। इस डिनर पार्टी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इनके अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा भी शामिल होंगे।

मोदी कैबिनेट के मंत्रियों में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, नरेंद्र सिंह तोमर, एस जयशंकर, अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान और प्रह्लाद जोशी को भी आमंत्रित किया गया है।

गेस्ट लिस्ट में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री का नाम

राष्ट्रपति के डिनर पार्टी के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रित किया गया है। गेस्ट लिस्ट में अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, भूपेश बघेल, वाईएस जगन मोहन रेड्डी, पेमा खांडू, हिमंत बिस्वा सरमा, प्रमोद सावंत, एकनाथ शिंदे, एन बीरेन सिंह, भूपेन्द्र पटेल, मनोहर लाल खट्टर का नाम शामिल है।

इनके अलावा सुखविंदर सिंह सुक्खू, हेमन्त सोरेन, सिद्धारमैया, पी. विजयन, शिवराज सिंह चौहान, कॉनराड संगमा, जोरमथांगा, नेफ्यू रियो, नवीन पटनायक, रंगास्वामी, भगवंत सिंह मान, अशोक गहलोत, पीएस गोलाई, एमके स्टालिन, के.चंद्रशेखर राव, माणिक शाह, योगी आदित्यनाथ, पुष्कर सिंह धामी और ममता बनर्जी भी आमंत्रित किए गए हैं।

भारत ने पिछले साल 1 दिसंबर को जी20 की अध्यक्षता संभाली थी। जी20 से संबंधित लगभग 200 बैठकें देशभर के 60 शहरों में आयोजित की गईं थीं। नई दिल्ली में 18वां जी20 शिखर सम्मेलन पूरे साल आयोजित सभी जी20 प्रक्रियाओं और बैठकों का समापन है।

दुनिया का सबसे महंगा सिक्का कीमत 192 करोड़ रुपए

4 किलो सोने से बना, ईस्ट इंडिया कंपनी ने इससे क्वीन एलिजाबेथ-II को श्रद्धांजलि दी

वॉशिंगटन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ईस्ट इंडिया कंपनी ने क्वीन एलिजाबेथ-II की पहली डेथ एनिवर्सरी (पुण्यतिथि) पर एक सिक्का जारी किया है। इसकी कीमत 192 करोड़ रुपए है। इसे 4 किलोग्राम सोने से बनाया गया है। इसमें 6 हजार 400 हीरे भी जड़े हुए हैं। इसे 'द क्राउन कॉइन' नाम दिया गया है।

इसे अब तक का सबसे महंगा सिक्का कहा जा रहा है। इसके पहले 'डबल ईगल' नाम के सिक्के को दुनिया का सबसे महंगा सिक्का माना जाता था। इस 'डबल ईगल' की कीमत 163 करोड़ रुपए थी। इसे ऑगस्टस सेंट गॉडंस ने 1933 में डिजाइन किया था।

8 सितंबर 2022 को क्वीन एलिजाबेथ का निधन हुआ था। एक साल बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए 'द क्राउन कॉइन' जारी किया। इस सिक्के के किनारों पर महारानी एलिजाबेथ-II के कोट्स लिखे हैं। पहला कोट है-उम्र के साथ अनुभव आता है और अगर इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह एक गुण हो सकता है। स्काई न्यूज के मुताबिक, इस सिक्के का साइज बास्केट बॉल के

बराबर है। इसका डायमीटर (व्यास) 9.6 इंच है। इसमें दिवंगत सम्राट की तस्वीरें भी लगी हैं। इन तस्वीरों को प्रसिद्ध चित्र कलाकारों मैरी गिलिक, अर्नोल्ड माचिन, राफेल मैकलॉफ और इयान रैंक-ब्रॉडली ने बनाया है।

वहीं, इस सिक्के को बनाने में भारत, जर्मनी, यूके, श्रीलंका और सिंगापुर के कारीगरों को लगाया गया था। इसे ईस्ट इंडिया कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ संजीव मेहता ने जारी किया है।

24 अगस्त 1608 को ईस्ट इंडिया कपंनी का पहला जहाज सूरत के तट पर आया था। इसे ही ईस्ट इंडिया कंपनी का भारत में आगमन माना जाता है। उस समय कोई नहीं जानता था कि व्यापार के लिए आई ये कंपनी करीब 200 सालों तक भारत पर राज करेगी। इस घटना ने भारत के भूगोल, इतिहास दोनों को बदलकर रख दिया।

16वीं शताब्दी में अंग्रेजी साम्राज्य का सूरज डूबने ही वाला था। पुर्तगाल और डच लगातार अपने व्यापारिक साम्राज्य को फैला रहे थे। ब्रिटिशर्स केवल यूरोप तक ही सीमित थे और वहां भी उनको व्यापार में कोई खास फायदा नहीं हो रहा था। उन्हें एक बड़े बाजार की जरूरत थी।

व्यापारियों ने इंग्लैंड की महारानी से भारत में व्यापार करने की अनुमति मांगी। साल 1600 में एक कंपनी बनाई गई। कंपनी को मुख्यतः साउथ और साउथ ईस्ट एशिया में व्यापार करने के उद्देश्य से बनाया गया था, इसलिए कंपनी का नाम ईस्ट इंडिया पड़ा। 125 शेयरहोल्डर्स और 72 हजार स्टर्लिंग पाउंड की कैपिटल से कंपनी बनकर तैयार हो गई। कंपनी को रॉयल चार्टर प्राप्त था, यानी उसे ब्रिटेन के शाही परिवार का संरक्षण प्राप्त था।

ब्रिटिशर्स ने संसद के सदस्य और राजदूत सर थॉमस रो को राजपरिवार के शाही दूत के रूप में भारत भेजा। सर थॉमस रो 1615 में भारत आए और राजा से मिले। वे मुगल राजा को रिझाने के लिए अपने साथ बेशकीमती तोहफे लेकर आए थे।

अमेरिका ने 10 लाख बैरल ईरानी तेल के कार्गो को किया जब्त

न्यायिक विभाग ने की पुष्टि, बढ़ सकता है तनाव

वॉशिंगटन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यायिक विभाग ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने इस साल 10 लाख (एक मिलियन) बैरल ईरानी तेल के एक कार्गो को जब्त किया है। यूएस के इस कदम ने खाड़ी देशों की चिंता बढ़ा दी है।

न्यायिक विभाग ने एक बयान में कहा, 'यह उस कंपनी से जुड़ा पहला आपराधिक प्रस्ताव है, जिसमें ईरान के तेल की अवैध बिक्री और परिवहनों की सुविधा देकर प्रतिबंधों उल्लंघन किया है। इसके परिणामस्वरूप 980,000 बैरेल कच्चे तेल को जब्त किया गया है।'

ईरान के तेल की जब्ती के बाद वॉशिंगटन ने तेहरान पर खाड़ी पार करने वाले कई जाहाजों को गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। हलांकि, ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय जल में ईरानी संपत्ति पर कब्जा करना समुद्री डकैती के बराबर बताया है। वहीं अमेरिका ईरान के तेल जहाजों को रोकने को कानून प्रवर्तन के रूप में मानता है।

अगस्त में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि वाशिंगटन बढ़ते परमाणु खतरों को कम करने के लिए तेहरान के किसी भी कदम का स्वागत करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि ईराम की हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को वापस लाने की प्रक्रिया जारी है।ब्लिंकन ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान की हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को वापस लाना एक पूरा अलग मुद्दा है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते हमने पुष्टि की थी कि ईरान पांच अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है।

साल 2015 के परमाणु समझौते में ईरान ने आर्थिक प्रतिबंध हटाने के बदले में अपने परमाणु विकास को घटा दिया था, जिसे अब पुनर्जीवित करना अमेरिका और ईरान दोनों के लिए मुश्किल हो गया है। इस डील को साल 2018 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रद्द कर दी थी। ट्रंप के प्रतिबंधों को बाइडेन प्रशासन ने लागू रखना जारी रखा।

पुस्तक का लोकार्पण 17 सितंबर को

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद, ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया (हैदराबाद चैप्टर), एवं साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 17 सितंबर को क्लब अध्यक्ष डॉ अहिल्या मिश्र के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मदनबाई क़ीमती सभागार (महिला नवजीवन मंडल प्रांगण, रामकोट) में अमृत महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम संयोजक मीना मुथा, डॉ रमा द्विवेदी एवं देवा प्रसाद मायला ने बताया कि कादम्बिनी क्लब की साहित्यिक यात्रा 30वें वर्ष में गतिमान है। इस विशेष अवसर पर संस्थाओं ने डॉ अहिल्या मिश्र पर केंद्रित अभिनंदन ग्रंथ (संपादक प्रवीण प्रणव और डॉ आशा मिश्रा 'मुक्ता') के साथ 7 पुस्तकों का लोकार्पण करने का फ़ैसला लिया है।

सत्र में बट वृक्ष की छाँव (अभिनंदन ग्रंथ), तेलंगाना प्रदेश में हिंदी की स्थिति (डॉ अहिल्या मिश्र) और पुष्पक साहित्यिकी का लोकार्पण होगा।

दूसरे सत्र में डॉ पी. मणिक्याम्बा सत्र की अध्यक्षता करेंगी। मुख्य अतिथि डॉ उषा रानी राव बंगलुरु, विशेष अतिथि के रूप में वेणुगोपाल भट्टड व डॉ मोहन गुप्ता एवं पुस्तक लोकार्पण कर्ता के रूप में प्रो शुभदा वांजपे मंच पर उपस्थित होंगे।

इस सत्र में 'साँझ अभी शेष है', 'मुक्ता की परख' 'वैचारिक समालोचन' और 'मैं मंज़िल का पथिक अकेला' पुस्तकों का लोकार्पण होगा। रवि वैद के संचालन में कवि सम्मेलन सत्र का आरंभ होगा।

राज्यपाल से न्याय की गुहार

राजभवन पहुंचकर बीजेपी नेताओं ने की सरकार की शिकायत, कहा– छत्तीसगढ़ बन गया अपराधगढ़

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में शनिवार को बीजेपी नेता सरकार की शिकायत करने राजभवन पहुंचे। राज्यपाल से न्याय की गुहार वाला बैनर लेकर रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव समेत कई नेताओं ने कानून व्यवस्था पर चर्चा की। कहा कि, छत्तीसगढ़ पूरी तरह अपराधगढ़ बन गया है।

प्रदेश में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध, गैंगरेप और कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी नेताओं ने बात की। पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि, प्रदेश में चिंताजनक हालात होते जा रहे हैं। प्रदेश सरकार से राज्यपाल सख्ती से जवाब मांगे। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि, जहां करप्शन होगा वहीं क्राइम होगा। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन जी कड़ा निर्देश सरकार को दें। क्योंकि क्राइम को कंट्रोल करने में सरकार नाकाम रही है। मुलाकात से पहले बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों पर पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है, और कांग्रेस के कुशासन के चलते

छत्तीसगढ़ अब पूरी तरह अपराधगढ़ बन गया है और प्रदेश जंगलराज कायम हो गया है।प्रदेश में चाकूबाजी, हत्या, लूट और महिलाओं के प्रति हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं। अपराधों को सामूहिक रूप से अपराधियों द्वारा एक साथ अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा बढ़ते अपराधों के मद्देनजर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक नियम का ऐलान किया था कि महिलाओं से छेड़छाड़ और उनका उत्पीड़न करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी, उसका कहीं कोई असर दिख नहीं रहा है। अपराधी यह मानकर चल रहे हैं कि सरकार उनसे डरकर नए-नए नियम बना रही है।

घटनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राजधानी से लगे मंदिर हसौद में 10 लोगों ने रक्षाबंधन मनाकर लौट रहीं दो सगी बहनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इससे पूरे प्रदेश में, परिवार, बच्चियों और महिलाओं में डर का एक माहौल पैदा हो गया है। राजधानी के सबसे पॉश इलाके देवेंद्रनगर में भी एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार होता है। शिक्षक दिवस के दिन एक आदिवासी शिक्षिका के साथ जशपुर जिले में सामूहिक बलात्कार होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिलाओं के साथ बलात्कार की घटना होती है।

जी20 के भव्य आयोजन को देख तिलमिलाए पाकिस्तानी

बोले– हम परमाणु शक्ति, हमें ही नहीं बुलाया!

इस्लामाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जी20 की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है और 9-10 सितंबर को दिल्ली में जी20 के शिखर सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए दुनिया के शीर्ष नेता भारत में मौजूद हैं। इसके चलते पूरी दुनिया की निगाहें भारत पर लगी हुई हैं। जहां दुनिया में भारत की वाह-वाह हो रही है, वहीं हमारे पड़ोसी देश में कई लोग भारत को मिल रही इज्जत से तिलमिलाए हुए हैं।

पाकिस्तानी बोले- शर्मिंदगी हो रही है

बता दें कि पाकिस्तान के एक यूट्यूब चैनल 'रियल एंटरटेनमेंट' पर एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें एंकर ने पाकिस्तानी जनता के बीच जाकर उनसे भारत में हो रहे जी20 सम्मेलन को लेकर बात की और पूछा कि भारत इतना आगे निकल गया है कि वहां जी20 जैसे सम्मेलन हो रहे हैं और विश्व के शीर्ष नेता भारत में हैं तो पाकिस्तान क्यों पीछे रह गया? इसके जवाब में लोगों ने बड़े दिलचस्प जवाब दिए। एक पाकिस्तानी ने कहा कि हमें बहुत ज्यादा शर्मिंदगी महसूस हो रही है कि भारत ने हमें जी20 शिखर सम्मेलन का न्योता नहीं दिया जबकि हम परमाणु संपन्न देश हैं। वहीं बांग्लादेश को न्योता दिया गया है!

बंटवारा गलत हुआ

एक अन्य शख्स ने कहा कि 'पाकिस्तान गलती से आजाद हो गया, जो लोग उस वक्त बंटवारे का विरोध कर रहे थे, वो लोग सही थे। एक अन्य पाकिस्तानी ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत हमसे बहुत आगे है, भारत वाले कश्मीर में हमसे

ज्यादा लोगों को सुविधाएं हैं, उनसे हमारा कोई मुकाबला नहीं है। एक शख्स ने अपने देश के हुक्मरानों की आलोचना करते हुए कहा कि पाकिस्तान भूखा, नंगा मुल्क है और ऐसे देश से कोई रिश्ते नहीं बनाता। हर देश यही सोचता होगा कि पाकिस्तान पैसे मांगने आया है। भारत से पाकिस्तान का कोई मुकाबला नहीं है, वो चांद पर चले गए और हमारे झगड़े खत्म नहीं हो रहे।'

जी20 का सदस्य नहीं है पाकिस्तान

बातचीत के दौरान पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के समर्थक ने कहा कि अगर इमरान खान देश के पीएम रहते तो ये जी20 की बैठक पाकिस्तान में होनी थी! हालांकि सवाल कर रहे यूट्यूबर ने उस शख्स को टोका कि पाकिस्तान तो जी20 का सदस्य ही नहीं है तो फिर पाकिस्तान में कैसे जी20 सम्मेलन का आयोजन होता? बता दें कि पाकिस्तान जी20 का सदस्य नहीं है।

भारत ने सदस्य देशों के अलावा 9 अन्य देशों को भी विशेष निमंत्रण देकर बुलाया गया है। इनमें बांग्लादेश, मिस्त्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत के पाकिस्तान के साथ संबंध अच्छे नहीं हैं तो संभव है कि इसी वजह से सरकार ने पाकिस्तान को न्योता नहीं दिया।

अक्तूबर में खत्म होगा नवाज शरीफ का 'वनवास'!

धमाकेदार वापसी की तैयारी में पूर्व पीएम

इस्लामाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जल्द ही राजनीति में धमाकेदार वापसी कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवाज शरीफ अगले महीने यानी कि अक्तूबर में पाकिस्तान लौटने की तैयारी कर रहे हैं। नवाज शरीफ बीते करीब चार सालों से लंदन में स्व-निर्वासित जीवन जी रहे हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के नेता ने लंदन में पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करते हुए ऐसे संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही पाकिस्तान लौटने वाले हैं।

चार सालों से लंदन में रह रहे हैं नवाज शरीफ

हालांकि अभी तक नवाज शरीफ के पाकिस्तान लौटने की तारीख तय नहीं है लेकिन उनकी वापसी अक्तूबर में हो सकती है। बता दें कि नवाज शरीफ को साल 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था। इन मामलों में उन्हें सात साल जेल की सजा हुई थी। लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद रहने के दौरान नवाज शरीफ की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें स्वास्थ्य आधार पर बेहतर इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। उसके बाद से नवंबर 2019 से अब तक नवाज शरीफ लंदन में ही रह रहे हैं।

नवाज शरीफ बन सकते हैं पीएम पद के उम्मीदवार

इससे पहले 25 अगस्त को अपने एक बयान में नवाज शरीफ के छोटे भाई और पूर्व पीएम शहबाज शरीफ ने एलान किया था कि नवाज शरीफ सितंबर में पाकिस्तान लौटेंगे और उनके खिलाफ लंबित मामलों का सामना करेंगे। शहबाज शरीफ ने ये भी कहा कि नवाज शरीफ आगामी आम चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। शहबाज शरीफ ने ये भी कहा कि नवाज शरीफ देश का नेतृत्व करेंगे। इससे संकेत मिल रहे हैं कि आगामी चुनाव में पीएमएल-एन की तरफ से नवाज शरीफ ही प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बन सकते हैं। पाकिस्तान में ताजा जनगणना के बाद नए सिरे से परिसीमन का काम चल रहा है, जिसकी वजह से आम चुनाव में देरी हो रही है। पाकिस्तानी संसद बीती 9 अगस्त को भंग हुई थी और पाकिस्तानी संविधान के प्रावधानों के अनुसार, संसद भंग होने के 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराए जाने हैं।

दुनियाभर में सस्टेनेबल ट्रैवलिंग का ट्रेंड बढ़ा

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन आमतौर पर भारतीय लोगों की आदत होती है कि कम दूरी या कम दिनों के सफर में भी वे अपने साथ ढेर सारा लगेज लेकर चलते हैं। खासतौर पर ट्रेनों में इस तरह के नजारे आम होते हैं। एयरलाइंस में ज्यादा वजन पर चार्ज लगने की वजह से लोग सीमित वजन ले जाते हैं लेकिन वहां पर भी लगभग अधिकतम सीमा तो छू ही लेते हैं। लेकिन दुनियाभर में अब सस्टेनेबल ट्रैवलिंग का चलन बढ़ रहा है और यात्रियों को कम से कम लगेज के साथ सफर करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुनिया के कुछ फेमस पर्यटन स्थल कुछ प्रकार के लगेज पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। हो सकता है कि कुछ समय बाद भारी-भरकम सूटकेस और लगेज लेकर यात्रा करना अतीत की बात हो जाए। आखिरकार, कम पैकिंग करके, हम कम कार्बन उत्सर्जन तो कम करते ही हैं, अपने ट्रैवल फुटप्रिंट को भी कम करते हैं, साथ ही ज्यादा सुविधाजनक और व्यवस्थित तरीके से घूमने में सक्षम बनाते हैं।

खालिस्तानियों की हिंसा-कट्टरता बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जी20 समिट में शिरकत के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। उनके साथ पत्नी अक्षता मूर्ति भी आई हैं।

दिल्ली पहुंचने के बाद न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में ब्रिटिश पीएम ने कहा- जी20 भारत के लिए बहुत बड़ी कामयाबी है। सही वक्त पर सही देश इस मेगा इवेंट को होस्ट कर रहा है।

उम्मीद है कि दो दिन की समिट के दौरान कई मुद्दों पर विचार होगा और बड़े फैसले लिए जाएंगे। पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ भारत पहुंचे सुनक ने ब्रिटेन में खालिस्तान से जुड़े एक सवाल पर विस्तार से जवाब दिया। कहा- यह बहुत अहम मुद्दा है। मैं बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं कि कट्टरता या हिंसा, फिर वो चाहे किसी भी रूप में हो, ब्रिटेन में इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसलिए हम इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। खास तौर पर पीकेई (प्रो खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म) के मसले पर। सुनक ने आगे कहा- हाल ही में हमारे सिक्योरिटी मिनिस्टर ने भारत का दौरा किया था और तब इस बारे में उन्होंने बातचीत की थी। हमने कुछ वर्किंग ग्रुप्स बनाए हैं और ये इंटेलिजेंस और इन्फॉर्मेशन शेयरिंग कर रहे हैं। इसी तरह से काम करते हम इस तरह की हिंसक कट्टरता पर काबू पा सकते हैं। ये तय है कि ब्रिटेन में इस तरह की हिंसा और कट्टरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस इंटरव्यू में सुनक ने रूस और यूक्रेन जंग पर भी बातचीत की। कहा- जहां तक रूस और यूक्रेन की जंग का सवाल है तो एक बात का जिक्र मैं जरूर करना चाहूंगा और वो ये कि रूस की तरफ से थोपी गई इस जंग का असर पूरी दुनिया पर हो रहा है।

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेंगी 1000 इन्दिरा रसोइयां

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित इन्दिरा रसोई योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को मात्र 8 रुपए में सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन मिल रहा है। इस योजना से 'कोई भूखा ना सोए' का संकल्प साकार हो रहा है।

इसी दिशा में प्रदेश के हर व्यक्ति को महंगाई की मार से राहत देने तथा भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी 1000 इन्दिरा रसोइयां खोलने का निर्णय लिया है। इसका शुभारंभ 10 सितम्बर को टोंक जिले में निवाई के पास झिलाय से होगा। इन सभी 1000 रसोइयों का संचालन राजीविका समूह की महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इससे 10,000 से अधिक महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर इन्दिरा रसोई योजना के संबंध में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस योजना से सुविधापूर्ण वातावरण में सम्मानपूर्वक मात्र 8 रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का लाभ विद्यार्थियों एवं श्रमिकों सहित सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इंदिरा रसोई के संचालकों व कर्मचारियों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा नवीन रसोइयों की स्थापना के लिए 5 लाख रुपए की एकमुश्त राशि तथा 17 रूपए प्रति थाली अनुदान दिया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों की 992 इन्दिरा रसोइयों से अब तक 13 करोड़ से अधिक पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन की थालियां आमजन को परोसी जा चुकी हैं। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में 500 से अधिक स्थानीय सेवाभावी संस्थाओं के द्वारा 'ना लाभ ना हानि' के आधार पर रसोइयों का संचालन किया जाना सुखद बात है।

बर्खास्त मंत्री गुढ़ा शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र सीएम बोले-गहलोत ने कहा था गुढ़ा के कारण मुख्यमंत्री हूं, उसी को बर्खास्त किया

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लाल डायरी को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले बर्खास्त मंत्री और कांग्रेस विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने शनिवार को शिंदे गुट वाली शिवसेना का दामन थाम लिया। उन्होंने महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे की उपस्थित में अपने पैतृक गांव गुढ़ा (नीमकाथाना) में पार्टी जॉइन की। उन्हें समन्वयक (कॉर्डिनेटर) की जिम्मेदारी दी गई है।

शिंदे ने इस मौके पर अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने एक साल पहले यहीं पर कहा था कि गुढ़ा के कारण मैं मुख्यमंत्री हूं, फिर उन्हीं को बर्खास्त कर दिया। गुढ़ा के बेटे का आज जन्मदिन भी है, इसी मौके पर समारोह रखा गया था। शिंदे ने गुढ़ा को शिवसेना का दुपट्टा पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया। गुढ़ा इससे पहले बसपा और कांग्रेस में भी रह चुके हैं।

शिंदे बोले-ये मिलन सुखद है

एकनाथ शिंदे ने कहा कि गहलोत ने जो किया उसका जवाब जनता देगी। गुढ़ा ने क्या गलती की, सच्चाई का साथ देना गुनाह है क्या? आपने राजस्थान में कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की ही तो आवाज उठाई थी। शिंदे ने कहा कि गुढ़ा ने मंत्री पद छोड़ा, सच्चाई नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'राजेंद्र गुढ़ा का शिवसेना में स्वागत है। राजस्थान की वीरता और महाराष्ट्र की वीरता का मिलन सुखद है। गुढ़ा जब भी महाराष्ट्र आते थे तो वहां रह रहे राजस्थानियों की चिंता करते थे। महाराष्ट्र में रहने वाले हर राजस्थानी का हम ध्यान रखेंगे।'

पिछली सरकार ने महाराष्ट्र को पीछे धकेला, हम फिर नंबर वन पर ले आए

शिंदे ने कहा-महाराष्ट्र की पिछली सरकार में कांग्रेस भी शामिल थी। उन्होंने हमारे राज्य को पीछे धकेल दिया। महाराष्ट्र को उन्होंने 10 से 15 साल पीछे समेट दिया। हमारा राज्य पहले उद्योग और कारोबार में नंबर एक पर था, उसको तीसरे-चौथे नंबर पर ले गए। विकास ठप कर दिया। भ्रष्टाचार शुरू हो गया। लेकिन, हमारी एनडीए की डबल इंजन की सरकार आने के बाद महाराष्ट्र को फिर हमने एक नंबर पर कर दिया। हम दावोस इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में गए तो 1 लाख 37 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट महाराष्ट्र में लेकर आए।

राजस्थान में नेता प्रदेश की जगह खुद का विकास करने में लगे

महाराष्ट्र सीएम शिंदे ने कहा-राजस्थान में विकास की अपार संभावना है। नेता राजस्थान की बात छोड़कर खुद का विकास करने में लग जाते हैं। इस वजह से प्रदेश पिछड़ रहा है। इस राज्य को आगे बढ़ाना है। राज्य में माइनिंग, इंडस्ट्री में पोटेंशियल है। किसानों को आगे बढ़ाने के लिए ज्यादा योजनाएं हम ला सकते हैं। महिलाओं को सशक्त करना जरूरी है। उनकी सुरक्षा करना जरूरी है। गुढ़ा ने जुलाई में विधानसभा में कानून-व्यवस्था को लेकर मंत्री रहते हुए सवाल उठाए थे। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के मणिपुर हिंसा और महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने का मामला उठाने पर पलटवार करते हुए कहा था कि राजस्थान रेप के मामले में अव्वल है। हमें मणिपुर पर बात करने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। मंत्री के अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने से कांग्रेस की विधानसभा में असहज स्थिति बन गई थी। यह मुद्दा उठाने के बाद गुढ़ा को उसी दिन देर शाम बर्खास्त कर दिया गया था।

शिंदे बोले-मैंने भी मंत्री पद छोड़ा था

अपने संबोधन में शिंदे ने कहा, 'आपकी तरह ही मैंने भी मंत्री पद छोड़ा था। मैंने बाला साहेब के विचारों-आदर्शों के लिए मंत्री पद छोड़ा था। राजेंद्र गुढ़ा ने सचाई के लिए मंत्री पद छोड़ा। राजस्थान में कानून-व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। राजस्थान का विकास होना चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने रामदेवरा मंदिर में पूजा अर्चना की

जैसलमेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को जैसलमेर के रामदेवरा मंदिर पहुंचे। उन्होंने जयकारों के बीच लोक देवता बाबा रामदेव जी की समाधि स्थल के दर्शन और पूजा-अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली, सामाजिक सौहार्द, प्रेम भाईचारा और मानव कल्याण के लिए प्रार्थना की। गहलोत ने मंदिर में रामदेव जी के भजन सुनने के साथ परिसर में संचालित भोजनशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देशभर में आस्था के केंद्र बाबा रामदेव मंदिर में राजस्थान सहित कई राज्यों के श्रद्धालु आते हैं। यहां पर व्यवस्थाएं पहले से बेहतर हैं। हमें यहां से देश को अखंड बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद, राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी, जोधपुर शहर महापौर कुंती देवड़ा परिहार उपस्थित थे।

12-13 सितंबर को कोटा में रहेगी सरकार

कोटा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूरी सरकार 12 और 13 सितंबर को कोटा में रहेगी। 125 पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच सीएम अशोक गहलोत और यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल नाव में बैठकर चम्बल रिवर फ्रंट और ऑक्सीजन पार्क का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद 13 सितंबर को कैबिनेट और मंत्रिपरिषद बैठक बुलाई गई है।

कोटा में नवनिर्मित ऑक्सीजन पार्क में कैबिनेट और मंत्री परिषद की बैठक 13 सितंबर को होगी। इससे पहले 12 सितंबर को सीएम अशोक गहलोत कोटा में प्रदेश सरकार का बड़ा आयोजन करने जा रहे हैं। इस दौरान 125 पुजारी-पंडित मंत्रोच्चार के बीच नाव में बैठकर चंबल रिवर फ्रंट का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद सीएम गहलोत ऑक्सीजन पार्क का भी लोकार्पण करेंगे।

13 सितंबर को कोटा के ऑक्सीजन पार्क में कैबिनेट और मंत्री परिषद की बैठक बुलाई

इसके बाद अगले दिन 13 सितंबर को कोटा के ऑक्सीजन पार्क में ही कैबिनेट और मंत्री परिषद की बैठक ली जाएगी। रिवर फ्रंट में 225 फीट ऊंची चम्बल माता की मूर्ति, पंच तत्व-अग्नि, वायु, जल, नभ, पृथ्वी के एक साथ मंदिर आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

हेलीकॉप्टर उड़ानों के लिए मुख्यमंत्री के सभी अनुरोध स्वीकृत : गृह मंत्रालय

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शनिवार को उस मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया, जिसमें जिक्र था कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उनकी हेलीकॉप्टर उड़ान के लिए मंजूरी नहीं दी गई। गृह मंत्रालय ने कहा कि उनके सभी चार अनुरोधों को मंजूरी दी गई थी। एक्स में पोस्ट की गई एक सीरीज साझा करते हुए गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एक समाचार रिपोर्ट में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने एमएचए द्वारा उनके हेलीकॉप्टर उड़ान के लिए मंजूरी से इनकार करने का दावा किया है। उड़ान के लिए मुख्यमंत्री राजस्थान से सीकर सहित चार अनुरोध प्राप्त हुए थे।

पत्नी से पूछकर रिश्वत की राशि तय करता था एक्सईएन

एसीबी ने दो महीने तक सुनी एक्सईएन-एईएन की बातचीत, फिर रिश्वत के साथ पकड़ा

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के मामले में नए तथ्य सामने आए हैं। तीन अधिकारियों को एसीबी की टीम ने पिछले दो महीने तक की कड़ी मेहनत के बाद ट्रैप किया था। अब एसीबी में दर्ज एफआईआर के बाद कई अहम जानकारी सामने आई है। किस तरह तीनों अधिकारियों के बीच पैसों को लेकर बातचीत हुई। दरअसल, इन अधिकारियों के साथ-साथ पीडब्ल्यूडी के कई ठेकेदार और अधिकारियों के नम्बर सर्विलांस पर थे।

एसीबी ने 24 घंटे अधिकारियों और ठेकेदारों की बातचीत सुनी। इससे पता चला कि पैसे का अब लेनदेन होने वाला है। यह जांच इतनी गोपनीय थी की एसीबी मुख्यालय के कुछ चुनिंदा अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों के अलावा किसी को भी नहीं थी। वहीं, पीडब्ल्यूडी डूंगरपुर एक्सईएन जितेंद्र कुमार जैन पत्नी से रिश्वत की राशि पर बातचीत करते थे। पत्नी से पूछकर ही रुपए तय करते थे। एसीबी को जुलाई के पहले सप्ताह में सूचना मिली थी कि जितेंद्र कुमार जैन ने मिली भगत कर टेंडरों गड़बड़ी की है। ज्यादा रेट पर ऑर्डर दिलवाने और घटिया क्वालिटी की सामग्री सप्लाई करने पर उच्च अधिकारियों को रिश्वत दी जा रही है।

इस सूचना की जांच करने के लिए 8 जुलाई से एसीबी ने जितेंद्र कुमार जैन का मोबाइल सर्विलांस पर लिया। इस पर एसीबी को पता चला कि जितेंद्र कुमार जैन अपनी पत्नी, एईएन अनंत गुप्ता और पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर बिल्डिंग सुबोध से रिश्वत को लेकर बात कर रहा था। इस पर एसीबी एक्टिव हुई। उन्हें जो लीड मिली उस पर उन्होंने काम करना शुरू किया। एक्सईएन जितेन्द्र जैन ज्यादा रेट पर बिलों के भुगतान की जांच स्वयं के पक्ष में करवाने के लिए एईएन अनंत गुप्ता के साथ मिलीभगत कर सुबोध मलिक को रिश्वत देता था। इस प्रकार तीनों मिलकर सरकारी योजनाओं में घटिया क्वालिटी की सामग्री पास करते थे। इनके कारण ठेकेदार घटिया माल से सरकारी निर्माण करता था।

दमोह में आकाशीय बिजली गिरने से 14 बकरियों की मौत

मां-बेटा सहित एक किसान झुलसा

दमोह, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र और नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत आकाशीय बिजली गिरने से 14 बकरियों सहित तीन लोग झुलस गए। एक किसान की हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया गया है।

किसान की हालत गंभीर

कुम्हारी थाना के गाता गांव में आकाशीय बिजली गिरी, जिसमें खेत में काम कर रहा किसान परम पिता खिलान यादव आकाशीय बिजली गिरने की चपेट में आ गया। किसान को गंभीर हालत में इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी रत डॉक्टर आरिफ खान ने इलाज कर हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया है। ग्रामीण विजय सिंह, राजेंद्र प्रजापति व अनिल यादव ने बताया कि शुक्रवार शाम पांच बजे गाता गांव के खेत में काम कर रहे परम यादव आकाशीय बिजली की चपेट में आ जाने से घायल हो गया।

उसे तत्काल इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाए। नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवार चौकी स्थित ग्राम हरदुआ मानगढ़ में शुक्रवार देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से 14 बकरियों की घटना स्थल पर मौत और बकरी चराने गए मां-बेटे चपेट में आ जाने से गंभीर हालत में दमोह जिला अस्पताल में लाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बनवार चौकी प्रभारी मनीष यादव, आरक्षक मणिवालिप्पा और कृष्ण कुमार ने पहुंचकर मां-बेटे को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व में हुई प्राइवेट पार्टी

नियमों को ताक पर रख सफारी एरिया में बनाया अस्थाई किचन

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में मशहूर जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से प्राइवेट पार्टी का आयोजन किया गया। जयपुर के लग्जरी होटल लीला पैलेस की ओर से आयोजित इस पार्टी में नियमों को ताक पर रख सफारी एरिया में बनी शिकार ओदी में अस्थाई किचन तैयार किया गया और खास मेहमानों को कई तरह के पकवान परोसे गए।

जैसे ही झालाना की शिकार ओदी का वीडियो वन्य जीव प्रेमियों के सामने आया तो उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद आनन-फानन में वन विभाग ने भी इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

खास मेहमानों के लिए तैयार किया किचन

झालाना कंजर्वेशन रिजर्व के सफारी एरिया में बनी शिकार ओदी में खास मेहमानों के लिए चाय, नाश्ते और फ्रूट्स के साथ ही लाइव (अस्थाई) किचन भी तैयार किया गया, जहां वेटर और स्टाफ खास मेहमानों की मेहमान नवाजी में व्यस्त नजर आए। वहीं वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आंखें मूंद कर बैठे रहे। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड के सदस्य सुनील मेहता ने झालाना में हुई लापरवाही को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा-जिस जगह खाने-पीने का सामान तक ले जाने की अनुमति नहीं है, वहां पर एक होटल की ओर से बुफे सिस्टम डेवलप किया गया। किचन तैयार किया और वेटर लगाए गए।

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आंख मूंद बैठे रहे, क्योंकि उन लोगों की मिलीभगत से यह प्राइवेट पार्टी हुई है। इसकी शिकायत मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी करूंगा। मेहता ने बताया कि पिछले कुछ समय से वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिल कर कुछ बाहरी लोग झालाना को खत्म करने में लगे हैं। यहां पर न सिर्फ अवैध रूप से पार्टी का आयोजन किया जा रहा है, बल्कि नियमों के खिलाफ दर्जनों की संख्या में गाड़ियों का संचालन भी होता है। इन लोगों के खिलाफ कहीं कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा-इससे पहले भी झालाना में कई तरह की अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं। कई गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन कभी कोई व्यापक कार्रवाई नहीं हुई। पूरा सिस्टम ही भ्रष्ट हो चुका है। नीचे से लेकर ऊपर तक भ्रष्टाचार का पैसा पहुंच रहा है, जिससे झालाना बर्बाद होने के कगार पर पहुंच चुका है। अगर सरकार समय पर नहीं जागी तो वन और वन्य जीव, दोनों के लिए हालात और खतरनाक हो सकते हैं।

अधिकारी की सिफारिश पर गाड़ियों को मिली एंट्री

सूत्रों के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है कि जयपुर के लग्जरी होटल लीला पैलेस के गेस्ट के लिए झालाना में स्पेशल अरेंजमेंट्स किया गया था। गुरुवार सुबह जैसे ही होटल की गाड़ियां झालाना लेपर्ड सफारी के मुख्य द्वार पर पहुंची तो गाड़ियों में रखे अतिरिक्त सामान को देख वहां मौजूद महिला गार्ड ने उनको गेट पर ही रोक दिया था। इसके बाद होटल स्टाफ ने वन विभाग के अधिकारी को फोन किया, जिसकी सिफारिश के बाद महिला गार्ड ने गाड़ियों को सफारी एरिया में जाने दिया।

पूर्व विधायक के भाई पर नाबालिग ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

कैथून थाना में दर्ज हुआ मुकदमा

कोटा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में सनसनीखेज मामला सामने आया है। पूर्व विधायक विद्याशंकर नंदवाना के छोटे भाई मधुसूदन नंदवाना पर कैथून थाना में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ है। बताया जा रहा है कि नाबालिग पीड़िता आरोपी के घर झाड़ू-पोंछा करने जाती थी। फिलहाल पुलिस मामला की जांच में जुटी है।

राजस्थान के कोटा जिले के कैथून थाना इलाके में एक नाबालिग बालिका ने पूर्व विधायक के भाई पर पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज करवाया है। मामले में आरोपी मधुसूदन नंदवाना ने पीड़िता नंदवाना के घर पर झाड़ू-पोछा और अन्य कार्य के लिए आने वाली नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है। मामला करीब एक सप्ताह पुराना बताया जा रहा है। जिस पर छह सितंबर को मुकदमा दर्ज किया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार पीपल्दा के पूर्व विधायक विद्याशंकर नंदवाना के छोटा भाई आरोपी मधुसूदन के घर पर एक 17 वर्षीय बालिका झाड़ू-पोंछा करने के लिए बीते एक साल से आ रही थी। इसी नाबालिग ने मधुसूदन पर आरोप लगाया है। उसने यह बात अपने परिजनों को बताई। जिसके बाद ही परिजनों ने मुकदमा दर्ज करवाया है। मधुसुदनदन की उम्र करीब 50 साल है। वह खाद-बीज की दुकान संचालित करता है। इस संबंध में कैथून थानाधिकारी हरि सिंह मीणा ने पूरी तरह से अभिज्ञता जाहिर की है। उन्होनें एफआईआर दर्ज होने की बात से भी इनकार किया हैं।

जनता को कांग्रेस सरकार से होने लगी नफरत : कृष्ण पाल गुर्जर

बयाना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत शनिवार को भरतपुर के बयाना में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जो काम कांग्रेस 70 साल में नहीं कर पाई उससे ज्यादा काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 9 साल में करके दिखाया है। 400 नए मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय और विश्वविद्यालय स्थापना की है। इसके अलावा भाजपा के शासनकाल में एक्सप्रेस-वे, हाईवे, आधुनिक रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट का निर्माण भी तेज गति से हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल शासन के चलते ही आज भारत विश्व की पांचवी बडी अर्थव्यवस्था बन गया है।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने प्रेस वार्ता में कहाकि इन नौ वर्षों में सांस्कृतिक विरासत को संवारने का काम भी तेजी से किया गया है। देश के करोडों लोगों की आस्था का द्योतक प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार होने को है। वहीं काशी विश्वनाथ, महाकाल कॉरिडोर की स्थापना कर अपनी सांस्कृतिक धरोहर का पुनर्निर्माण किया है। राजस्थान में बिजली की दरें संपूर्ण भारत में सबसे अधिक हैं, उसके बावजूद भी राजस्थान में जनता बिजली के लिए तरस रही है। राजस्थान भ्रष्टाचार में सबसे आगे है। राजस्थान को परिवर्तन की जरूरत है। इसके लिए प्रदेश की जनता को डबल इंजन की भाजपा सरकार को लाना होगा।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि आज राजस्थान में महिला सुरक्षित नहीं। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी आज रणथंभोर में पिकनिक मनाने आई हुई हैं। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे दुष्कर्म पीड़ित महिलाओं के घर जाकर उनको संवेदना और आश्वासन दें कि महिलाएं राजस्थान में सुरक्षित है। आज प्रदेश के हाल इस कदर खराब हैं कि सरकार के मंत्री अशोक चाँदना खुद बिजली की समस्या को लेकर सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे हैं।

राजस्थान एक मात्र राज्य है जहां संतो की सबसे ज्यादा हत्या हुई हैं, झूठे वादों से बनी कांग्रेस सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। आज देश का सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल राजस्थान में है। यह पहली सरकार है जिसके मंत्री विधायक खुद सरकार पर आरोप लगा रहे है।

13-14 सितंबर को बंद रहेंगे पेट्रोल पंप

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पेट्रोल और डीजल पर बढ़े हुए वेट के खिलाफ अब पेट्रोल पंप संचालकों ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेशभर में 13 और 14 सितंबर को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक 7 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। इसके बाद भी अगर सरकार ने वेट कम नहीं किया। पेट्रोल पंप संचालक 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा- राजस्थान सरकार देश में सबसे ज्यादा वेट वसूल रही है। इसका नुकसान पेट्रोल पंप संचालकों के साथ आम जनता को भी उठाना पड़ रहा है।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पहुंचे अलवर

कहा-सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं भड़काने वालों पर कार्रवाई करें

अलवर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून व्यवस्था आनंद श्रीवास्तव ने अलवर में पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में जयपुर रेंज के सभी पुलिस अधीक्षक, डीएसपी और अलवर जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से संभाग में कानून व्यवस्था, आगामी विधानसभा चुनाव और पुलिस फोर्स की आवश्यकता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर आनंद श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस के पास जो भी संसाधन हैं, उनका उपयोग कर ज्यादा से ज्यादा आमजन का सहयोग करना है और अपराधियों पर लगाम कसनी है। सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा चुनाव, कानून व्यवस्था और पुलिस फोर्स की आवश्यकता को लेकर चर्चा

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया कि आज की बैठक में विधानसभा चुनाव ,कानून व्यवस्था और पुलिस फोर्स की आवश्यकता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पुलिस अधिकारियों ने अपने विचार रखे। बढ़ते अपराधों को लेकर उन्होंने कहा कि अपराधियों की धर पकड़ के पूरे प्रयास किया जा रहे हैं और लगातार अभियान चलाकर अपराधियों को पकड़ा जा रहा है। पुलिस अपराधियों को पकड़ने में हमेशा अग्रणी रही है। जयपुर संभाग में गत दिनों दौसा जिले में सिपाही की हत्या के मामले में सभी आरोपियों को रिकॉर्ड टाइम में गिरफ्तार किया गया। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। अलवर जिला दूसरे राज्य से लगता हुआ जिला है और यहां बाहर के लोगों की आवाजाही बहुत है। इंटर स्टेट क्रोस बॉर्डर चेक किए जाएंगे। इलाके में औद्योगिक क्षेत्र हैं। ऐसे में अपराधियों को चिन्हित करना और पकड़ना बहुत बड़ी चुनौती है। लेकिन पुलिस अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के पूरे प्रयास कर रही है और अपराधियों को पकड़ा भी जा रहा है । उन्होंने बताया कि धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सभी जिलों में सोशल मीडिया सेल का गठन किया गया है, जो सोशल मीडिया पर निगरानी रखेगा, जो भी नफरत फैलाएगा या किसी की धार्मिक भावना आहत करेगा।

माणिक राव ठाकरे ने भट्टी विक्रमार्क की पदयात्रा पुस्तक का विमोचन किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस पार्टी के तेलंगाना प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने शनिवार को शहर के हैदराबाद में गांधी भवन में सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क द्वारा की गई एक पुस्तक एन पीपल्स मार्च पदयात्रा का विमोचन किया। एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी, पार्टी विधायक डुडिल्ला श्रीधर बाबू, पूर्व मंत्री जी चिन्ना रेड्डी, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष पोन्नाला लक्ष्मैया, पूर्व केंद्रीय मंत्री बलराम नाइक, पूर्व सांसद सिरसिला राजैया, खैरताबाद, रंगा रेड्डी डीसीसी अध्यक्ष चल्ला नरसिम्हा रेड्डी, रोहिन रेड्डी और अन्य कांग्रेसी इस कार्यक्रम में नेताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, एआईसीसी महासचिव माणिकराव ठाकरे ने कहा कि सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क की पीपुल्स मार्च पदयात्रा एक सफल पदयात्रा थी और उन्होंने कहा कि विक्रमार्क जलती हुई निविदाओं पर विचार किए बिना 110 दिनों तक आदिलाबाद से खम्मम तक चले और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि भट्टी विक्रमार्क द्वारा की गई साहसिक पदयात्रा इससे पहले तेलंगाना में किसी भी राजनीतिक दल के नेता द्वारा नहीं की गई थी। भट्टी विक्रमार्क द्वारा उठाया गया हर कदम कांग्रेस पार्टी की जीत में योगदान देगा।

भट्टी विक्रमार्क, जो एससी/एसटी ओबीसी गरीबों सहित सभी वर्गों के लोगों की कठिनाइयों को जानने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र में गए, उनकी समस्याओं को देखा और उन्हें सुना। सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि एआईसीसी के निर्देशों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया जाना चाहिए और कहा कि पार्टी के सभी नेताओं को पार्टी को सत्ता में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह आदिलाबाद से खम्मम जिले तक पैदल चले और कहा कि पार्टी ने उनका बहुत समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व एमएलसी प्रेम सागर राव ने व्यवस्था, रूट मैप और नेताओं के समन्वय से आदिलाबाद जिले के पिप्पिरी से खम्मम तक पदयात्रा की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वी. हनुमंत राव, पोन्नला लक्ष्मैया और उत्तम कुमार रेड्डी ने पदयात्रा की सफलता के लिए नेताओं का समन्वय करके अपने संपर्कों और लंबे राजनीतिक अनुभव का नेतृत्व किया।

सांसद ने की चंद्रबाबू की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

विजयवाडा, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी सांसद केसिनेनी नानी ने पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी पर कड़ी असहमति जताई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नानी ने आज के दिन को भारतीय इतिहास का काला दिन बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए चंद्रबाबू की कथित अवैध गिरफ्तारी में हस्तक्षेप करने और संबोधित करने का आग्रह किया था। नानी ने दृढ़तापूर्वक कहा कि चंद्रबाबू नायडू का राजनीतिक करियर बिना किसी दाग के रहा है, और उनका दृढ़ विश्वास है कि गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित थी। उन्होंने सीएम जगन पर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए आधारहीन और मनगढ़ंत मामले के साथ चंद्रबाबू नायडू को निशाना बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। स्थिति के बावजूद, नानी ने विश्वास जताया कि चंद्रबाबू को किसी भी गलत काम से बरी कर दिया जाएगा। नानी ने चंद्रबाबू की 45 साल की समर्पित राजनीतिक सेवा और राज्य और उसके लोगों के लिए उनके योगदान की भी प्रशंसा की।

बीआरएस-भाजपा सरकारों व सहयोगी एमआईएम की विफलताओं को उजागर करेगी कांग्रेस : समीर

पुलिस ने अभियान समिति प्रमुख मधु यास्की और अन्य नेताओं को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को तेलंगाना और केंद्र में टीआरएस-भाजपा सरकारों की विफलताओं और एआईएमआईएम द्वारा हैदराबाद के लोगों के साथ किए गए विश्वासघात को उजागर करने का संकल्प लिया। शनिवार शाम को ऐतिहासिक चारमीनार में एआईसीसी प्रभारी माणिकराव ठाकरे द्वारा 'तोडू डोंगलु' (दुश्मनों को हटाओ) का उर्दू पोस्टर जारी करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने इसकी घोषणा की। टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु याशकी गौड़, एआईसीसी सचिव रोहित चौधरी और मंसूर अली खान, टीपीसीसी प्रवक्ता सैयद निज़ामुद्दीन, हैदराबाद अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अरशद शेख, चारमीनार प्रभारी मुजीबुल्लाह शरीफ और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में चारमीनार, याकूतपुरा, बहादुरपुरा, मलकपेट और चंद्रयानगुट्टा निर्वाचन क्षेत्रों के कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया। हालांकि, हैदराबाद पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला देकर कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश की। पोस्टर फाड़ने की कोशिश करने पर कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से तीखी नोकझोंक हुई। उन्होंने पुलिस कर्मियों पर टीआरएस और एआईएमआईएम के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की निंदा करते हुए समीर वलीउल्लाह ने आरोप लगाया, "पुलिस को हमारे पोस्टर छीनने और फाड़ने का कोई अधिकार नहीं है। कुछ अधिकारियों ने केवल अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए बेहद अशिष्ट व्यवहार किया।" हैदराबाद डीसीसी प्रमुख ने चारमीनार में पुलिस द्वारा टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़ और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की और शहर पुलिस पर मनमानी तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। "हम टीआरएस, बीजेपी और एमआईएम नेताओं द्वारा हमारी आवाज को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर अपनाई जा रही रणनीति से नहीं डरेंगे। हम यह उजागर करना जारी रखेंगे कि कैसे टीआरएस, बीजेपी और एमआईएम ने हैदराबाद के लोगों को धोखा दिया है और इस क्षेत्र की पूरी तरह से उपेक्षा की है।" उन्होंने घोषणा की, ''कांग्रेस पार्टी जल्द ही टीआरएस और एमआईएम की विफलताओं को उजागर करते हुए एक हैदराबाद घोषणापत्र जारी करेगी।'' समीर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा अगले विधानसभा चुनाव में पुराने शहर में कड़ी टक्कर देने का फैसला करने के बाद एमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और अन्य एमआईएम नेता डर से कांप रहे थे। वे पुराने शहर से टिकट के दावेदारों की भारी संख्या और क्षेत्र में कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता से हैरान थे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस पार्टी पुराने शहर में अपेक्षित बदलाव और विकास लाएगी।

धम्माईगुडा स्थित श्री वैष्णव धाम राम मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित कृष्ण जन्मोत्सव पर पूजा-अर्चना, दही-हांडी कार्यक्रम, नन्हे-मुन्हे बच्चों की कृष्ण लीलाएँ, जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, बाबुलाल, संतोष टीलावत, पदाधिकारी, समाज बन्धु व महिलाएँ।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित जागरण, पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा व समाज बन्धु।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मन्दिर ट्रस्ट रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली में भादवा सुदी दुज एवं रामदेव महायज्ञ का निरीक्षण करते हुए राजेंद्रनगर विधायक व सलाहकार टी. प्रकाश गौड़ के नेतृत्व में कार्यक्रम की रूप रेखा बनाया गया। विधायक ने हवन स्थल का जायजा लिया। साथ में हैं श्याम सुंदर गिलडा, पूर्व पार्षद एस. वेंकटेश, जगदीश अग्रवाल, धर्माराम ढाका, दिनेश सिम्नोडिया, सुरेश महाराज, बनवारी महाराज, अरविंद शर्मा, अशोक कुमार, रामकृष्णा अन्य।

बेगमपेट हवाई अड्डा में हिन्दी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, बेगमपेट हवाईअड्डा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए हैदराबाद हवाई अड्डा के महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी प्रसून कुमार हजारी ने कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में कार्य करने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद हवाई अड्डे में प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन के लिए विशेष कार्य किए जाते है जिनमें कार्यशाल, हिंदी पखवाड़ा, राजभाषा प्रोत्साहन योजना आदि आयोजित करना शामिल है।

श्री हजारी ने कार्यशाला के अतिथि वक्ता कमालुद्दीन का हार्दिक स्वागत करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में आपका अनुभव तथा प्रेरणादायी कार्यशैली से यह कार्यशाला लाभन्वित होगी। कमालुद्दीन, उप निदेशक (सेवा-निवृत्त) हिंदी शिक्षण योजना राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रथम सत्र में पारिभाषिक शब्दावली पर विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी गयी। शुक्ला उपेंद्र कुमार, राजभाषा कर्मी ने संगठन में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी देते हुए समस्त प्रतिभागियों को बताया कि वे भी हिंदी में कर्य कर इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकते है। अपने स्वागत भाषण में संयुक्त महाप्रबंधक, अनुसंधान अपूर्व जैन ने हवाई अड्डा से संबंधित राजभाषा कार्यान्वयन की जानकारी दी। सुश्री प्रीति कुमारी, वरिष्ठ सहायक, मानव संसाधन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुई।

भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश कार्यालय, नामपल्ली में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के जामबाग के बीजेपी कार्पोरेटर राकेश जायसवाल के बेटे डॉ. आकाश जायसवाल ने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता ईटेला राजेन्दर को आवेदन पत्र सौंपा।

साईबाबा मंदिर चिंतापल्ली में गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में पधारे उर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी से भेंटकर तेलंगाना की सभी गौशालाओं को निःशुल्क बिजली देने का निवेदन करते हुए लव आर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, शांतिलाल पटेल। साथ में हैं विधायक प्रभाकर रेड्डी धनंजय व अन्य।

जैन मंदिर रेगोड़ का जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में हैदराबाद नांदेड़ राजमार्ग के शंकरपेट से 10 किमी दूरी पर स्थित रेगोड़ गांव में 500 से भी अधिक वर्ष प्राचीन पूर्ण रूप से जर्जरीत श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ किया गया है। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ऋद्धिश जागीरदार एवं ट्रस्टी रंजनाबेन मनीषभाई शाह ने बताया कि रेगोड़ गांव के अति प्राचीन जैन मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के निरीक्षण हेतु आज ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं ट्रस्टीयों ने रेगोड़ पहुंच कर कार्य का निरीक्षण किया। ट्रस्ट के चैयरमेन आर के जैन ने बताया कि पूर्व में हजारों की संख्या में तेलंगाना के छोटे-छोटे गांव में जैन परिवार बसे हुए थे। लेकिन कालांतर में संख्या कम होती गयी और वे सभी पास शहरों में आकर बस गए है। अभी भी गांव में सात परिवार रहते है। यहां का जैन मंदिर पूर्ण रूप से जर्जरीत होकर ढह गया था और इसमें विराजित भगवान पार्श्वनाथ , भगवान महावीर आदि की प्राचीन प्रतिमाओं को पूजने हेतु अलग-अलग शहरों में ले जाने हेतु निवेदन आये। लेकिन यहां पर रहने वाले परिवारों ने मना किया। मन्दिर के जीर्णोद्धार कराने हेतु विचार किया। इस विषय पर गांव वालों ने आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर के जैन से मुलाकात की और सभी के सहयोग से कुछ महीने पहले भूमिपूजन किया गया था और अब निर्माण कार्य भी चल रहा है। ट्रस्ट की ट्रस्टी रंजना बेन ने बताया कि प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कराना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर. के जैन,अध्यक्ष मुकेश चौहान, ट्रस्टी रंजना शाह, हंसमुख जैन, गोविंद जैन एवं अन्य उपस्थित रहे।

गणेश मूर्ति निर्माताओं की समस्याओं के बारे में ट्रैफिक सीआई को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 18 तारीख को गणेश उत्सव के अवसर पर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के मंगलहाट, धूलपेट, गंगाबावली, पुरानापुल आदि क्षेत्रों में गणेश मूर्ति निर्माताओं की समस्याओं के संबंध में ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवास और गोशामहल ट्रैफिक सीआई महेश गौड़ को एक ज्ञापन सौंपा गया।

इन गणेश मूर्ति निर्माताओं की समस्याओं को लेकर गोशामहल बीआरएस नेता यह ज्ञापन सौंपा। श्री गौड़ ने बताया कि वर्तमान में एक समस्या है, खासकर यह कि ट्रैफिक पुलिस मूर्ति खरीदने आने वालों से गाड़ी वसूल रही है।

डीसीपी ने कहा कि वहां आने वाले वाहनों पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिए। यदि नहीं तो केवल बिना नंबर प्लेट वाले ठेलों को ही जब्त किया जाएगा। श्री गौड़ ने सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए डीसीपी और सीआई को धन्यवाद दिया। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा गया है कि यदि कोई सड़क समस्या और वर्तमान समस्या है तो वे उनके ध्यान में लाएँ। कार्यक्रम में जामबाग मंडल महासचिव जी. नंदू कुमार, जयसवाल, दीपक सिंह, देव सिंह, महावीर सिंह, जय सिंह, अंतिकाश सिंह, सुनील सिंह, गणेश सिंह, कुलदीप सिंह, नरेश गौड़, बैजू कुमार व अन्य शामिल हुए।

महिला कांग्रेस नेताओं ने जागरूकता अभियान चलाया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जिला महिला कांग्रेस ने मेंहदीपट्टणम डिवीजन का दौरा किया और कांग्रेस सरकार आने के बाद लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। आज नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में, मेहदीपट्टनम डिवीजन, खैरताबाद जिला कांग्रेस महिला अध्यक्ष शम्बुला उषाश्री श्रीकांत गौड़ और मेहदीपट्टनम डिवीजन अध्यक्ष जे. विजयलक्ष्मी, आसिफ नगर डिवीजन अध्यक्ष भाग्यलक्ष्मी, समन्वयक अंजुम बेगम, नजम सुल्ताना, विजयनगर कॉलोनी डिवीजन अध्यक्ष उमेरा अमीना हैमदनागर के साथ मंडल अध्यक्ष फरहीन बेगम ने घर-घर पदयात्रा का आयोजन किया। उन सभी को जल्द से जल्द उनकी समस्याओं को सुलझाने का आश्वासन दिया।

अग्रवाल समाज महिला शाखा ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज महिला शाखा ज्ञानबाग़ कॉलोनी ने कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम हिमायत नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय सह-मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल थी। सर्वप्रथम लड्डू गोपाल की फिर अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना की गई। तत् पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती कंचन का स्वागत किया गया और उन्हें श्री कृष्ण मूर्ति भेंट स्वरूप दी गई।उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की और शोभा बढ़ा दी। इस उत्सव में महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे राधा-कृष्ण वेषभूषा, बांसुरी सजावट, मेहंदी से लड्डू गोपाल की आकृति आदि का आयोजन किया। जन्माष्टमी थीम पर आयोजित वन मिनिट गेम्स और चांदी तम्बोलो ने सभी का खूब मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को कृष्ण मूर्ति पुरस्कार रूप में दी गईं। शाखा के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि श्रीमती कंचन अग्रवाल, अतिथि गण और सभी सदस्यों का कार्यक्रम को सफल बनाने केलिए आभार प्रकट किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्किल डेवलपमेंट स्कैम ...

चंद्रबाबू के बेटे नारा लोकेश को पुलिस ने हिरासत में लिया : वहीं, आंध्र प्रदेश पुलिस ने चंद्रबाबू के बेटे नारा लोकेश को ईस्ट गोदावरी जिले से हिरासत में लिया है। लोकेश यहां पदयात्रा कर रहे थे। उन्हें विजयवाड़ा नहीं जाने दिया गया।

सीबीआई ने 9 दिसंबर, 2021 को स्किल डेवलपमेंट घोटाले मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसमें 25 लोगों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि, इस एफआईआर में नायुडू का नाम नहीं था। इस साल मार्च में सीआईडी ने स्किल डेवलपमेंट घोटाले की जांच शुरू की थी। सीआईडी का दावा है कि जांच में जो बातें सामने आई हैं, उनके आधार पर चंद्रबाबू को गिरफ्तार किया गया है।

साल 2016 में तत्कालीन सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने बेरोजगार युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देने के तहत आंध्र प्रदेश स्टेट स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीएसएसडीसी) की स्थापना की थी। एपीएसएसडीपी की 3,300 करोड़ की प्रोजेक्ट के लिए टीडीपी सरकार ने सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर इंडिया लिमिटेड और डिजाइन टेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की ग्रुप कंपनियों के साथ एक एमओयू साइन किया।

इस करार के तहत सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर इंडिया को स्किल डेवलपमेंट के लिए 3300 करोड़ की लागत से छह एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करना था। राज्य सरकार को प्रोजेक्ट के कुल लागत का 10 प्रतिशत भुगतान करना था, जबकि मदद के रूप में बाकी राशि सीमेंस और डिजाइन टेक को देना था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीआईडी ने अपनी जांच में पाया कि राज्य कैबिनेट से इस परियोजना को मंजूरी नहीं थी। इसके बावजूद बिना टेंडर के प्रोजेक्ट शुरू की गई। एमओयू के तहत सीमेंस कंपनी को अपनी तरफ से प्रोजक्ट में इन्वेस्ट करना था।

हालांकि, कंपनी ने अपनी तरफ से कुछ भी निवेश नहीं किया। इसे उलट राज्य सरकार की तरफ से आवंटित 371 करोड़ रुपये विभिन्न शेल कंपनियां- एलाइड कंप्यूटर्स, स्किलर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नॉलेज पोडियम, कैडेंस पार्टनर्स और ईटीए ग्रीन्स में बांट दीं।

सीआईडी ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि साल 2018 में एंटी करप्शन ब्यूरो को इस घोटाले की शिकायत मिली थी। हालांकि, तब सत्ता में बैठे लोगों ने जांच रोकने की कोशिश की और राज्य सचिवालय से जरूरी डॉक्यूमेंट्स हटा दिए। वर्तमान सरकार की जांच से पहले जीएसटी इंटेलिजेंस विंग और आईटी डिपार्टमेंट भी घोटाले की जांच कर रहे थे।

इस साल सीआईडी ने सरकारी गवाह बने एक आरोपी और तीन आईएएस अधिकारी के बयान के आधार पर एपीएसएसडीसी के पूर्व सीईओ अर्जा श्रीकांत को नोटिस भी जारी किया था। चंद्रबाबू की सरकार में पूर्व इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस (आईआरटीसी) अधिकारी अर्जी श्रीकांत एपीएसएसडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ थे।

गिरफ्तारी के बाद चंद्रबाबू नायुडू ने मीडिया से कहा, मैं किसी भी भ्रष्टाचार मामले में शामिल नहीं हूं। सीआईडी बिना किसी सबूत के मुझे गिरफ्तार की है। मैंने जब उनसे सबूत मांगा तो उन्होंने मुझे दिखाने से इनकार कर दिया और मेरा नाम एफआईआर में जोड़ दिया।

जन सेना पार्टी अध्यक्ष पवन कल्याण आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, जन सेना की तरफ से, हम चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं। इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र के लिए दर्भाग्य है। जिस तरह से पूर्व सीएम को गिरफ्तार किया गया है, वह बहुत दुखद है। जिस तरह से अधिकारी और राजनीतिक पार्टियां सरकार के नेताओं के आदेश पर गिरफ्तारी कर रहे हैं, हम उसकी निंदा करते हैं।

प्रो कबड्डी लीग 2023: नीलामी की तारीखों का हुआ ऐलान, 500 से ज्यादा खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग के दसवें सीजन के लिए ऑक्शन की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जारी की गई ताजा तारीखों के अनुसार, 9 और 10 अक्टूबर को खिलाड़ियों की नीलामी होगी। जिसमें 500 से ज्यादा खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। एशियन गेम्स के तुरंत बाद मुंबई में यह नीलामी आयोजित की जाएगी। माना जा रहा है कि एशियन गेम्स में बढ़िया प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर पीकेएल ऑक्शन में बड़ी बोली लग सकती है।

दरअसल, प्रो कबड्डी 2023 ऑक्शन पहले 8 और 9 सितंबर को होने वाला था, लेकिन एशियन गेम्स के चलते आयोजकों ने इसे पोस्टपोन करने का फैसला किया था। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलेंगे। इसके बाद प्रो कबड्डी लीग का जलवा देखने को मिलेगा।

प्रो कबड्डी के ऑक्शन की तारीखों का ऐलान करते हुए कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा 'हमें बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी 2023 ऑक्शन का आयोजन एशियाई खेल 2023 के ठीक बाद होगा। हमें यकीन है कि प्लेयर्स ऑक्शन के लिए फैंस पूरी तरह उत्साहित होंगे। नीलामी में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों के पास खर्च करने के लिए 5 करोड़ का पर्स होगा।

खिलाड़ियों को 4 केटेगरी में बांटा गया

प्रो कबड्डी लीग के 10वें सीजन में खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को कुल चार श्रेणियों में बांटा जाएगा। कैटेगरी ए, बी, सी और डी हैं। केटेगरी ए – 30 लाख रुपये, बी – 20 लाख, सी – 13 लाख, डी – 9 लाख रुपये हैं।

इन खिलाड़ियों पर होगी सबकी नजर

नीलामी के दौरान पवन कुमार सेहरावत, मोहम्मद नबीबक्श, मनिंदर सिंह, फज़ल अत्राचली, विजय मलिक, मोहम्मदरेज़ा शादलू, विकास कंडोला जैसे स्टार खिलाड़ियों पर बोली लगेगी।

प्रो कबड्डी लीग का इतिहास

प्रो कबड्डी टूर्नामेंट को 9 साल पूरे हो गए हैं। इसकी शुरुआत साल 2014 में हुई थी। अब दसवां सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है। जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी।

अंडर-16 सैफ फुटबॉल: मालदीव को 8-0 से हराकर भारत फाइनल में

पाकिस्तान या बांग्लादेश से होगी खिताबी जंग

थिम्पु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यांतर तक भारतीय टीम 2-0 से आगे थी। लेविस ने 53वें मिनट में तीसरा गोल किया। एबरोलंग ने 62वें और मनभाकुपर ने 70वें मिनट में 5-0 से आगे कर दिया था। भारत ने सैफ अंडर-16 फुटबाल में मालदीव को सेमीफाइनल में 8-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। एबरोलंग और मोहम्मद अरबाश ने दो-दो गोल किए। विशाल यादव, मोहम्मद कैफ, लेविस जैंगमिनलुन और मनभाकुपर ने अन्य गोल किए। ब्लू कोल्टस ने मैच के शुरुआत से दबदबा बना लिया था। विशाल ने 21वें मिनट में खाता खोल दिया।

इसके बाद 36वें मिनट में कैफ ने गोल कर दिया। मध्यांतर तक भारतीय टीम 2-0 से आगे थी। लेविस ने 53वें मिनट में तीसरा गोल किया। एबरोलंग ने 62वें और मनभाकुपर ने 70वें मिनट में 5-0 से आगे कर दिया था। उसके बाद अरबाश (77 और 84 वां मिनट) ने दो गोल किए। एबरोलंग(82वां मिनट) ने एक गोल और कर दिया। भारत की टक्कर पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के विजेता से होगी।

एशियाई टेबल टेनिस: मानव ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी को हराया

प्योंगचांग, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 170वीं रैंकिंग पर काबिज अयहिका मुखर्जी ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता चीन की चेन जिंगटोंग को महिला एकल राउंड 32 के पांच गेम के मुकाबले में कड़ी चुनौती दी, पर अंत में 2-11, 6-11, 11-8, 11-9, 11-3 से हार गईं।

भारत के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने शुक्रवार को यहां दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग जुई पर यादगार जीत से एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष एकल प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। ठक्कर ने राउंड 32 के मुकाबले में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी पर 11-8, 8-11, 11-7, 11-7 से जीत हासिल की। तेईस साल के ठक्कर की रैंकिंग 100 है और अब वह राउंड 16 में चीन के सर्वकालिक महान खिलाड़ी मा लोंग से भिड़ेंगे। वहीं भारत के अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल और जी साथियान को राउंड 32 के मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

170वीं रैंकिंग पर काबिज अयहिका मुखर्जी ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता चीन की चेन जिंगटोंग को महिला एकल राउंड 32 के पांच गेम के मुकाबले में कड़ी चुनौती दी, पर अंत में 2-11, 6-11, 11-8, 11-9, 11-3 से हार गईं।

अयहिका 2-0 से बढ़त बनाकर अपने कॅरिअर की सबसे बड़ी जीत की ओर बढ़ रही थीं लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए अगले तीन गेम जीत लिए।

पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में ठक्कर और मानुष शाह को चीन के फान झेंगडोंग और लिन गाओयुआन से 5-11, 3-11, 5-11 से हार मिली।

अयहिका और सुतिर्था मुखर्जी की महिला युगल जोड़ी को चीन की वांग मान्यु और चेन मेंग की मजबूत जोड़ी से अंतिम आठ चरण में 5-11, 11-13, 10-12 से हार मिली।

यूएस ओपन : फाइनल में हारे 43 साल के बोपन्ना

राम-सैलिसबरी ने लगातार तीसरी बार जीता खिताब

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रोहन बोपन्ना का यूएस ओपन में पुरुष युगल चैंपियन बनने का सपना दूसरी बार अधूरा रह गया। वह और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एब्डेन राजीव राम और जो सैलिसबरी से शुक्रवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में फाइनल में 6-2, 3-6, 4-6 से हार गए। राम और सैलिसबरी लगातार तीन बार यूएस ओपन जीतने वाले पहले पुरुष युगल जोड़ी बने। यह उनका कुल मिलाकर चौथा ग्रैंड स्लैम था।

बोपन्ना अपना दूसरा यूएस ओपन पुरुष युगल फाइनल खेल रहे थे। आखिरी बार, वह और उनके पाकिस्तानी साथी ऐसाम-उल-हक कुरेशी 2010 में ब्रायन बंधुओं से फाइनल में हार गए थे।

इस बार ऐसा लग रहा था कि बोपन्ना का सपना सच हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने राजीव राम की पहली सर्विस तोड़कर शुरुआत की और शुरुआत से ही अनुभवी जोड़ी पर दबाव बना दिया। बोपन्ना और एबडेन दोनों सक्रिय हो गए और उन्होंने राम और सैलिसबरी को आश्चर्यचकित कर दिया। एबडेन ने पहले सेट में एक भी गलती नहीं की और राम और सैलिसबरी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सातवें गेम में इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को दो ब्रेक मिले और स्कोर 5-2 हो गया और फिर फाइनल में एक सेट की महत्वपूर्ण बढ़त लेने में उन्होंने कोई गलती नहीं की।

राम और सैलिसबरी ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। बोपन्ना और एडबेन ने बहुत ज्यादा गलतियां नहीं की, लेकिन राम और सैलिसबरी बहुत अच्छी लय में थे। उन्होंने छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को डबल ब्रेक अप दिया और फिर अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए दूसरा सेट अपने नाम किया और मैच फाइनल को निर्णायक सेट तक ले गए।

बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में यह मैच खेला और ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रतिस्पर्धा करने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतिम सेट में कुछ अविश्वसनीय खेल का प्रदर्शन किया। चौथे गेम में बोपन्ना और एबडेन ब्रेक पाने के बहुत करीब पहुंच गए थे, लेकिन राम ने संयम बरतते हुए तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए और स्कोर 2-2 कर दिया।

वह शायद मैच की सबसे महत्वपूर्ण पकड़ थी। कुछ समय बाद तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को ब्रेक मिला और उसने 4-2 की बढ़त बना ली। एक बार जब तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी निर्णायक मुकाबले में बढ़त पर आ गई, तो उन्हें पछाड़ना हमेशा एक कठिन काम होने वाला था। जब राम मैच के लिए सर्विस कर रहे थे तो एबडेन और बोपन्ना ने उन पर दबाव डाला लेकिन भारतीय मूल के अनुभवी खिलाड़ी दबाव में शांत रहे। उन्होंने मैच को समाप्त कर इतिहास रच दिया।

कॉन्वे-मिचेल की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड जीता

इंग्लैंड को पहला वनडे 8 विकेट से हराया; मैच देखने पहुंचे एंड्रयू फ्लिंटॉफ

कार्डिफ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 4 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला कार्डिफ में खेला गया। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 291 रन बनाए। वहीं न्यूजीलैंड ने ड्वेन कॉन्वे और डेरिल मिचेल की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत 297 रन बना लिया।

ड्रेसिंग रूम में नजर आए एंड्रयू फ्लिंटॉफ

इंग्लैंड पूर्व स्टार ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ भी मैच देखने पहुंचे थे। मैच के दौरान फ्लिंटॉफ को इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम में देखा गया। फ्लिंटॉफ दिसंबर 2022 में एक कार एक्सीडेंट में घायल हो गए थे। उन्हें एयरलिफ्ट कर हॉस्पिटल ले जाया गया था। दरअसल, वे BBC के टीवी शो 'द गियर' के लिए शूटिंग कर रहे थे। उसी दौरान कार चलाते वक्त हादसा हो गया। फ्लिंटॉफ नौ महीने में पहली बार पब्लिक के सामने आए हैं।

इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर रहे टॉप स्कोरर

पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड का पहला विकेट 80 रन पर गिरा। ओपनर हैरी ब्रूक ने 25 और डेविड मलान ने 54 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से कप्तान जोस बटलर ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। उन्होंने 68 गेंद का सामना किया। वहीं लियाम लिविंगस्टोन इंग्लैंड की ओर से दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 40 गेंदों पर 52 रन बनाए। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से रचिंद्र रविंद्र ने 10 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि टीम साउदी ने 71 रन देकर 2 विकेट लिए।

कॉन्वे-मिचेल के बीच 150 रन की साझेदारी

292 रन का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की ओर से ओपनिंग करने उतरे ड्वेन कॉन्वे ने 121 गेंदों पर नाबाद 111 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 13 चौके और 1 छक्का भी जड़ा। वहीं दूसरे ओपनर विल यंग ने 33 गेंदों पर 29 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए हेनरी निकोल्स भी जल्दी आउट हो गए।

उनके पवेलियन लौटने के बाद बैटिंग करने आए डेरिल मिचेल ने कॉन्वे के साथ पारी को संभालते हुए बिना विकेट खोए न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। दोनों के बीच 138 गेंदों पर 150 रन की साझेदारी हुई। मिचेल ने 91 गेंदों में नाबाद 118 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 7 छक्के लगाए।

नोवाक जोकोविच 10वीं बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे

मेदवेदेव ने डिफेंडिंग चैम्पियन अल्कारेज को हराया

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मेदवेदेव ने अल्काराज से विंबलडन सेमीफाइनल में मिली हार का भी बदला ले लिया। अल्काराज ने विंबलडन के सेमीफाइनल में मेदवेदेव को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया था। अल्काराज यूएस ओपन के डिफेंडिंग चैंपियन भी थे। डेनिल मेदवेदेव ने शुक्रवार को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर तीन घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मैच में अल्काराज को 7-6 (7/3), 6-1, 3-6, 6-3 से हरा दिया।

इस जीत के साथ ही उन्होंने अल्काराज से विंबलडन सेमीफाइनल में मिली हार का भी बदला ले लिया। अल्काराज ने विंबलडन के सेमीफाइनल में मेदवेदेव को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया था। अल्काराज यूएस ओपन के डिफेंडिंग चैंपियन भी थे।

पिछले साल उन्होंने इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। फाइनल में मेदवेदेव का सामना वर्ल्ड नंबर दो सर्बिया के नोवाक जोकोविच से होगा। यह 2021 यूएस ओपन के फाइनल का रीमैच होगा। 2021 में मेदवेदेव ने यूएस ओपन के फाइनल में जोकोविच को हराकर ने उनके करियर ग्रैंडस्लैम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। रूस के 27 वर्षीय मेदवेदेव ने शुक्रवार के सेमीफाइनल से पहले कहा था कि उन्हें अल्काराज को हराने के लिए अपनी क्षमता का ₹10 में से 11₹ प्रदर्शन करना होगा। अल्काराज ने इस सीजन में पिछले दो मैचों में रूसी खिलाड़ी को आसानी से हराया था। अब अल्काराज को हराकार मेदवेदेव ने फाइनल जीतने के लिए कड़ी दावेदारी पेश की है।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा- आश्चर्यजनक मैच था। खासतौर पर अल्काराज जैसे खिलाड़ी को हराना। इस साल उनसे दो बार आसानी से हारने के बाद निश्चित रूप से मैच से पहले मेरे मन में बहुत सारे संदेह थे। मैंने कहा था कि मुझे 10 में से 11 खेलने की जरूरत है। मैंने तीसरे सेट को छोड़कर अपनी क्षमता का 10 में से 12 दिया। पहला सेट टाई ब्रेकर में अपने नाम करने के बाद दूसरा सेट आसानी से 6-1 से अपने नाम किया।

ब्रिटिश पीएम सुनक की पत्नी अक्षता ने फुटबॉल खेली

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता सुनक ने ब्रिटिश काउंसिल हेडक्वार्टर में एक स्थानीय स्कूल के कुछ बच्चों के साथ कुछ पल बिताए। उनसे बातचीत की और फुटबॉल भी खेली।

टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज़

लगातार पांच जीत से प्रगनानंदा को शीर्ष बढ़त, रेपिड वर्ग में तीसरे स्थान पर थे

कोलकाता, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रगनानंदा के बाद विदित गुजराती और ग्रिश्चुक के छह-छह अंक हैं। एरिगेसी और डी गुकेश के एकसमान 4.5 अंक हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रगनानंदा लगातार पांच जीत के साथ टाटा स्टील चेस इंडिया बिल्ट्ज वर्ग में 6.5 अंक लेकर शीर्ष बढ़त पर हैं। अठारह वर्षीय प्रगनानंदा रेपिड वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे थे। शुक्रवार को बिल्ट्ज वर्ग में उन्होंने पांच जीत दर्ज की। छठे दौर में उन्हें रूस के ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंडर ग्रिश्चुक ने बराबरी पर रोका। हालांकि सातवें और आठवें दौर में उन्हें क्रमशः विदित और डी गुकेश से हार का सामना करना पड़ा लेकिन दिन के अंतिम दौर में उन्होंने हमवतन अर्जुन एरिगेसी को हराया। प्रगनानंदा के बाद विदित गुजराती और ग्रिश्चुक के छह-छह अंक हैं। एरिगेसी और डी गुकेश के एकसमान 4.5 अंक हैं।

नेमार ने पेले का रिकॉर्ड तोड़ा: ब्राजील के टॉप गोल स्कोरर बने; बोलीविया 5-1 से हारा

खेल डेस्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील ने शुक्रवार को साउथ अमेरिका 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स मैच में बोलिविया को 5-1 से हरा दिया। इस मैच में नेमार ने इतिहास रच दिया। नेमार जूनियर अब ब्राजील के ऑलटाइम टॉप गोल स्कोरर बन गए हैं। ऐसा कर उन्होंने पूर्व दिग्गज पेले के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पेले ने साल 1957 और 1971 के बीच ब्राजील के लिए 92 मैच खेले और कुल 77 गोल किए। नेमार अब उनसे आगे निकल गए हैं, उनके अब 79 गोल हो गए हैं। नेमार का यह 125वां मैच था। पेले की पिछले साल दिसंबर में 82 साल की आयु में मृत्यु हो गई।

ब्राजील के टॉप-5 गोल स्कोरर कौन हैं, यह आप अगली तस्वीर में देख सकते हैं।

ब्राजील ने बोलीविया को हराया

ब्राजील ने बोलीविया को 5-1 से हराया। मैच में नेमार ने दो गोल किए। मैच के 17वें मिनट में नेमार ने एक पेनल्टी मिस कर दी थी, जिसे बोलीविया के गोलकीपर बिली विस्कारा ने बचा लिया था। ब्राजील के लिए नेमार (61वें, 90+3वें मिनट) रोड्रिगो (24वें, 53वें मिनट) और राफिन्हा (47वें) ने गोल किए। वहीं बोलीविया के लिए एकमात्र गोल विक्टर अब्रेगो (78वें मिनट) ने किया।

अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को हराया

वहीं गुरुवार को फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को 1-0 से हरा दिया। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लियोनेल मेसी की फ्री-किक से अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को 1-0 से हराया।

बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि में बदलेगी पालमूरू रंगारेड्डी परियोजना : केटीआर

मंत्री ने 16 को होने वाले उद्घाटन समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी व उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि पलामूरू रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई (पीआरएलआई) परियोजना पूर्ववर्ती पलामूरू और रंगारेड्डी जिलों की पीने और सिंचाई की पानी की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना करने के बावजूद इस परियोजना को पूरा किया है। रामा राव ने शनिवार को यहां उद्घाटन समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा, "16 सितंबर को पलामुरू रंगारेड्डी परियोजना का उद्घाटन तेलंगाना में एक ऐतिहासिक अवसर होगा।" मुख्यमंत्री इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे। पालामुरू रंगारेड्डी परियोजना पूर्ववर्ती पालामुरू की बंजर भूमि को उपजाऊ भूमि में बदल देगी। उन्होंने कहा, एक समय था जब पालमुरु से लाखों लोग आजीविका के लिए अलग-अलग स्थानों पर चले गए थे, लेकिन अब इस परियोजना के माध्यम से लाखों एकड़ जमीन को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। मंत्री ने कहा कि गोदावरी नदी पर कालेश्वरम परियोजना, कृष्णा नदी पर पालमुरु रंगारेड्डी परियोजना और एक बार सीतारमा परियोजना पूरी हो जाने के बाद, राज्य में सिंचाई क्षेत्र की परियोजनाएं संतृप्ति स्तर तक पहुंच जाएंगी। रामाराव ने कहा, "जिस तरह से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में इन परियोजनाओं का निर्माण किया, यह न केवल तेलंगाना के लोगों के लिए बल्कि भारत के नागरिकों के लिए भी गर्व की बात है।" पलामुरु रंगारेड्डी परियोजना के निर्माण की योजना 2001 में बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि परियोजना की योजनाएं अलग राज्य आंदोलन के दिनों से ही मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण में आकार ले रही थीं। सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के अलावा, यह परियोजना हैदराबाद के लिए पीने के पानी और औद्योगिक आवश्यकताओं की आपूर्ति भी करेगी। उन्होंने कहा, चूंकि इस परियोजना का उद्घाटन राज्य में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए इस अवसर को भव्य तरीके से मनाया जाना चाहिए। इस परियोजना के महत्व पर लोगों में जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि उद्घाटन समारोह में कम से कम 1.5 लाख किसान भाग लेंगे और बड़े पैमाने पर उत्सव मनाया जाना चाहिए। बैठक में पर्यटन मंत्री वी श्रीनिवास गौड़, कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी, शिक्षा मंत्री पी सबिता इंद्रा रेड्डी, मुख्य सचिव ए शांति कुमारी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

एनआईए ने तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में छापेमारी की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को 'चेरला ड्रोन मामले' के सिलसिले में तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में कई छापे और तलाशी ली, जिसमें कथित तौर पर सुरक्षा बलों के खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली विस्फोटक सामग्री, ड्रोन और एक लेथ मशीन की बरामदगी शामिल थी। एनआईए के मुताबिक, तेलंगाना के कोत्तागुडेम जिले के चेरला मंडल में जून महीने में तीन संदिग्धों से विस्फोटक सामग्री, ड्रोन और एक लेथ मशीन जब्त किए जाने के बाद एजेंसी ने अगस्त माह में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। स्थानीय पुलिस, जिसने तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। उनका कहना था कि इस नकदी का इस्तेमाल देश में बने हथियारों के निर्माण में किया जाना था, जिसका इस्तेमाल भारत के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों के खिलाफ किया जाना था। देश के लिए इसके प्रमुख अंतर-राज्यीय सुरक्षा निहितार्थों को देखते हुए मामला बाद में एनआईए को सौंप दिया गया था।

अपनी निरंतर जांच के तहत एनआईए ने वारंगल में पांच स्थानों और तेलंगाना के भद्राद्री कोत्तागुडेम में दो स्थानों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक स्थान पर संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली। एनआईए ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इसके कारण कई डिजिटल उपकरणों और आपत्तिजनक दस्तावेजों को जब्त किया गया। सीपीआई (माओवादी) को रसद समर्थन देने में संदिग्धों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए इन उपकरणों और दस्तावेजों की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया आरोपी अपने भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबंधित संगठन को कच्चा माल उपलब्ध करा रहे थे।

सरप्लस नाले में रिटेनिंग वॉल के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

विधायक मुता गोपाल व जीएचएमसी ऑयुक्त ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोस ने अधिकारियों को हुसैन सागर सर प्लस नाला में रिटेनिंग वॉल के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया है। हाल ही में हुसैन सागर ने मुशीराबाद विधायक मुता गोपाल के साथ सर प्लस नाला में गिरने से एक महिला की मौत के स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर हुसैन सागर से मारुति नगर, दामोदर संजीवैया नगर, सर प्लस नाला के दोनों किनारे और गांधी नगर अशोक नगर कॉलोनी का निरीक्षण किया। इस मौके पर विधायक मुता गोपाल ने कहा कि वे दोनों तरफ रिटर्निंग वॉल बनाना चाहते थे और यह मौजूदा रिटेनिंग वॉल से ऊंची होनी चाहिए। इस पर कमिश्नर ने अधिकारियों को तुरंत प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया। नाला रिटर्निंग वॉल के शीर्ष पर बनी संरचनाओं की पहचान निर्मित मकानों और जर्जर इमारतों के रूप में की जानी चाहिए। इसके अलावा, आयुक्त ने टाउन प्लानिंग अधिकारियों को रिटेनिंग वॉल के निर्माण के लिए आवश्यक बफर स्पेस के संबंध में लेक्स अधिकारियों को तुरंत एक पूरी रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया। साबरमती ब्रिज, गांधीनगर में नहर का निरीक्षण करते समय, आयुक्त ने एसएनडीपी द्वारा बनाई गई रिटेनिंग दीवार के ऊपर कुछ घर मालिकों के विस्तार कार्यों को देखा और सर्कल और जोनल टाउन प्लानिंग अधिकारियों को उन्हें तुरंत हटाने का आदेश दिया। आयुक्त के आदेशानुसार उक्त निर्माणों को तत्काल हटा दिया गया। रिटेनिंग दीवार के अंदर संरचनाओं के निर्माण के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। कमिश्नर ने यूबीडी अधिकारियों को इंदिरा पार्क के विकास के लिए प्रस्तावित कार्यों को तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कमिश्नर ने इंदिरा पार्क के विकास के लिए प्रस्तावित एक-एक कार्य की समीक्षा की अपर आयुक्त वी कृष्णा को युद्धस्तर पर कार्य पूरा करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इंदिरा पार्क के सौंदर्यीकरण के तहत वॉकर्स एसोसिएशन के इच्छुक प्रतिनिधियों की कुल 12 समितियों के गठन के मद्देनजर समिति के सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई और अधिकारियों को उनकी राय पर विचार करने का आदेश दिया गया और इसकी व्यवहार्यता को लागू करें।

कमिश्नर को पार्क में स्केटिंग ग्राउंड की मरम्मत कराने को कहा गया, ग्राउंड से संबंधित विशेषज्ञों से निरीक्षण कराकर मरम्मत करायी जायेगी। स्केटिंग देखने आने वालों के लिए एक ऊंची गैलरी बनाई गई है जिसके नीचे वाशरूम और शौचालय है। अन्य उपयोग हेतु उपयुक्त स्थान पर निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने हेतु जोनल कमिश्नर को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल विभाग के आयुक्त यूबीडी ने मुशीराबाद विधायक मुता गोपाल द्वारा किए जाने वाले कुल 23 कार्यों की समीक्षा की। इससे पहले आयुक्त ने कवाड़ीगुड़ा स्थित गौशाला का दौरा कर उनके कचरा निस्तारण के प्रबंधन की जानकारी ली। प्रबंधन ने बगल की खाली जगह पर प्लास्टिक कचरा फेंकने से रोकने के उपाय करने का आदेश दिया है। कमिश्नर के साथ सिकंदराबाद जोनल कमिश्नर रविकिरन लेक्स सीई, हाउसिंग ओजेएस सुरेश कुमार टाउन प्लानिंग सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, डीसी टी. यादैय्या, लेक्स वाईएस आनंद ईई आदि रहे।

राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं : निरंजन रेड्डी

कृषि मंत्री ने उर्वरक आपूर्ति व स्टॉक पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है। अगर कृत्रिम कमी पैदा करने के उपाय किए जाएं तो किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

शनिवार सुबह सचिवालय में उर्वरक आपूर्ति एवं स्टॉक की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने कहा कि इस मानसून सीजन के लिए 9.14 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटन है। अब तक 7.78 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई है। 31 मार्च तक 2.15 लाख मीट्रिक टन इस सीजन में अब तक यूरिया का अग्रिम स्टॉक उपलब्ध है। यूरिया का भंडार 9.93 लाख मीट्रिक टन है। राज्य में मौजूदा स्टॉक 2.50 लाख मीट्रिक टन है। उन्होंने कहा कि इस साल मानसून में देरी के कारण 10 लाख एकड़ खेती का रकबा कम हो गया है। फिलहाल उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। राज्य में 908 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और 16,615 अधिकृत डीलरों के माध्यम से यूरिया की आपूर्ति केवल राज्य के सयुक्त नलगोंडा जिले में है। बैठक में कृषि सचिव रघुनंदन राव, विशेष आयुक्त हनमंतु, बागवानी निदेशक हनमंता राव, विपणन निदेशक लक्ष्मीबाई, अतिरिक्त निदेशक विजय कुमार, संयुक्त निदेशक (उर्वरक) रामुलु और अन्य ने भाग लिया।

पूर्व सीएम बाबू की गिरफ्तारी अवैध : गुल्लापल्ली आनंद

कुमरम भीम आसिफाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र अध्यक्ष गुल्लापल्ली आनंद ने तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन ने चन्द्रबाबू को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू की अवैध गिरफ्तारी से आंध्र प्रदेश में जगन सरकार का पतन शुरू हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर चंद्रबाबू को तुरंत रिहा नहीं किया गया तो कि तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने आज आन्ध्र प्रदेश मुख्यमंत्री जगन का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी कुर्द अत्राम, मल्लिकार्जुन, टीएनएसएफ के राज्य उपाध्यक्ष साईराम पोलकर, टीएनएसएफ के राज्य सचिव महेश, टीएनएसएफ के राज्य कार्यकारी सचिव पृथ्वी, शेखर, रवि, गुलाब, लक्ष्मण, संजीव और अन्य ने भाग लिया।

मरीजों की जान जोखिम में डालने वाला फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

खुद को बीएएमएस, एमडी बताकर ठगता था

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मरीजों की जान जोखिम में डालने वाले एक फर्जी डॉक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कमिश्नर की टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम ने फर्जी डॉक्टर प्रदीप जैन डांगुर को पकड़ा है। वह खुद को डॉक्टर, बीएएमएस, एमडी बताता है और शाहइनायतगंज थाने की सीमा में जिंसी चौराहा रोड पर श्री नमन क्लिनिक के नाम से क्लिनिक चलाता था और धोखाधड़ी करता है। मरीज़ जान जोखिम में डालकर अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाता था। आरोपी प्रदीप जैन डांगुर बैदरवाड़ी, बेगम बाजार, हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रदीप जैन डांगुर बेगम बाजार, हैदराबाद की सीमा में रहता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अधीन काम करते हुए उसने आयुर्वेदिक और सामान्य चिकित्सा पर कुछ ज्ञान प्राप्त किया। वर्ष 1999 में उसने बिराजा मेडिकल कॉलेज ऑफ एलोपैथी, पी.ओ देबिद्वार (जयपुर), के नकली डी.ए.एम.एस, और एम.डी. (ए), आयुर्वेदिक चिकित्सा के दस्तावेज खरीदे। आसान पैसा कमाने के लिए अवैध रूप से हैदराबाद में अपना क्लिनिक खोलने की योजना बनाई और जिंसी चौराहा, जुमेरात बाजार रोड हैदराबाद में "श्री नमन क्लिनिक" के नाम से एक क्लिनिक शुरू किया। उसने डिस्प्ले बोर्ड पर डॉ. प्रदीप जैन, बी.ए.एम.एस., एम.डी., जनरल फिजिशियन लिखलाया। बिना किसी योग्यता के और एक लेटर पैड भी छपवाया और बिजिटिंग कार्ड भी छपवाए। वह सामान्य चिकित्सक, आयुर्वेदिक, एलोपैथिक और अन्य सामान्य रोगों के इलाज के लिए दवाएँ देकर भोले-भाले मरीजों से मोटी रकम वसूल रहा है और उनकी जान जोखिम में डालकर उन्हें धोखा दे रहा है और अवैध रूप से आसानी से पैसा कमा रहा है। वह औषधि का उपयोग नहीं जानता है। विश्वसनीय सूचना पर, सेंट्रल जोन टास्क फोर्स टीम ने फर्जी डॉक्टर को पकड़ लिया। पुलिस को उसके पास से डीएएमए, बीएएमएस, एमडी के नकली और जाली प्रमाण पत्र, मेडिसिन प्रिस्क्रिप्शन लेटर हेड, रबर स्टैम्प, विजिटिंग कार्ड आदि मिला है। आरोपी व्यक्ति को जब्त सामग्री के साथ आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए शाहइनायतगंज थाने के प्रभारी को सौंप दिया गया।

जनगांव में मिली दुर्लभ मूर्ति

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले के रघुनाथपल्ली मंडल के वेल्दी गांव में अंग्रेजी अक्षर सी के आकार की एक दुर्लभ स्मारक मूर्ति मिली है। यह मूर्ति, जो 3,000 वर्ष से अधिक पुरानी मानी जाती है, स्थानीय शिव मंदिर में पाई गई थी। यह पत्थर से बना है और लगभग दो फीट ऊंचा है। वेल्डी के ग्रामीण इस मूर्ति की हनुमान के रूप में पूजा करते रहे हैं, लेकिन पुरातत्व प्रेमी रेड्डी रत्नाकर रेड्डी का मानना है कि यह प्रागैतिहासिक काल की एक स्मारक मूर्ति है। उनका कहना है कि मूर्तिकला एक महत्वपूर्ण खोज है जो तेलंगाना के प्राचीन इतिहास में नई अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकती है। उन्होंने पुरातत्वविदों और इतिहासकारों से गांव का दौरा करने और मूर्तिकला का और अध्ययन करने का आह्वान किया है। रेड्डी का कहना है कि इसी तरह की मूर्तियां पड़ोसी राज्य कर्नाटक में हिरेबेनाकल मेगालिथिक साइट पर मिली हैं। उनका मानना है कि वेल्डी मूर्तिकला का उपयोग कब्र चिन्हक के रूप में या मृतकों को याद करने के तरीके के रूप में किया गया होगा। स्मारक मूर्तिकला की खोज तेलंगाना के लिए एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के प्राचीन इतिहास और संस्कृति पर प्रकाश डालने में मदद मिल सकती है। स्मारक मूर्तिकला के अलावा, गाँव में एक जैन मंदिर के खंडहर और अन्य मूर्तियाँ भी मिलीं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विदेशी सिगरेट बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल टीम ने अफजलगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अशोक बाजार में एक गोदाम में छापा मारकर मनोहर सिंह नाम के एक आरोपी को पकड़ा। वह अवैध रूप से निजी परिवहन के माध्यम से दिल्ली से हैदराबाद तक कम कीमत पर विदेशी सिगरेट आयात करता था। इसी गोदाम में भंडारण करता था और ऊंचे दाम पर बेचता था। आरोपी के पास से बरामद सिगरेट का मूल्य तीन लाख से अधिक बताया जाता है। आरोपी मनोहर सिंह उर्फ मनोहर राजस्थान राज्य के सिरो जिले के मंदार (गांव) का मूल निवासी है। छह साल पहले हैदराबाद आया। वर्तमान में अशोक बाजार, अफजलगंज की सीमा में निवासरत हैं। उन्हें सिगरेट लाइटर मार्केटिंग एजेंसी मिल गई। अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने के लिए, दिल्ली में रोहित शर्मा नामक विदेशी सिगरेट बिक्री व्यवसाय एजेंटों के संपर्क में आया, बिना किसी टैक्स चालान के सबसे कम कीमत पर विभिन्न ब्रांड सिगरेट के सिगरेट पैकेट खरीदे और सड़क परिवहन सेवाओं के माध्यम से दिल्ली से हैदराबाद तक परिवहन किया और अवैध रूप से भंडारण किया। आरोपी के पास से विभिन्न ब्रांड के सिगरेट के कुल 170 डिब्बे जब्त किए गए और उनका बाजार मूल्य लगभग 3 लाख 5 हजार बतायी जा रही है। जब्त सामग्री के साथ आरोपी व्यक्ति को आगे की जांच के लिए अफजलगंज पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.